THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

बांके बिहारी मंदिर में जगमोहन हॉल से दर्शन करने पर लगी रोक, सुप्रीम कोर्ट समिति का फैसला

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त उच्च स्तरीय समिति ने बांके बिहारी मंदिर में सीढ़ियां चढ़ने और जगमोहन हॉल से दर्शन करने पर रोक लगाने का आदेश दिया है। मंदिर के पुजारियों द्वारा समिति के निर्देश को न मानने के बाद यह फैसला लिया गया है। जगमोहन हॉल बांके बिहारी मंदिर के गर्भ गृह और आम लोगों द्वारा भगवान के दर्शन करने वाली जगह के बीच की जगह है। स्थानीय परंपराओं के अनुसार, श्रद्धालु आम तौर पर इस स्थान में नहीं घुस सकते और सिर्फ मंदिर के पुजारी ही यहां विशेष पूजा करा सकते हैं।

वर्ष-30 अंक : 237 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.3 2082 रविवार, 23 नवंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

'पुराने डेवलपमेंट मॉडल ने रिसोर्स छीने'

जी-20 समिट में बोले मोदी

केप टाउन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने जोहान्सबर्ग में शनिवार को जी-20 समिट में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दुनियाभर के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान ब्राजीली राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा को उन्होंने गले लगा लिया।

इसके बाद मोदी ने समिट के पहले सेशन में भाषण दिया। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों पर भारत का नजरिया दुनिया के सामने रखा। मोदी ने पुराने डेवलपमेंट मॉडल के मानकों पर दोबारा सोचने की अपील की।

उन्होंने कहा- पुराने डेवलपमेंट मॉडल ने रिसोर्स छीने, इसे बदलना जरूरी है। दूसरी ओर अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने 2026 की अध्यक्षता किसी 'खाली कुर्सी' को सौंपने की बात कही है। 2026 में जी-20 की अध्यक्षता अमेरिका को मिलनी है, लेकिन अब तक कोई अमेरिकी ऑफिशियल समिट में शामिल नहीं हुआ है। ट्रम्प के जी-20 समिट को बायकॉट करने के बावजूद बाकी देशों ने साउथ अफ्रीका के बनाए घोषणा पत्र को आपसी सहमति से मंजूर कर लिया है। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने बताया कि सभी देशों का अंतिम बयान पर सहमत होना बेहद जरूरी था, भले ही अमेरिका इसमें शामिल नहीं हुआ। शुक्रवार को जी-20 देशों ने बिना अमेरिकी भागीदारी के ही घोषणा पत्र का ड्राफ्ट तैयार कर लिया था। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने इसे शर्मनाक कदम बताया।

ट्रम्प ने जी-20 समिट के मुख्य एजेंडे को भी खारिज कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका चाहता था कि जी-20 देश गरीब देशों की जलवायु आपदा से लड़ने में मदद करें, साफ ऊर्जा की ओर बढ़ें और विकासशील देशों के कर्ज के बोझ को कम करें। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका ने इन सभी मुद्दों पर साथ देने से इनकार कर दिया है। इसपर अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने कहा कि शायद उन्हें अगली अध्यक्षता किसी 'खाली कुर्सी' को सौंपनी होगी। दरअसल, जी-20 समिट की 2026 की मेजबानी अमेरिका को मिलनी है, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प इस समिट में भाग नहीं ले रहे हैं। >14

संसद में सरकार लाएगी 10 नए बिल

परमाणु क्षेत्र में निजी कंपनियों के प्रवेश का खुलेगा रास्ता

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है और सरकार इस बार 10 नए विधेयक (बिल) पेश करने की तैयारी में है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025', जो देश के नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का रास्ता बनाएगा। अब तक यह क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहा है। सरकार का कहना है कि यह नया कानून परमाणु ऊर्जा के उपयोग और उसके नियमन से जुड़े ढांचे को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे देश में ऊर्जा उत्पादन और तकनीकी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव का प्रस्ताव :

सत्र के एजेंडे में हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल भी शामिल है। लोकसभा के बुलेटिन के मुताबिक यह बिल ऐसे आयोग की स्थापना करेगा, जो विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता दे, उन्हें स्वतंत्र और स्वयं-शासित संस्थान बनने में मदद करे और मान्यता की प्रक्रिया को पारदर्शी और मजबूत बनाए। यह प्रस्ताव काफी समय से सरकार की योजना में रहा है और अब इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।

सरकार कुछ पुराने कानूनों को भी आसान और आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठाने जा रही है। इसमें कई अहम बिल शामिल हैं।

> नेशनल हाईवेज (संसोधन) बिल- राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए जमीन अधिग्रहण को तेज, पारदर्शी और सरल बनाने का लक्ष्य।

> कॉरपोरेट लॉज (संसोधन) बिल, 2025- कंपनियों अधिनियम 2013 और एलएलपी एक्ट 2008 में बदलाव के जरिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देना। >14

'लोकतंत्र को ऐसे ही काम करना चाहिए'

> ट्रंप-ममदानी की मुलाकात पर शशि थरूर का रिएक्शन

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी के साथ बैठक पर प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, न्यूयॉर्क में मेयर पद के चुनाव से पहले ट्रंप और ममदानी दोनों ने एक-दूसरे पर निशाना साधा था, लेकिन शुक्रवार को व्हाइट हाउस में उनके बीच हुई बैठक सौहार्दपूर्ण रही।

शशि थरूर ने इस मीटिंग की एक क्लिप शेयर करते हुए कहा, लोकतंत्र को इसी तरह काम करना चाहिए, साथ ही उन्होंने कहा कि वह भारत में इसे और ज्यादा देखना पसंद करेंगे। थरूर ने कहा, चुनावों में अपने दृष्टिकोण के लिए पूरे जोश से लड़ें, बिना किसी बयानबाजी की रोक-टोक के। लेकिन एक बार चुनाव खत्म हो जाए और लोग अपनी बात कह दें, तो उस राष्ट्र के साझा हितों में एक-दूसरे के साथ सहयोग करना सीखें जिसकी सेवा करने का आप दोनों ने संकल्प लिया है। उन्होंने आगे कहा कि वह भारत में भी यही समीकरण बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

ऐतिहासिक होगा जस्टिस सूर्यकांत का शपथ समारोह

> पहली बार छह देशों के चीफ जस्टिस और जज होंगे शामिल

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर (सोमवार) को देश के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) के रूप में शपथ लेंगे। इस शपथ ग्रहण समारोह में कई देशों के मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीश शामिल होंगे। यह पहली बार है जब किसी भारतीय मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण समारोह में कोई अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दिन भूटान से लेकर श्रीलंका तक छह देशों के एक दर्जन से ज्यादा न्यायाधीश और मुख्य न्यायाधीश मौजूद रहेंगे। **भूटान** : न्यायमूर्ति ल्योनपो नोरबू शेरिंग, भूटान के मुख्य न्यायाधीश, ल्हादेन लोटे, भूटान के मुख्य न्यायाधीश की पत्नी।

केन्या : न्यायमूर्ति मार्था कूमे, केन्या के सर्वोच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश और अध्यक्ष, न्यायमूर्ति मुसान नजोकी एनडुंगु, न्यायाधीश, केन्या के सर्वोच्च न्यायालय।

मलेशिया : न्यायमूर्ति तान श्री दातुक नलिनी पथमनाथन, न्यायाधीश, मलेशिया की संघीय अदालत, पसुपति शिवप्रगसम, मलेशिया के संघीय न्यायालय के न्यायाधीश की पत्नी।

मॉरीशस : न्यायमूर्ति बीबी रेहाना मुंगली-गुलबुल, मॉरीशस की मुख्य न्यायाधीश, रेबेका हन्ना बीबी गुलबुल, मॉरीशस के मुख्य न्यायाधीश की बेटी।

नेपाल : न्यायमूर्ति प्रकाश मान सिंह राउत, नेपाल के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सपना प्रधान मल्ला, न्यायाधीश, नेपाल सुप्रीम कोर्ट। अशोक बहादुर मल्ल, न्यायमूर्ति सपना प्रधान मल्ल की पत्नी, अनिल कुमार सिन्हा, नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और वर्तमान में नेपाल सरकार में कानून, न्याय और संसदीय मामलों के मंत्री, उर्सिला सिन्हा अनिल कुमार सिन्हा की पत्नी।

श्रीलंका : न्यायमूर्ति पी पद्मन सुरसेना, श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश, श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश की पत्नी सेपालिका सुरसेना, न्यायमूर्ति एस. थुरैराजा, पीसी, न्यायाधीश, श्रीलंका का सर्वोच्च न्यायालय, शशिकला थुरैराजा, न्यायमूर्ति एस. थुरैराजा की पत्नी, न्यायमूर्ति एएचएमडी नवाज, न्यायाधीश, श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट, रिजान मोहम्मद ढीलीप नवाज, न्यायमूर्ति एएचएमडी नवाज़ की पत्नी। >14

तमिलनाडु विधनसभा चुनाव-सीट शेयरिंग के लिए कांग्रेस ने कमेटी बनाई

चेन्नई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने सहयोगी दल डीएमके के साथ सीट बंटवारे पर औपचारिक बातचीत के लिए पांच सदस्यीय कमेटी बनाई है। यह कमेटी पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर बनाई गई है और गठबंधन की रूपरेखा पर दोनों दलों के बीच बातचीत का नेतृत्व करेगी।

तमिलनाडु-पुडुचेरी के कांग्रेस इंचार्ज गिरीश चोडनकर को कमेटी अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा टीएनसीसी अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई, कांग्रेस विधायक दल के नेता एस. राजेश कुमार सहित अन्य दो सदस्य भी कमेटी में शामिल हैं। टीएनसीसी ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। >14

कांग्रेस ने सरदार पटेल के योगदान को जानबूझकर दबाया : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका को याद करते हुए आरोप लगाया कि स्वतंत्रता के बाद चार दशकों तक कांग्रेस ने पटेल के योगदान को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया, जिसके वे वास्तविक हकदार थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही वह नेता हैं जिन्होंने सरदार पटेल को सही सम्मान दिलाया है।

कार्यक्रम में नड्डा ने '@150 यूनिटी मार्च' को हरी झंडी दिखाकर पटेल की जयंती का शुभारंभ भी किया।

नड्डा ने कहा कि भारत की आजादी के समय देश 562 रियासतों में बंटा था और ब्रिटिश शासन चाहता था कि भारत कमजोर और विभाजित रहे। लेकिन सरदार पटेल ने दो वर्षों के भीतर इन सभी रियासतों का एकीकरण कर भारत को एक मजबूत राष्ट्र के रूप में खड़ा किया।

उन्होंने कहा कि इतना बड़ा योगदान देने के बावजूद कांग्रेस सरकारों ने राजनीतिक कारणों से पटेल को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। नड्डा ने आरोप लगाया कि 1950 से 1991 तक कांग्रेस सत्ता में रही, लेकिन किसी प्रधानमंत्री ने पटेल को भारत रत्न देने का निर्णय नहीं लिया। उनके मुताबिक राजनीतिक साजिशें रची गईं ताकि पटेल को इतिहास में वह स्थान न मिले, जिसे रोकने का प्रयास कांग्रेस सरकारों ने लगातार किया। नड्डा ने कहा कि इस अन्याय को खत्म करने का सही काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है।

सीएम सुक्खू की तबीयत बिगडी

अचानक रद किए सभी कार्यक्रम, डिप्टी सीएम की बेटी की शादी में जाना भी कैंसल

शिमला, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू अस्वस्थ हैं। इसके चलते शनिवार को होने वाले उनके सभी सरकारी कार्यक्रम रद हो गए हैं। वीरवार को भी वह शिमला स्थित अपने सरकारी आवास ओक ओवर में ही रहे। उन्होंने आराम किया और स्वास्थ्य लाभ लिया।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री का बिलासपुर में जल तरंग जोश महोत्सव-2025 में जाने का कार्यक्रम था, लेकिन स्थगित कर दिया गया।

साथ ही मुख्यमंत्री सचिवालय में आम लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुनने का कार्यक्रम भी आयोजित नहीं हो पाया। शनिवार को मुख्यमंत्री का शिमला स्थित समग्र शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना निदेशालय जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित था। इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की बेटी के शादी समारोह में भाग लेने के लिए हरोली जाने का कार्यक्रम भी था। यह सभी कार्यक्रम रद हो गए हैं।

एमएफ हुसैन पेंटिंग मामला

दिल्ली एचसी से कांग्रेस नेता भंवर जितेंद्र सिंह को राहत, वीडियो कांफ्रेंस के जरिए हो सकेंगे पेश

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने मशहूर कलाकार एम.एफ। हुसैन की कीमती पेंटिंग से जुड़े विवाद में कांग्रेस नेता और पूर्व गृह राज्य मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उन्हें ट्रायल कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होने की इजाजत दे दी है। हालांकि आगे की कानूनी कार्रवाई पर रोक लगाने से कोर्ट ने इनकार कर दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 7 अप्रैल 2026 को होगी। यह मामला एमएफ।

हुसैन की एक कीमती पेंटिंग से जुड़ा है, जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जाती है। हाई कोर्ट में दाखिल याचिका के मुताबिक अप्रैल 2014 में भंवर जितेंद्र सिंह ने शिकायतकर्ता की मां जो खुद पूर्व सांसद रह चुकी हैं से यह पेंटिंग उधार ली थी। परिवार का आरोप है कि जब कुछ समय बाद पेंटिंग वापस मांगी गई तो कांग्रेस नेता ने इसे लौटाने में देरी की। 2017 में उन्होंने रिपोर्टेडली कहा कि वह पेंटिंग को ढूंढ नहीं पा रहे हैं। बताया गया कि उन्होंने इसके बदले बूँदी मिनिएचर पेंटिंग्स देने का प्रस्ताव भी दिया, लेकिन मूल पेंटिंग अब तक वापस नहीं की गई। शिकायत दर्ज होने के बाद मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पहले इसे एफआईआर या कार्रवाई लायक मामला नहीं माना। लेकिन इस फैसले को बाद में स्पेशल जज ने बदल दिया और कांग्रेस नेता को क्रिमिनल ब्रीच ऑफ ट्रस्ट यानी आपराधिक विश्वासघात के तहत तलब करने का आदेश दिया। इसी आदेश को चुनौती देने के लिए भंवर जितेंद्र सिंह ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

हाई कोर्ट में कांग्रेस नेता के वकील ने दी दलील

सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि पेंटिंग सौंपे जाने का कोई पक्का सबूत मौजूद नहीं है। वकील ने दलील दी कि शिकायत में न तो तारीख है, न समय, गवाहों के बयान आपस में मेल नहीं खाते हैं। ऐसा कोई लिखित या ठोस प्रमाण नहीं मिला है कि पेंटिंग उन्हें दी गई थी। सिंघवी ने कोर्ट से अनुरोध किया कि जब तक हाई कोर्ट मामले पर फैसला नहीं सुनाता, तब तक ट्रायल कोर्ट की कार्रवाई पर रोक लगाई जाए या कम से कम नेता को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होने की अनुमति दी जाए।

हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद दिल्ली पुलिस और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल वह ट्रायल कोर्ट की प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाएगा। लेकिन राहत देते हुए निर्देश दिया कि भंवर जितेंद्र सिंह ट्रायल कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हो सकते हैं। अब इस केस की अगली सुनवाई 7 अप्रैल 2026 को होगी। तब तक हाई कोर्ट पुलिस और शिकायतकर्ता की प्रतिक्रिया पर गौर करेगा और फिर तय करेगा कि स्पेशल जज का तलब करने वाला आदेश सही था या नहीं।

सिंगर ट्रैविस स्कॉट के कॉन्सर्ट में 18 लाख के फोन चोरी

12 सोने की चेन गायब!

मुंबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में हाल ही में अमेरिकी सिंगर और रैपर ट्रैविस स्कॉट कॉन्सर्ट हुआ था। मुंबई के महालक्ष्मी रेसकोर्स में हुए इस कॉन्सर्ट में हजारों की संख्या में लोग इकट्ठे हुए। इस दौरान चोरों ने अपनी हाथ की सफाई दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ा। पुलिस को मिलीं शिकायतों के अनुसार, ट्रैविस कॉन्सर्ट में शामिल होने वाले लोगों के पास से 18 लाख की कीमत के 24 फोन चोरी हुए हैं। इतना ही नहीं, चोरों ने सोने की 12 चेनें भी उड़ा ली हैं।

सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी पुलिस

ट्रैविस स्कॉट के सुपरहिट गानों पर हजारों की संख्या में लोग झूमते दिखे। जब सभी मस्ती में डूबे हुए थे, तब चोरों ने भीड़ का फायदा उठाया और करीब 24 मोबाइल फोन और 12 सोने चेन चोरी कर लीं। इनकी कीम कुल 18 लाख रुपये बताई जा रही है। ये आंकड़े अभी तक मिली शिकायतों के मुताबिक हैं। असल आंकड़े इससे ज्यादा भी हो सकते हैं। इस घटना के बाद कॉन्सर्ट मे शामिल हुए लोग नजदीकी पुलिस स्टेशन पहुंचे और एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस ने अज्ञाता शख्स के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) और 304 के तहता मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच में जुटी है। कॉन्सर्ट वेन्यू के एंट्रेंस गेट पर लगे सीसीटीवी की पड़ताल की जा रही है।

सस्पेंड एडीसी चारुमिता के खिलाफ विजिलेंस की कार्रवाई

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज

मोगा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। (पंजाब) विजिलेंस विभाग फिरोजपुर ने मोगा की सस्पेंड एडीसी एवं नगर निगम कमिश्नर चारुमिता के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। इससे पहले 6 नवंबर को पंजाब सरकार ने चारुमिता को उनके पद से निलंबित कर दिया था। इस संबंध में चीफ सेक्रेटरी केएपी सिन्हा ने आदेश जारी किए थे। आदेश के अनुसार निलंबन अवधि के दौरान चारुमिता का हेडक्वार्टर चंडीगढ़ निर्धारित रहेगा और वह संबंधित प्राधिकरण की अनुमति के बिना वहां से बाहर नहीं जा सकेंगी।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, धर्मकोट से बहादुरवाला तक नेशनल हाईवे निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण किया गया था। इस दौरान मुआवजे की राशि 3.7 करोड़ रुपये के लेन-देन में गड़बड़ी सामने आई। विजिलेंस ब्यूरो ने जांच के बाद पीसीएस अधिकारी चारुमिता के खिलाफ चार्जशीट तैयार की थी। अब मामले की जांच के बाद चारुमिता के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

पचास किलो हेरोइन के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

एएनटीएफ ने ममदोट के गांव में फायरिंग कर घेरा

फिरोजपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। एएनटीएफ ने फिरोजपुर से पचास किलो हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। तस्कर कार में हेरोइन लेकर जा रहे थे, तभी एएनटीएफ ने कार्रवाई की। आरोपी की पहचान संदीप सिंह निवासी गांव शेरावली छन्ना, कपूरथला के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार, एएनटीएफ संदीप सिंह का पीछा कर रही थी। छिपने के लिए आरोपी ममदोट के गांव गजनीवाला की तरफ मुड़ गया। एएनटीएफ ने इसको ममदोट के गांव राउके हिठार में घेर लिया और फायरिंग के बाद इसे काबू कर लिया गया।

आईएसआई कनेक्शन वाला हथियार तस्कर नेटवर्क पकड़ा

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार मंगाते; लॉरेंस-गोगी जैसे गैंगस्टरों को सप्लाई करते थे

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करने में दिल्ली क्राइम ब्रांच को बड़ी कामयाबी मिली है। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने पाकिस्तान आईएसआई से जुड़े एक बड़े इंटरनेशनल हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस के मुताबिक, ये गिरोह पाकिस्तान के रास्ते तुर्की और चीन में बने हाई एंड पिस्टल भारत में सप्लाई कर रहा था। ये हथियार कहीं सप्लाई होते और वारदातों को अंजाम देने में इस्तेमाल होते, उससे पहले ही क्राइम ब्रांच ने तस्करों को धर दबोचा।

बता दें कि दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने इस मामले में अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह के 4 अहम सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 10 विदेशी महंगी पिस्टल और 92 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। ये हथियार दिल्ली और आसपास के राज्यों में बदमाशों और गैंगस्टरों तक पहुंचाए जा रहे थे।

आईएसआई के इशारे पर कैसे होती थी तस्करी?

दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच का कहना है कि ये पूरा नेटवर्क पाकिस्तान आईएसआई से जुड़े लोगों के इशारे पर काम कर रहा था। पहले हथियार पाकिस्तान पहुंचाए जाते, फिर वहां से तस्करी कर भारत की सीमा के अंदर लाए जाते थे।

क्राइम ब्रांच ऐसे जोड़ेगी तस्करों के तार

पुलिस अब यह पता लगाने में लगी है कि अब तक ये लोग कितने हथियार भारत में बेच चुके हैं और किन-किन गैंग या लोगों तक ये असलहे पहुंचे हैं। जांच एजेंसियां मोबाइल, बैंक डिटेल और सोशल मीडिया की मदद से गिरोह के बाकी सदस्यों और उनके लिंक की भी पड़ताल कर रही हैं।

एजेंसियों ने और पैनी की निगरानी

गौरतलब है कि बीते 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किला के पास हुए धमाके की घटना के बाद एजेसियों ने अपनी निगरानी और पैनी कर दी है। हर एक संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। आतंक से संबंध रखने वाले हर किसी की धर-पकड़ की जा रही है। लाल किला धमाके की घटना में 15 लोगों की मौत हो गई थी और 2 दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

'अब बैठक में बिना मंजूरी किसी भी मामले पर चर्चा नहीं'

सबरीमाला विवाद के बीच टीडीबी अध्यक्ष का आदेश जारी

तिरुवनंतपुरम, 22 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के सबरीमाला मंदिर में सोने की परत के विवाद में अब एक नया मोड़ आ गया है। इसके तहत त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अध्यक्ष के जयकुमार ने एक नया आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि अब बोर्ड की बैठकों में कोई भी मामला उनके पूर्वानुमोदन के बिना पेश नहीं किया जाएगा। यह आदेश शुक्रवार को जारी किया गया। माना जा रहा है कि यह कदम हाल ही में सबरिमाला मंदिर से सोने की परत चोरी के विवाद के बाद उठाया गया है। इस मामले में दो पूर्व टीडीबी अध्यक्षों को स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने गिरफ्तार किया था।

आदेश में कुल पांच बातों पर मुख्य फोकस

बता दें कि टीडीबी द्वारा जारी आदेश में कुल पांच बातों पर मुख्य फोकस किया गया है। इसके तहत पहली बात ये है कि जो भी विषय अध्यक्ष से पहले मंजूर नहीं होंगे, उन्हें बोर्ड की बैठक में नहीं रखा जाएगा। दूसरी बात अध्यक्ष द्वारा मंजूर किए गए सभी मामलों को फोल्डरों में संकलित कर बैठक में उन्हें और बोर्ड के सदस्यों को सौंपा जाएगा। इसके अलावा बैठक में लिए गए निर्णयों की मास्टर कॉपी बोर्ड सदस्यों को जारी की जाएगी। मास्टर कॉपी, जिस पर सभी सदस्य हस्ताक्षर करेंगे, अगली बैठक में मिनट्स में पुष्टि की जाएगी और विभाग अपने अधिकार क्षेत्र के तहत स्वतंत्र निर्णय ले सकते हैं, जैसा कि पावर डेलीगेशन में तय है।

एसआईटी की जांच और आरोप

गौरतलब है कि हाल ही में एसआईटी ने जांच में पाया कि 2019 में पूर्व टीडीबी सदस्यों ने बोर्ड की बैठक में सोने की चढ़ी हुई द्वारपालक परत और श्रीकोविल (मंदिर के मुख्य गर्भगृह) के दरवाजे की चढ़ाई के लिए एजेंडा पेश किया था। एसआईटी का आरोप है कि पूर्व अध्यक्ष ए। पद्मकुमार ने रिकॉर्ड में बदलाव किया और सोने की चढ़ी परत को सिर्फ तांबे की प्लेट्स दिखा दिया। इस आदेश के बाद अब बोर्ड की बैठकों में सब कुछ अध्यक्ष की निगरानी में होगा और किसी भी मामले को बिना अनुमति के नहीं उठाया जा सकेगा।

शिक्षा के मंदिर में मजहबी एजेंडा! स्कूली बच्ची को पढ़ाया कलमा, वीडियो वायरल

राजोरी, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पंजनाड़ा में स्थित निजी स्कूल स्टार इंस्टीट्यूट एजुकेशन मिशन में हिंदू बच्ची को कलमा पढ़ाया जा रहा था। वीडियो वायरल होने पर हिंदू संगठनों व अभिभावकों ने इस पर रोष जताया। उपायुक्त (डीसी) अभिषेक शर्मा के आदेश पर मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) मोहम्मद हाफिज शेख ने आननफानन जांच के लिए टीम गठित कर मौके पर भेजा। उधर, मामला तूल पकड़ते ही स्कूल प्रबंधन ने मौलवी को बाहर निकाल दिया।

कालाकोट शिक्षा जोन के स्कूल का एक वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। इसमें दिखा कि यूकेजी में पढ़ने वाली एक बच्ची को कलमा पढ़ाया जा रहा था। डीसी के आदेश के बाद सीईओ ने हायर सेकेंडरी स्कूल काकोड़ा, हायर सेकेंडरी स्कूल कालाकोट और मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल राजोरी को शामिल कर जांच टीम बना दी। मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल मुस्लिम वाणी ने बताया कि टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। उधर, स्टार इंस्टीट्यूट एजुकेशन मिशन की प्रिंसिपल गजाला ने कहा कि उनके स्कूल में ऐसा पहली बार हुआ है।

पूर्व बीजेपी विधायक सुरेश राठौड़ पर उर्मिला के गंभीर आरोप

आत्मदाह की धमकी से बढ़ी राजनीतिक हलचल

हरिद्वार, 22 नवंबर (एजेंसियां)। हरिद्वार की राजनीति एक बार फिर गर्मा गई है। ज्वालापुर के पूर्व बीजेपी विधायक सुरेश राठौड़ पर उनकी कथित पत्नी उर्मिला सेनोवर ने दोबारा गंभीर आरोप लगाए हैं, जिससे राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। उर्मिला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर दावा किया कि वह पिछले चार साल से मानसिक, शारीरिक और सामाजिक शोषण का शिकार हो रही हैं। उनका कहना है कि राठौड़ ने रिश्ते का भरोसा देकर उन्हें अपने साथ रखा, लेकिन बाद में लगातार प्रताड़ित किया और अब उन्हें झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश की जा रही है।

उर्मिला के अनुसार, उन्होंने कई बार पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वीडियो में वे भावुक होकर कहती हैं कि अगर अगले चार दिनों के भीतर प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया, तो वे बीजेपी प्रदेश कार्यालय के बाहर आत्मदाह कर लेंगी। उनकी यह चेतावनी सामने आते ही राजनीति और प्रशासन दोनों में हलचल मच गई है।

नए आरोपों से फिर सुर्खियों में आया विवाद

उर्मिला और सुरेश राठौड़ के विवाद की कहानी नई नहीं है। इससे पहले भी उनके कई वीडियो सामने आए थे, जिनमें उर्मिला ने खुद को पूर्व विधायक की पत्नी बताया था। इन विवादों के चलते बीजेपी ने कुछ समय पहले ही सुरेश राठौड़ को पार्टी से बाहर कर दिया था। इसके बावजूद मामला शांत नहीं हुआ और अब उर्मिला के नए आरोपों ने इस विवाद को फिर सुर्खियों में ला दिया है।

मेरी सिर्फ एक ही पत्नी है रविंद्र कौर- सुरेश राठौड़

हाल ही में सुरेश राठौड़ ने सार्वजनिक रूप से बयान दिया था कि उनकी सिर्फ एक ही पत्नी है- रविंद्र कौर और उनका किसी अन्य महिला से कोई वैवाहिक संबंध नहीं है। राठौड़ के इस बयान के कुछ ही समय बाद उर्मिला का नया वीडियो सामने आ गया, जिसमें उन्होंने राठौड़ को झूठा बताते हुए कई पुराने आरोप दोहराए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर, उर्मिला के आरोपों को लेकर स्थानीय लोग और सामाजिक संगठन भी पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। हालांकि, बीजेपी नेतृत्व इस पूरे विवाद पर फिलहाल चुप है और कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सीएम रेखा गुप्ता पर हमले के मामले में

सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल करेगी दिल्ली पुलिस, 15 दिसंबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले के मामले में तीस हजारी कोर्ट में शनिवार को होने वाली सुनवाई 15 दिसंबर तक के लिए टल गई है। इस मामले में दिल्ली पुलिस आगे सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल करेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमले मामले को लेकर पिछली सुनवाई में निचली अदालत ने राजेश भाई खीमजी के खिलाफ दाखिल चार्जशीट को सेशन कोर्ट ट्रांसफर कर दिया था। पिछले दिनों दिल्ली पुलिस ने तीस हजारी कोर्ट में आरोपियों राजेश भाई खीमजी और सैयद तसहीन रजा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।

दरअसल, यह मामला 20 अगस्त का है, जब सीएम रेखा गुप्ता अपने आधिकारिक निवास पर जनसुनवाई कर रही थीं। इसी दौरान गुजरात निवासी राजेश खीमजी ने अचानक उन पर हमला कर दिया। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत आरोपी को पकड़ लिया। हमले की घटना के बाद सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज की गई। प्रारंभिक पूछताछ में राजेश खीमजी ने बताया था कि वह आवारा कुत्तों के मुद्दे को लेकर नाराज था और इसी वजह से उसने हमला किया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि इस हमले में राजेश खीमजी का साथी सैयद तसहीन रजा शामिल था। पुलिस के मुताबिक, सैयद ने हमले की साजिश में राजेश की मदद की थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सभी जरूरी सबूत जुटा लिए हैं और मामले की पूरी जांच लगभग पूरी कर ली गई है। अब आगे की कानूनी प्रक्रिया सेशन कोर्ट में पूरी की जाएगी, जहां दोनों आरोपियों को पेश किया जाएगा।

मजिस्ट्रेट कोर्ट ने चार्जशीट को सेशन कोर्ट में ट्रांसफर करने का आदेश दिया था। चार्जशीट में आरोपियों पर हमला करने, सुरक्षाबलों के सामने कार्रवाई में बाधा डालने और साजिश रचने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

'6 दिसंबर को बेलडांगा में रखेंगे बाबरी मस्जिद की नींव'

कोलकाता, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी के एक विधायक ने दावा किया है कि 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखी जाएगी, जिसमें कई मुस्लिम नेता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इस मस्जिद के निर्माण में तीन साल का समय लगेगा। टीएमसी विधायक के इस बयान पर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। टीएमसी विधायक के बयान पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और इसे टीएमसी की तुष्टिकरण और धर्म की राजनीति करार दिया। पश्चिम बंगाल की भरतपुर विधानसभा सीट से विधायक हुमायूं कबीर ने बीते साल बाबरी मस्जिद के निर्माण का एलान किया था। कबीर ने कहा कि बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने वाले कार्यक्रम में करीब दो लाख लोग शामिल होंगे, जिनमें 400 प्रमुख हस्तियां मंच पर उपस्थित रहेंगी।

टीएमसी विधायक के एलान पर राजनीतिक घमासान

भाजपा ने कहा- बाबर एक लुटेरा था और उसके नाम पर कुछ भी बनना अस्वीकार्य

पश्चिम बंगाल भाजपा ने टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर के विरोध में बरहामपुर में राम मंदिर बनाने का ऐलान किया है। भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने कहा कि 'अगर कहीं बाबरी मस्जिद बनती है, तो हम वहां मंदिर बनाकर रामलला को वापस लाएंगे। उन्होंने पूछा कि यहां बाबरी मस्जिद क्यों होनी चाहिए? बाबर एक लुटेरा था और उसके नाम पर कुछ भी बनाना अस्वीकार्य है।' भाजपा ने टीएमसी पर तुष्टिकरण और धर्म की राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि कोई भी मंदिर-मस्जिद का निर्माण करा सकता है, लेकिन टीएमसी धर्म के नाम पर राजनीति कर रही है। 6 दिसंबर की तारीख चुनने के पीछे की मंशा साफ है, लेकिन सवाल ये है कि टीएमसी ने अब तक अल्पसंख्यकों के लिए क्या किया?

कांग्रेस पार्टी ने दी प्रतिक्रिया

कांग्रेस नेता अजय कुमार लल्लू ने टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर के बयान पर कहा कि 'हम इसे लेकर पूरी तरह से स्पष्ट हैं। हम रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, महिलाएं, किसानों और मजदूरों के साथ समावेशिता और समानता की बात करते हैं। कांग्रेस पार्टी हमेशा से संविधान की बात करती है और चुनाव भी इन्हीं मुद्दों पर लड़ा जाए।'

6 दिसंबर को विशाल रैली कर सकती है टीएमसी पार्टी

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पार्टी बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर एक विशाल रैली आयोजित करने जा रही है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, टीएमसी का कहना है कि, टीएमसी का अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ आमतौर पर हर साल इस रैली का आयोजन करता है, लेकिन इस बार पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इसकी जिम्मेदारी अपने छात्र और युवा विंग को सौंपी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

'काम का बहुत दबाव था' : पश्चिम बंगाल में एक और बीएलओ ने की आत्महत्या

कोलकाता, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में शनिवार को एक और बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) ने आत्महत्या कर ली। बुधवार को ही जलपाईगुड़ी में बीएलओ ने आत्महत्या की थी। 9 नवंबर से अब तक तीन बीएलओ की मौत हो चुकी है, जिनमें से दो ने आत्महत्या की है। इस तरह की घटनाओं के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस ने आवाज और तेज कर दी। पुलिस के अनुसार, यह ताजा घटना नदिया जिले में हुई है। महिला बीएलओ के परिवार ने आरोप लगाया है कि वह एसआईआर के काम के कारण काफी तनाव में थी।

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को लेकर भाजपा-बीजद में जंग

भुवनेश्वर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने कहा कि रत्न भंडार की सूची बनाने की प्रक्रिया चरणों में पूरी की जाएगी और यह काम अगली अक्षय तृतीया (19 अप्रैल 2026) तक खत्म होगा। वहीं इस पर राज्य की मुख्य विपक्षी दल बीजू जनता दल (बीजद) ने आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार मामले में देरी और टालमटोल की राजनीति कर रही है। वहीं भाजपा ने जवाब दिया कि बीजद को बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, क्योंकि 24 साल की अपनी सरकार में उन्होंने कभी रत्न भंडार खोला ही नहीं। प्रवक्ता अनिल बिस्वाल ने कहा, बीजद सरकार 24 साल तक रत्न भंडार नहीं खोल पाई, जबकि जनता और गजपति महाराज खुद इसकी मरम्मत की मांग कर रहे थे।

वर्ष-30 अंक : 237 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **मार्गशीर्ष शु.3 2082 रविवार, 23 नवंबर-2025**

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

तिरुपति लड्डू विवाद

मिलावटी घी से 20 करोड़ लड्डू बने

✲ 5 साल में 68 लाख किलो घी इस्तेमाल

✲ एसआईटी ने पूर्व चेयरमैन से 8 घंटे पूछताछ की

चेन्नई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के लड्डू प्रसाद को लेकर नई बात सामने आई है। टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन बीआर नायुडू ने बताया कि साल 2019 से 2024 के बीच 48.76 करोड़ लड्डू बनाए गए। इनमें से करीब 20 करोड़ लड्डू मिलावटी घी से बनाए गए थे। टीटीडी के मुताबिक यह अनुमान रोजाना दर्शनार्थियों की संख्या, खरीद के रिकॉर्ड, बनाने और सप्लाई के आंकड़ों को मिलाकर निकाला गया है। एसआईटी ने इस मामले में पूर्व टीटीडी चेयरमैन और वाईएसआरसीपी सांसद वाई.वी. सुब्बा रेड्डी से आठ घंटे पूछताछ की।

SIT जांच में 4 खुलासे

- मिलावटी घी में पाम ऑयल, पाम कर्नेल ऑयल और कुछ अन्य हानिकारक पदार्थ मिले थे।
- उत्तराखंड की भोले बाबा डेयरी और उसकी सेल कंपनियों ने घी सप्लाई किया था।
- पिछले पांच सालों में करीब 11 करोड़ भक्त तिरुपति आए, किसे मिलावटी लड्डू मिले, यह पता नहीं।
- TTD ने स्वीकार किया है कि VVIP लड्डू भी अलग से पहचाने नहीं जा सकते थे।

एसआईटी की पूछताछ और अगला कदम :

एसआईटी ने पूर्व टीटीडी चेयरमैन सुब्बा रेड्डी से यह पूछा कि लैब रिपोर्ट में मिलावट सामने आने के बाद भी घी के टैंकर क्यों मंजूर किए गए। रेड्डी का कहना है कि उन्हें रिपोर्ट कभी दिखाई ही नहीं गई, और खरीद तकनीकी समिति की सिफारिश पर हुई थी। उनके पूर्व सहायक चिन्ना अप्पन्ना पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। एसआईटी ने टीटीडी के पूर्व ईओ ए.वी. धर्मा रेड्डी से भी पूछताछ की है। एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट नेल्लोर कोर्ट में जमा कर दी है और 15 दिसंबर तक सप्लीमेंटरी चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी कर रही है।

क्या है तिरुपति लड्डू का इतिहास

तिरुमाला मंदिर में रोजाना 3.5 लाख से ज्यादा भक्तों को लड्डू प्रसाद दिया जाता है। यह परंपरा 1715 से, यानी 300 से अधिक सालों से चली आ रही है। प्रसाद मंदिर की रसोई पोटु में तैयार होता है, जहां पारंपरिक समुदाय के कारीगर पीढ़ियों से इसे बनाने की कला को आगे बढ़ा रहे हैं। लड्डू को भक्तों को देने से पहले सबसे पहले भगवान वेंकटेश्वर को अर्पित किया जाता है।

लड्डू बनाने के प्रोसेस को दित्तम कहते हैं :

लड्डू बनाने की प्रोसेस को दित्तम कहा जाता है। इसमें कौन सी चीज कितनी मात्रा में डालनी है इसका बहुत सख्ती से पालन किया जाता है। इतने लंबे समय में लड्डू की रेसिपी में सिर्फ छह बार ही बदलाव किए गए हैं। पहले लड्डू बेसन और गुड़ की चाशनी से बनते थे, ताकि वे ज्यादा समय तक ठीक रहें। बाद में स्वाद और पौष्टिकता बढ़ाने के लिए इसमें बादाम, काजू और किशमिश भी मिलाना शुरू किया गया।

(संबंधित खबर पेज नं.7 पर)

37 माओवादियों ने सरेंडर किया

डीजीपी ने कहा, 'चरमपंथी आंदोलन के लिए बड़ा झटका'

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। माओवादी आंदोलन को एक बड़ा झटका देते हुए, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ की 25 महिलाओं समेत 37 माओवादियों ने शुक्रवार को हैदराबाद में राज्य के डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी के सामने सरेंडर कर दिया। ग्रुप ने एके-47, एसएलआर, जी 3 और राइफलों के साथ-साथ गोला-बारूद का एक जखीरा सौंपा।

टॉप माओवादी लीडर कोय्याडा संबैया उर्फ आज़ाद (49), अप्पासी नारायण उर्फ रमेश (70) और मुचाकी सोमाडा उर्फ एर्रा (42) उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने हथियार डाले। आजाद तेलंगाना स्टेट कमेटी का मेंबर था और उस पर 20 लाख रुपये का इनाम था, और वह 30 साल से अंडरग्राउंड था। एक और सीनियर लीडर, अप्पासी नारायण पर भी 20 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस महानिदेशक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सरकार सरेंडर करने वाले सभी कैडरों को कैश इनाम और रिहैबिलिटेशन सपोर्ट देगी। कुल 1.41 करोड़ रुपये 37 माओवादियों में बांटे जाएंगे। डीजीपी ने सरेंडर का श्रेय तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की माओवादियों से पुलिस शहीद दिवस के दौरान की गई मेनस्ट्रीम में शामिल होने की अपील को दिया।

उन्होंने कहा, चाहे वे मीडिया, अधिकारियों या पॉलिटिकल लीडर्स के जरिए हमसे संपर्क करें- हम उनका स्वागत करेंगे। इस मौके पर, शिवधर रेड्डी ने बताया कि पिछले 11 महीनों में करीब 465 माओवादियों ने सरेंडर किया है, जबकि तेलंगाना के 59 अभी भी अंडरग्राउंड हैं, जिनमें पांच सेंट्रल कमेटी और 10 स्टेट कमेटी के सदस्य शामिल हैं। सवालों के जवाब में, आजाद ने कहा, हमने सरेंडर करने से पहले पार्टी को सूचित किया था। स्टेट कमेटी के कई लीडर भी सामने आना चाहते हैं। एर्रा ने कहा कि 'बदलते हालात और भारी नुकसान' ने मूवमेंट को जारी रखना और मुश्किल बना दिया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सत्य साईं बाबा को सेवा मार्ग पर चलने की प्रेरणा बताया

पुट्टपर्थी, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज आंध्र प्रदेश दौरे पर सत्य साईं बाबा जन्म शताब्दी समारोह में भाग लिया। श्री सत्यसाईं जिले के पुट्टपर्थी में आयोजित इस समारोह में राष्ट्रपति ने कहा, श्री सत्य साईं बाबा ने इस विश्वास पर जोर दिया कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। उन्होंने अध्यात्म को निस्वार्थ सेवा और व्यक्तिगत परिवर्तन से जोड़ा। साईं बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

बाबा के भक्त कई देशों में वंचितों की सेवा कर रहे :

मुर्मू ने कहा, सत्य साईं बाबा ने अपने अनुयायियों से आध्यात्मिकता को जन कल्याण के साथ जोड़ने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि यह संतोष की बात है कि इतने सारे देशों में उनके भक्त वंचितों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ सेवा के माध्यम से निस्वार्थ प्रेम का संदेश श्री सत्य साईं संगठन को सेवा और स्वयंसेवा के लिए लगातार प्रेरित कर रहा है।

विश्व ही हमारी पाठशाला है, मानवीय मूल्य हमारे पाठ्यक्रम :

श्री सत्य साईं बाबा के जीवन और उसके संदेश पर राष्ट्रपति ने कहा, सत्य साईं बाबा का संदेश, सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो, सदैव सहायता करो और कभी किसी को कष्ट न पहुंचाओ, शाश्वत और सार्वभौमिक है। उन्होंने कहा, सत्य साईं बाबा का मानना था कि विश्व ही हमारी पाठशाला है और सत्य, सदाचार, शांति, प्रेम और अहिंसा ये पाँच मानवीय मूल्य हमारे पाठ्यक्रम हैं।

मुख्यमंत्री नायुडू ने राष्ट्रपति का स्वागत किया :

शताब्दी समारोह में आने से पहले राष्ट्रपति मुर्मू सुबह करीब 11 बजे पुट्टपर्थी के श्री सत्य साईं हवाई अड्डे पर पहुंचीं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उनका स्वागत किया। पूर्णचंद्र ऑडिटोरियम में आयोजित श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में कई और गणमान्य हस्तियां भी शरीक हुईं।

चीन की 'दादागिरी' का भारत ने कर लिया उपाय

> न्योमा एयरबेस पर गरजेंगे फाइटर जेट, आईएएफ का प्लान नींद उड़ाने वाला

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अब चीन की शातिर चालबाजी को रोकने के लिए भारत ने सॉलिड उपाय कर दिया है। इसके तहत न्योमा एयरबेस का उपयोग प्रभावी तरीके से शुरू कर दिया गया है। दुनियां की सबसे ऊंची एयरबेस से चीन की हर हरकत पर पैनी नजर रखी जा रही है और किसी भी तरह की हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी भी कर ली गई है। हाल में 12 नवंबर को भारतीयवायु सेना प्रमुख एपी सिंह को इस एयरबेस के पास सी-130जे 'सुपर हरक्यूलिस' परिवहन विमान उड़ाते देखा गया। एपी सिंह ने एयरबेस का चक्कर लगाकर चीन को एक कड़ा संदेश जरूर दे दिया। इस उड़ान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण न्योमा एयरबेस के आधिकारिक उद्घाटन को चिह्नित किया, जो वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी), भारत और चीन के बीच वास्तविक सीमा से केवल 35 किलोमीटर दूर स्थित है। 13,710 फीट की ऊंचाई पर, न्योमा अब दुनिया के सबसे ऊंचे परिचालन लड़ाकू-सक्षम हवाई अड्डों में से एक है। बेस की परिचालन स्थिति उत्तरी सीमा पर भारत की सैन्य उपस्थिति को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है। सितंबर 2023 में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 230 करोड़ की इस परियोजना की वर्चुअल आधारशिला रखी थी, जिसने न्योमा को एक साधारण मिट्टी की हवाई पट्टी से 2.7 किलोमीटर लंबे कठोर फुटपाथ वाले रनवे में बदल दिया।

यह नया रनवे भारी-भरकम परिवहन विमानों और अंततः राफेल, सुखोई-30 एमकेआई जैसे लड़ाकू विमानों को भी उड़ाने में सक्षम है।

रेप पीड़िता को मां ने बीच सड़क पीटा:शादी की जिद पर अड़ी थी

मुजफ्फरनगर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के मुजफ्फरनगर में रेप पीड़िता को उसकी मां ने बीच सड़क बेरहमी से पीटा। बाल पकड़कर घसीटा। हाथ मरोड़कर थप्पड़ मारे। इसका वीडियो सामने आया है। दरअसल, आरोपी युवक ने कोर्ट में लड़की से शादी करने का ऑफर दिया था। इस पर लड़की आरोपी से शादी की जिद पर अड़ गई थी। मां ने समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी। इसके बाद मां ने उसे थप्पड़ और घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने बीच–बचाव कराने की कोशिश की। लेकिन मां ने किसी की नहीं सुनीं। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को थाने लेकर आई। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

पीएम मोदी के राम मंदिर जाने का रूट फाइनल

स्वागत के लिए बने 12 मंच

अयोध्या, 22 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ध्वजारोहण समारोह में राम मंदिर जाने का रूट फाइनल हो गया है। पीएम मोदी 25 नवंबर को महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर से साकेत कॉलेज में बने हेलीपैड पर आएंगे। यहां से रामपथ से होते हुए जगद्गुरु आद्य शंकराचार्य द्वार से श्रीराम जन्मभूमि में प्रवेश करेंगे। भाजपा ने इसी रूट को फाइनल मानते हुए प्रधानमंत्री के भव्य स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी हैं। अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त ने बताया कि 25 नवंबर को साकेत महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर अयोध्या की वैदिक परंपरा के अनुसार पीएम मोदी के भव्य स्वागत के लिए स्वस्ति वाचन होगा।

501 बटुक ब्राह्मणों की ओर से स्वस्ति वाचन, संत-महंतों के शंखनाद और घंटा-घड़ियाल की पवित्र ध्वनि के मध्य प्रधानमंत्री का स्वागत किया जाएगा। साकेत महाविद्यालय से रामजन्मभूमि के गेट नंबर 11 यानी जगद्गुरु आद्य शंकराचार्य द्वार तक रामपथ के दोनों ओर खड़े अयोध्यावासी पुष्पवर्षा के माध्यम से पीएम का अभिनंदन करेंगे। स्वागत के लिए 12 मंच बनाए गए हैं, जहां से पुष्प वर्षा की जाएगी। स्वागत पथ पर सात स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। दूसरी तरफ डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि प्रधानमंत्री के आगमन के लिए साकेत महाविद्यालय में तीन हेलीपैड बनकर तैयार हो गए हैं। यहां सेफ हाउस भी बनाया गया है।

हेलीपैड स्थल पर पीएम के सुरक्षा मानकों के अनुसार, अधिकारियों की देखरेख में सभी तैयारियों को पूरा कराया जा रहा है। सफाई और बैरिकेडिंग का काम हो गया है।

कॉलेज परिसर में निर्माण सामग्रियों को हरे पर्दों से ढकवा दिया गया है। उदया चौराहे से राम मंदिर तक रामपथ पर दोनों तरफ बैरिकेडिंग लगाने का काम शुरू हो गया है।

वोटर लिस्ट अपडेट में लापरवाही

नोएडा-गाजियाबाद के 57 बीएलओ पर दर्ज होगी एफआईआर

नोएडा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। नोएडा और गाजियाबाद में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान शुरू हुए 20 दिन बीत चुके हैं, लेकिन मतदाता सूची के पुनरीक्षण में लापरवाही करने वाले बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू हो गई है। नोएडा और गाजियाबाद प्रशासन ने कुल 57 बीएलओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इन अधिकारियों पर मतदाता सूची से जुड़े काम में गंभीर लापरवाही करने के आरोप हैं।

नोएडा में 19 बीएलओ कार्रवाई की जद में हैं। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने बताया कि 7 नवंबर को एसआईआर कार्य में ढिलाई दिखाने पर कुल 140 बीएलओ को चेतावनी दी गई थी। अधिकांश अधिकारी चेतावनी के बाद अपनी ड्यूटी पर लौट आए, लेकिन 19 बीएलओ अब तक काम शुरू नहीं कर पाए। इसमें जेवर के 7, सदर के 3 और दादरी के 9 बीएलओ शामिल हैं। मेधा रूपम ने कहा कि इन बीएलओ ने स्पष्टीकरण और लिखित प्रतिनिधित्व भी दिया है, लेकिन लगातार अनुपस्थित रहने के कारण अब उन्हें कार्रवाई से बचना संभव नहीं है। विभागीय जांच शुरू कर दी गई है और एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश की मंजूरी पर निर्भर है।

गाजियाबाद में भी 38 बीएलओ पर गंभीर आरोप लगे हैं। यहां के बीएलओ ने फॉर्म वितरण और संग्रहण में कोई रुचि नहीं दिखाई, जिसके कारण एफआईआर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पिछले सप्ताह 25 बीएलओ के खिलाफ एफआईआर का प्रस्ताव भेजा गया था, जबकि बुधवार को 13 और नाम सूची में जोड़ दिए गए। एडीएम प्रशासन सौरभ भट्ट ने बताया कि सिहनी गेट थाने को शिकायत भेज दी गई है और जल्द ही एफआईआर दर्ज कर दी जाएगी।

बीएलओ के खिलाफ धारा 32 के तहत कार्रवाई होगी। यह धारा उन सरकारी अधिकारियों पर लागू होती है जो मतदाता सूची तैयार करने या संशोधन में लापरवाही करते हैं। इस धारा के तहत बिना उचित कारण ड्यूटी न करने पर 3 महीने से 2 वर्ष तक की सजा हो सकती है, साथ ही अदालत जुर्माना भी लगा सकती है। एफआईआर तभी दर्ज होगी जब निर्वाचन आयोग या राज्य का मुख्य निर्वाचन अधिकारी इसकी अनुमति देगा।

अशोक चौधरी ने ग्रामीण कार्य विभाग का लिया पदभार

मंत्री पदभार ग्रहण के लिए देख रहे शुभ मुहूर्त, कुछ को शनिवार से परहेज, किसी को सोमवार का इंतजार

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मंत्रियों के शपथ ग्रहण और विभागों का बंटवारा हो चुका है। 26 मंत्रियों को विभाग बांट दिए गए हैं। मंत्री पदभार ग्रहण करने के लिए ग्रह नक्षत्र और शुभ मुहूर्त देखने में लगे हैं। कई मंत्री शनिवार को पदभार ग्रहण करने से बच रहे हैं, ताकि शनिचरा ग्रह ना हावी हो जाए। कई ने शनिवार को ही शुभ मुहूर्त देखकर पदभार ग्रहण करने की तैयारी की है। कुछ ऐसे भी हैं जो सोमवार को अपना पदभार लेंगे। वहीं, आज 11 बजे ग्रामीण कार्य विभाग का पदभार मंत्री अशोक चौधरी ने संभाल लिया है। इसी तरह पहली बार मंत्रालय का जिम्मेदारी संभाल रहे उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश पंचायती राज विभाग का पदभार ग्रहण कर लिया है। 20 साल बाद नीतीश कुमार ने गृह विभाग छोड़ा है।

ये विभाग अब बीजेपी के पास चला गया है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी गृह विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। बीजेपी ने वित्त विभाग जेडीयू को दिया है। बिजेंद्र यादव ऊर्जा के साथ वित्त विभाग का जिम्मा भी संभालेंगे। इसके साथ ही मंगल पांडे को फिर से स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा सौंपा गया है। नई सरकार के गठन के बाद नीतीश कैबिनेट की पहली बैठक 25 नवंबर को होगी, जिसमें सभी मंत्री मौजूद रहेंगे।

सम्राट चौधरी सोमवार को पदभार ग्रहण करेंगे

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी 1 बजे पदभार ग्रहण करेंगे। एक बार फिर लघु जल संसाधन विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन भी पदभार ग्रहण करने वाले हैं।

अधिकतर मंत्री शनिवार की जगह सोमवार को करेंगे पदभार ग्रहण

विभाग के कई मंत्री है जो शनिवार को विभाग का मंत्री पदभार ग्रहण करने के बजाय सोमवार को करेंगे। भू राजस्व विभाग एवं खनन विभाग के जिम्मेदारी संभाल रहे विजय सिंह सोमवार को 11 बजे से 12 बजे के बीच विभाग का पदभार लेंगे। पथ निर्माण विभाग और नगर विकास विभाग मंत्री नितिन नवीन सोमवार को पदभार लेंगे। जानकारी के मुताबिक नितिन नवीन व्यक्तिगत कार्यक्रम में राजस्थान गए हैं जहां से वे रविवार को लौटेंगे। बीजेपी के विधायक और बिहार में कृषि विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले रामकृपाल यादव सोमवार को लगभग 11:50 बजे अपना पदभार लेंगे। स्वास्थ्य और विधि विभाग की जिम्मेदारी लेने वाले मंगल पांडे भी सोमवार दोपहर में ही पदभार लेंगे।

कश्मीर से आए फौजी समेत 3 दोस्तों की मौत

अमेठी, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अमेठी में ट्रक और बुलेट की टक्कर हो गई। हादसे में फौजी समेत तीन दोस्तों की मौत हो गई। तीनों शादी समारोह से लौट रहे थे। बुलेट की स्पीड 100 के करीब थी। ट्रक सड़क पर खड़ा था। उन्होंने बचने के लिए बुलेट की ब्रेक मारी, लेकिन ट्रक से टक्कर हो गई। युवक छिटककर सड़क पर करीब 10 फीट दूर गिरे। तीनों युवकों के सिर में गंभीर चोटें आईं। दो की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ा। बुलेट सवारों ने हेलमेट नहीं लगाया था। हादसा रात 12 बजे पीपरपुर थाना क्षेत्र के थौरा गांव के पास हुआ।

मृतकों की पहचान महाराजपुर निवासी फौजी उत्कर्ष सिंह (32), बजरंग सिंह (25) और अंशु सिंह (29) के रूप में हुई है।

मौलाना तौकीर के करीबी आरिफ की मार्केट पर चला बुलडोजर, भारी पुलिस फोर्स तैनात

बरेली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल का साजिशकर्ता मौलाना तौकीर रजा फतेहगढ़ जेल में बंद है। उसके करीबियों पर अब फिर से कार्रवाई शुरू हो गई है। मौलाना तौकीर रजा के करीबी कॉलोनाइजर आरिफ पर प्रशासन का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। शनिवार सुबह 11 बजे बीडीए ने पीलीभीत बाईपास रोड और जगतपुर क्षेत्र में उसकी दो संपत्तियों पर बुलडोजर की कार्रवाई शुरू कर दी। शनिवार सुबह बीडीए की टीम अवैध निर्माण ढहाने पहुंची, इससे पहले बारादरी थाना पुलिस ने पूरे क्षेत्र को पहले ही चारों ओर से घेर लिया था।

सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व में आसपास के थानों का पुलिस बल मौके पर बुला लिया गया। बीडीए उपाध्यक्ष डॉ ए मनिकंडन ने बताया कि आरिफ ने जगतपुर में मार्केट और पीलीभीत बाईपास पर बने कपड़ों के शोरूम का निर्माण बिना नक्शा स्वीकृत कराए कराया था। पूरे परिसर में जिम, होमडेकोर सेंटर और कई दुकानों का संचालन चल रहा था।

शनिवार को बीडीए ने 15 दुकानों और दो बड़े शोरूम पर बुलडोजर चलाना शुरू कर दिया। टीम ने परिसर के पिछले हिस्से से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की और जेसीबी की एक के बाद एक चोट से दीवारें गिरनी शुरू हो गईं। फिलहाल मौके पर भारी फोर्स और बीडीए की टीम ध्वस्तीकरण करवा रही है, आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा है।

कोचिंग के लिए पहुंची पटना

देह व्यापार के दलालों ने पहुंचा दिया रेडलाइट एरिया

किशनगंज, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के किशनगंज जिले के बहादुरगंज थाना क्षेत्र के प्रेमनगर रेडलाइट एरिया में बड़ी संख्या में युवतियों को बहला फुसला लाया जा रहा है। यहां जबरन देह व्यापार कराने का धंधा तेजी से फल फूल रहा है। देह व्यापार के दलदल में फंसी एक युवती यहां से भागने में सफल रही। उसने स्थानीय लोगों की मदद से अपनी जान बचाई है। युवती की शिकायत पर पुलिस ने तीन और लड़कियों को रेडलाइट एरिया से मुक्त कराया। जानकारी के अनुसार, 23 साल की पीड़िता ने थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

युवती ने पुलिस को बताया कि वह एक महीने पहले मध्य प्रदेश से पटना कोचिंग के लिए आई थी। वह पढ़ाई के साथ-साथ काम की तलाश में थी। इस दौरान उसकी मुलाकात एक मॉल में दो लड़कियों से हुई, जहां से उसे नौकरी का झांसा देकर बिशनपुर लाया गया। इसके बाद उससे बहादुरगंज के प्रेम नगर स्थित रेडलाइट एरिया में जबरन देह व्यापार कराया जाने लगा।

देह व्यापार के धंधे में फंसी युवती दलदल से निकलने की फिराक में थी। इसी बीच गुरुवार की रात तकरीबन 10 बजे युवती रेडलाइट एरिया से निकलने में कामयाब हो गई। पीड़िता अर्धनग्न अवस्था में किसी तरह भागकर ठाकुरगंज बहादुरगंज मुख्य मार्ग एनएच 327 पर स्थित आर हुसैन चौक पहुंची। यहां नगर पार्षद प्रतिनिधि वसीकूर रहमान ने युवती से पूछताछ की, जिसमें युवती ने अपनी आपबीती के बारे में बताया।

उसने बताया कि वह मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले की रहने वाली है, उसे जबरन देह व्यापार के धंधे में धकेल दिया था। वह बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाकर यहां तक पहुंची है। इसके बाद नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने पीड़िता की निशानदेही पर तीन अन्य युवतियों को देह व्यापार के धंधे से मुक्त कराया है।

बैंक मैनेजर को पत्नी ने ब्रांच के बाहर पीटा

बदायूं में गिराकर लात-घूसे मारे, बोली- इसका स्टाफ की लड़की से चक्कर है

बदायूं, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बदायूं में एक बैंक मैनेजर की उसकी पत्नी ने ब्रांच के बाहर ही पिटाई कर दी। वह अपने भाइयों-रिश्तेदारों के साथ बैंक के बाहर पहुंची थी। पति के सामने आते ही महिला ने उसे धक्का दे दिया। इसके बाद सभी लोग उस पर टूट पड़े। बैंक मैनेजर को गिराकर लात-घूसों से मारा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। आरोपी प्राइवेट बैंक में रीजनल मैनेजर हैं। उसकी पत्नी का कहना है कि मेरे पति का स्टाफ की लड़की से अफेयर है। हम दोनों की एक बेटी होने के बाद भी पति को समझ नहीं कि वे क्या कर रहे। मैंने कई बार उनके मोबाइल में रील और चैट भी पकड़ीं। लेकिन वह समझाने पर भी नहीं माने। घटना गुरुवार दोपहर बिसौली के होलीचौक की है।

डीएम जसजीत कौर के खिलाफ हाईकोर्ट ने जारी किया वारंट

प्रयागराज, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बिजनौर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बिजनौर की जिलाधिकारी (डीएम) जसजीत कौर के खिलाफ वारंट जारी किया है। जस्टिस मनीष कुमार की सिंगल बेंच ने सीजेएम बिजनौर को अगली तारीख 5 जनवरी 2026 को डीएम जसजीत कौर को पेश करने के लिए कहा है। कोर्ट के इस सख्त आदेश के बाद आईएएस जसजीत कौर की चर्चा है।

सुनवाई के दौरान क्या हुआ?

अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने डीएम जसजीत कौर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए कहा था। डीएम जसजीत कौर खुद कोर्ट में पेश नहीं हुईं, बल्कि उनकी तरफ से केवल जिला समाज कल्याण अधिकारी ही कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने जब इस मामले पर स्टैंडिंग काउंसिल से संपर्क किया तो उन्होंने भी यह स्वीकार किया कि डीएम बिजनौर ने उनसे कोई संपर्क स्थापित नहीं किया है। इसे कोर्ट के आदेशों और प्रक्रिया के प्रति गंभीर उदासीनता मानते हुए जस्टिस मनीष कुमार ने डीएम बिजनौर जसजीत कौर के खिलाफ जमानती वारंट जारी कर दिया है।

क्यों जारी हुआ है डीएम जसजीत के खिलाफ वारंट

यह मामला बिजनौर के धामपुर निवासी विक्रम सिंह की याचिका से जुड़ा है। विक्रम सिंह धनगर समाज महासंघ के अध्यक्ष हैं। आरोप है कि डीएम जसजीत कौर ने विक्रम सिंह का जाति प्रमाण पत्र उनके रिटायरमेंट से महज आठ दिन पहले निरस्त कर दिया था। डीएम के इस आदेश को विक्रम सिंह ने हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट ने सबसे पहले दिया था ये आदेश

हाईकोर्ट ने इस मामले में डीएम को निर्देश दिया था कि वह समाज कल्याण विभाग की विजिलेंस से जांच करवाएं और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों के अनुसार मामले का निस्तारण करें। आरोप है कि डीएम ने कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया और बिना जांच करवाए ही एक पक्षीय आदेश पारित करते हुए मामले को निस्तारित कर दिया।

कौन हैं आईएएस जसजीत कौर

यूपी सरकार की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, जसजीत कौर 2012 बैच की आईएएस अफसर हैं। वह मूल रूप से पंजाब के अमृतसर की रहने वालीं हैं। उनका जन्म 14 अक्टूबर 1984 को हुआ था। उन्होंने जीएनडीयू अमृतसर से अर्थशास्त्र में बीएससी और यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास से कंप्यूटर साइंस में पीजी की डिग्री हासिल की है। वर्तमान में जसजीत कौर बिजनौर की डीएम है। बिजनौर से पहले आईएएस जसजीत कौर की मेरठ में तैनाती थी।

चंद्रशेखर को गर्लफ्रेंड की धमकी- इंडिया आ रही

खत्म कर दूंगी: जिस मां-बाप ने प्यार दिया

उन्हें ही धमका रहे; अब ताकत दिखाऊंगी

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

यूपी की नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर और उनकी कथित एक्स गर्लफ्रेंड डॉक्टर रोहिणी घावरी के बीच विवाद थम नहीं रहा है। रोहिणी का दावा है कि चंद्रशेखर ने उनके मां-बाप को जेल भिजवाने की धमकी दी। रोहिणी ने चंद्रशेखर को धोखेबाज, एहसान फरामोश आदमी बताया। उन्होंने कहा, 'अब आपकी जानी दुश्मन बन गई हूं। आपको पूरी तरह से खत्म करूंगी। जब बात मां-बाप पर आती है तो बच्चे हर मर्यादा लांघ देते हैं। आ रही हूं इंडिया वापस। अपनी ताकत दिखाऊंगी।' रोहिणी अभी स्विट्जरलैंड में रहती हैं।

'आपकी लड़ाई मुझसे है तो मुझसे लड़िए'

रोहिणी ने पहली पोस्ट में एक तस्वीर पोस्ट की है। इसमें चंद्रशेखर उनके मां-बाप के साथ खड़े हैं। रोहिणी ने लिखा- मेरे मम्मी-पापा मेरे भगवान हैं। उन्हें थोड़ी भी तकलीफ पहुंचाने की कोशिश भी मत कीजिए। वरना इंडिया आकर अपनी ताकत दिखाऊंगी। गृहमंत्री भी बचा नहीं पाएंगे। आपकी लड़ाई मुझसे है। मुझसे लड़िए। पूरे देश में मेरे खिलाफ एफआईआर कराइए, मेरी हत्या करवा दीजिए, जो करना है करिए।

लेकिन मेरे परिवार को बीच में मत लाइए। आज उनकी खुशी, उनके अच्छे जीवन के लिए मैं यहां कमा रही हूं, उनसे दूर हूं। मेरे परिवार ने बहुत दुख देखे हैं। हम आपकी तरह दलाली के पैसों पर नहीं पलते। मैंने हमेशा आपके मां-बाप का सम्मान किया है। आज तक उन्हें कुछ नहीं कहा। तो आपको भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए।

'अब जानी दुश्मन बन गई हूं'

दूसरी पोस्ट में रोहिणी ने एक वीडियो अपलोड किया। इसमें उनके पिता सांसद चंद्रशेखर को पगड़ी पहना रहे हैं। संभवतः यह वीडियो रोहिणी के घर का है। इसमें उनका पूरा परिवार दिख रहा है। रोहिणी ने लिखा, 'जिस मां-बाप ने इतना प्यार-सम्मान दिया, आपने जिस मां के हाथ की रोटी खाई, अब उनको जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं। आपकी दुश्मन थी नहीं, लेकिन अब जानी दुश्मन बन गई हूं।

अब आपको पूरी तरह से खत्म करूंगी। जब बात मां-बाप पर आती है तो बच्चे हर मर्यादा लांघ देते हैं। आ रही हूं इंडिया वापस, वेट करिए।'

दुष्कर्म पीड़िता से शादी पर पॉक्सो केस रद

हाई कोर्ट ने कहा- धुल चुका अपराध

प्रयागराज, 22 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने वर्ष 2016 में पॉक्सो अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज दुष्कर्म मामले में आपराधिक केस कार्रवाई यह कहते हुए रद कर दिया है कि अभियुक्त ने पीड़िता से 'बहुत पहले' शादी कर ली थी। यह देखते हुए कि दंपती बच्चे के साथ सुखी वैवाहिक जीवन जी रहे हैं।

न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की पीठ ने कहा कि 'यदि कोई आपराधिक कृत्य था। तो वह अब धुल चुका है।'अपीलार्थी के खिलाफ संत कबीर नगर के थाना बखिरा में आइपीसी की कई धारा के साथ पाक्सो अधिनियम की धारा 7/8 के तहत आरोप था। पीड़िता के पिता ने जनवरी 2017 में एफआइआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि अपीलार्थी उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया।

पीड़िता ने बरामदगी के बाद सीआरपीसी की धारा 161 के तहत अपने बयान में कहा कि वह अपनी मर्जी से गई थी, क्योंकि वह बालिग थी। उसने अपीलार्थी संग निकाह की भी इच्छा जताई। अदालत ने दर्ज किया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी की फरवरी 2017 की रिपोर्ट के अनुसार, घटना के समय पीड़िता की उम्र लगभग 18 वर्ष थी। इसके बाद आरोप पत्र दाखिल किया गया और मजिस्ट्रेट ने अपराधों का संज्ञान लिया। मुकदमा लंबित रहने के दौरान, अपीलार्थी व पीड़िता ने शादी कर ली और एक ही छत के नीचे रहने लगे। अगस्त 2018 में पुत्र पैदा हुआ।

यह मामला उच्च न्यायालय के मध्यस्थता और सुलह केंद्र में भेजे जाने पर वादी सहित सभी पक्षों के बीच अक्टूबर में समझौता हो गया। वादी का कहना था कि उसे किसी भी तरह से कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि दंपती शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन जी रहे थे। वैसे राज्य सरकार की ओर से एजीए ने रामजी लाल बैरवा बनाम राजस्थान राज्य में सर्वोच्च न्यायालय के 2024 के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि पाक्सो एक्ट मामले में कोई समझौता नहीं हो सकता क्योंकि यह अपराध समाज के विरुद्ध है। बचाव पक्ष की ओर से श्रीराम उरांव बनाम छत्तीसगढ़ राज्य 2025 और महेश मुकुंद पटेल बनाम उत्तर प्रदेश राज्य में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का भी हवाला दिया गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 23 नवंबर, 2025 5

युविचार

उबाल इतना भी ना हो की खून सुख कर उड़ जाए, धैर्य इतना भी ना हो की खून जमे तो खौल भी ना पाए!

'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट' अंतर्राष्ट्रीय स्तर की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने सीएमओ अधिकारियों के साथ विशेष समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फ्यूचर सिटी में 8 और 9 दिसंबर को आयोजित होने वाले 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट' के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को भव्य और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दो दिवसीय वैश्विक आयोजन न केवल दुनिया भर के निवेशकों को आकर्षित करे, बल्कि जनता की सरकार के सफल दो वर्षों की उपलब्धियों को भी प्रभावी रूप से प्रदर्शित करे। मुख्यमंत्री ने आज सीएमओ अधिकारियों के साथ विशेष समीक्षा बैठक में समिट की तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। बैठक में मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव, विशेष मुख्य सचिव जयराम रंजन, सीएमओ प्रिंसिपल सेक्रेटरी शेषाद्री सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सीएम ने निर्देश दिया कि फ्यूचर सिटी में एक विशाल मंच स्थापित कर सरकार की उपलब्धियों और कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया जाए और स्थल पर उत्सव जैसा वातावरण तैयार किया जाए जिससे आगंतुकों को अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व का अनुभव हो। समिट के पहले दिन, यानी 8 दिसंबर को, राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याण और विकास योजनाओं तथा उनके सफल परिणामों को प्रस्तुत किया जाएगा। दूसरे दिन, राज्य सरकार 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट' जारी करेगी, जिसमें तेलंगाना की दीर्घकालिक रणनीति और भविष्य की योजनाओं को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने निवेश और औद्योगिक नीति को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न विभागों को उच्च गुणवत्ता वाले ऑडियो-वीडियो प्रस्तुतिकरण और पावरपॉइंट सामग्री तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को भारत और विदेश के प्रमुख व्यक्तियों, प्रतिष्ठित उद्योगपतियों और विशेषज्ञों को आमंत्रित करने तथा सभी अतिथियों के लिए आवास, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं त्रुटिरहित रखने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी प्रकार की कमी या व्यवधान स्वीकार्य नहीं होंगे और सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें ताकि यह आयोजन विश्वस्तरीय सफलता प्राप्त कर सके। मुख्यमंत्री ने यह भी जोर दिया कि सभी विभाग 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने बताया कि 25 नवंबर से वे संबंधित विभागों के साथ विजन डॉक्यूमेंट में शामिल मुद्दों पर विस्तृत समीक्षा करेंगे और राज्य के विकास की दिशा तय करने वाले प्रमुख क्षेत्रों के साथ बैठकें आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राइजिंग 2047 दस्तावेज़ का प्रारूप विशेषज्ञों से प्राप्त सुझावों के आधार पर तैयार किया गया है और विभागीय समीक्षाओं के बाद प्राप्त मूल्यवान सुझावों को सम्मिलित करते हुए इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

एमपी के सीएम ने रेवंत रेड्डी से मुलाकात की

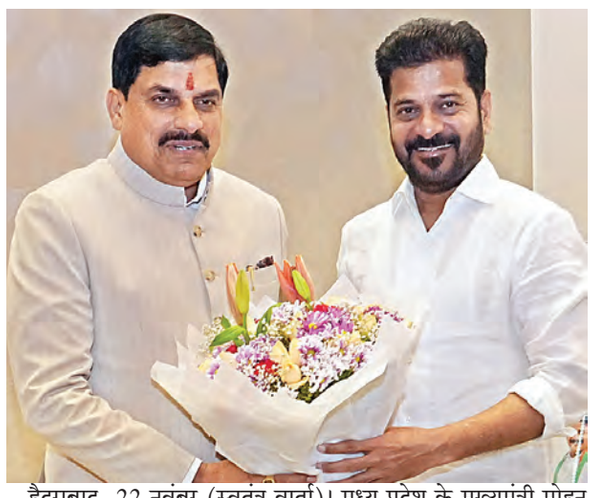

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सीएम रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स स्थित घर पर शिष्टाचार के साथ मुलाकात की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश के सीएम को यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी सहित सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों के बारे में बताया।

सरकार शोषण करने वालों, दलालों को शासन से बाहर रखेगी : भट्टी

400 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार लोगों के लिए समर्पित है, हर रुपया बचाकर और उसे नागरिकों के फायदे के लिए लगाकर जनता की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार शोषण या बिचौलियों को शासन में दखल देने की कभी इजाजत नहीं देगी। उन्होंने शनिवार को वायरा चुनाव क्षेत्र में 400 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लिए भूमि पूजन करने के बाद यह बात कही। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि साल 2047 तक तेलंगाना एक ऐसे मुकाम पर पहुंच जाएगा जहां वह दुनिया से मुकाबला करेगा। उन्होंने कहा कि यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल एक गेम-चेंजर होगा, और शिक्षा से सामाजिक बदलाव और पूरी तरक्की आएगी। सरकार का लक्ष्य हर चुनाव क्षेत्र में कम से कम एक यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल बनाना है।

उन्होंने कहा, इस मिशन के तहत, वायरा चुनाव क्षेत्र में 20 एकड़ जमीन पर 200 करोड़ रुपये के इन्वेस्टमेंट से एक स्कूल बनाया जा रहा है। स्कूल में पढ़ाने वाले टीचरों को कैंपस में रहने की जगह भी दी जाएगी। पढ़ने-लिखने की एक्टिविटी के साथ-साथ खेलों को भी बढ़ावा दिया जाएगा। शायद, भारत के किसी दूसरे राज्य ने ऐसी पहल नहीं की है, और यह तेलंगाना सरकार की महानता है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि स्कूल बनाने के लिए कलेक्टर के अकाउंट में 30 करोड़ रुपये पहले ही जमा कर दिए गए हैं और हर 15 दिन में पैसे जारी किए जाएंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने रेजिडेंशियल स्कूलों को ठीक से मैनेज नहीं किया, जहां स्टूडेंट्स को कम डाइट और कॉस्मेटिक चार्ज की वजह से भी परेशानी होती थी।

सत्ता में आने पर, कांग्रेस सरकार ने बढ़ी हुई कीमतों के हिसाब से फिर से मूल्यांकन किया और हर छात्र के लिए डाइट चार्ज 40 प्रतिशत बढ़ा दिया। साबुन, तेल और दूसरी जरूरी चीजों के कॉस्मेटिक चार्ज में 2007 की बढ़ोतरी की गई। उन्होंने कहा कि ट्रांसपेरेंसी पक्का करने के लिए, हर स्कूल में मेन्यू दिखाया गया है। मुख्यमंत्री, मंत्री, एमएलए, कलेक्टर और अधिकारी रेगुलर तौर पर स्टूडेंट्स के साथ खाना खाएंगे ताकि सीधे उनके मुद्दों को समझ सकें।

उन्होंने कहा कि वायरा इंटीग्रेटेड स्कूल के स्टूडेंट्स भविष्य में राज्य, देश और दुनिया को गाइड करने वाले लीडर बनेंगे।

डॉक्टरों की लापरवाही का आरोप

प्रसूता और नवजात शिशु की मौत

आदिलाबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस), आदिलाबाद में शुक्रवार को एक प्रसूता (नवजात मां) और उसके नवजात शिशु की मौत के बाद हंगामा मच गया। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार, शांतापुर (गुड़ीहथनूर मंडल) की 26 वर्षीय चिक्रम रुक्माबाई ने गुरुवार को एक बेटे को जन्म दिया था। जन्म के बाद बच्चे की तबीयत अचानक खराब हो गई और आधी रात तक उसकी मौत हो गई। शुक्रवार सुबह रुक्माबाई की भी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि वह बिस्तर से गिर गई थी और समय पर इलाज न मिलने से उसकी जान चली गई।

रुक्माबाई के पति ज्ञानदेव का आरोप है कि डॉक्टरों ने उनसे जबरन एक हलफनामा लिखवाया कि मृत्यु के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने मेडिकल स्टाफ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और जांच की मांग की है। इस बीच, रिम्स-आदिलाबाद के निदेशक डॉ. जयसिंह राठौड़ ने बताया कि प्रसूता की मौत कार्डियोमायोपैथी (हृदय संबंधी समस्या) के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और अगर लापरवाही साबित हुई तो संबंधित डॉक्टरों पर कार्रवाई होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि संस्थान में सुरक्षित प्रसव और शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं।

परिवार के तीन सदस्यों की संदिग्ध आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के अंबरपेट में शनिवार को एक परिवार के तीन सदस्यों की संदिग्ध आत्महत्या की जानकारी मिली। पुलिस के अनुसार पी. श्रीनिवास लगभग 18 वर्ष पहले विजया लक्ष्मी से विवाहित थे। दम्पति की दो बेटियां थीं- बड़ी बेटी लगभग 16 वर्ष की और छोटी बेटी 14 वर्ष की। लगभग चार माह पहले बड़ी बेटी की घर पर आत्महत्या हो चुकी थी और उसके बाद से परिवार अवसाद में था।

शनिवार को रिश्तेदारों ने घर पर फोन कर संपर्क किया, जब किसी का जवाब न आया तो वे घर पहुंचे और छत से लटके तीनों सदस्य पाए गए। सूचना मिलने पर अंबरपेट पुलिस मौके पर आई और शवों को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल के शवगृह भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और श्रीनिवास के परिजनों व दर्जनों स्रोतों से पूछताछ कर के हर पहलू की जांच कर रही है। अभी मौतों के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम व जांच के बाद ही होगी।

मदीना बस हादसा : डीएनए से पहचान के बाद 46 पीड़ितों का अंतिम संस्कार

45 तेलंगाना के थे निवासी

दुबई, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सऊदी अरब के मदीना के पास हुए भीषण बस अग्निकांड में मारे गए सभी 46 पीड़ितों की पहचान डीएनए प्रोफाइलिंग के जरिए कर ली गई है। इनमें से 45 पीड़ित तेलंगाना के रहने वाले थे। पहचान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी शव परिजनों को सौंप दिए गए और शनिवार को मदीना में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

चूंकि दुर्घटना में शव बुरी तरह जल गए थे, इसलिए सामान्य रूप से पहचान करना संभव नहीं था। इसी कारण सऊदी अधिकारियों ने डीएनए परीक्षण कर पहचान सुनिश्चित की। पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद शव सौंपे जाएंगे और दफन किए जाएंगे, लेकिन प्रक्रिया शनिवार दोपहर तक पूरी हो सकी।

सभी पीड़ितों को मदीना के प्रसिद्ध अल-बक़ी कब्रिस्तान में दफनाया गया, जिसे जन्नतुल-बक़ी भी कहा जाता है। यह मदीना का सबसे बड़ा कब्रिस्तान है और मस्जिद-ए-नबवी के पास स्थित है। मुस्लिम समुदाय में यह स्थान बेहद पवित्र माना जाता है कई लोग अपनी मृत्यु के बाद वहीं दफन होने की इच्छा रखते हैं।

अंतिम संस्कार में भारत सरकार द्वारा भेजे गए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के राज्यपाल शेख अब्दुल नजीर, तेलंगाना के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन, भारतीय राजदूत डॉ. सुहेल एजाज खान, महावाणिज्य दूत फहद खान सूरी और नामपल्ली के विधायक माजिद हुसैन भी उपस्थित रहे। सरकार और स्थानीय प्रशासन पीड़ित परिवारों को सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया में जुटे हैं।

राइस मिलों के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगी सरकार : कोमटिरेड्डी

नलगोंडा, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क व भवन निमार्ण मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि यह पहल राज्य के उस मिशन का हिस्सा है जिससे एक करोड़ महिलाएं आर्थिक रूप से आजाद करोड़पति बन सकेंगी। महिलाओं की रोजी-रोटी को मजबूत करने की अपनी कोशिशों को आगे बढ़ाते हुए, तेलंगाना सरकार ने महिला सेल्फ़-हेल्प ग्रुप्स (एसएचजी) के जरिए राइस मिल लगाने की एक नई पहल की घोषणा की है, जिसकी शुरूआत नलगोंडा जिले में एक पायलट प्रोजेक्ट से होगी।

शनिवार को उदयादित्य भवन में इंदिरा महिला शक्ति साड़ी बांटने के कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री ने जिला कलेक्टर इला त्रिपाठी को एसएचजी द्वारा चलाई जाने वाली प्रस्तावित राइस मिलों के लिए जमीन पहचानने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार एसएचजी को लोन देगी और आरबी डिपार्टमेंट मिलों का निर्माण करेगा, जिससे महिलाएं उन्हें आजादी से चला सकेंगी और ऑपरेशनल प्रॉफ़िट से लोन चुका सकेंगी।

वेंकट रेड्डी ने कहा कि सरकार ने महिलाओं की रोजी-रोटी को मजबूत करने के लिए पहले ही कई कदम उठाए हैं, जिसमें मुफ़्त बस यात्रा, महिलाओं द्वारा चलाई जाने वाली बसों और पेट्रोल पंपों का संचालन, इंदिरा महिला शक्ति कैंटीन का मैनेजमेंट और स्कूल यूनिफ़ॉर्म के लिए सिलाई का काम देना शामिल है। उन्होंने कहा, इन उपायों का मकसद यह पक्का करना है कि महिलाएं अपने पैरों पर मज़बूती से खड़ी हों और उन्हें लगातार इनकम मिले। जिले में चावल मिलों की कमी की ओर इशारा करते हुए, मंत्री ने कहा कि नया पायलट प्रोजेक्ट महिलाओं को मजबूत बनाने के साथ-साथ इस कमी को पूरा करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री के सामने रखा जाएगा और राज्य भर में संभावित विस्तार के लिए अगली कैबिनेट मीटिंग में इस पर चर्चा की जाएगी।

मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार पूरे राज्य में एक करोड़ इंदिरा महिला शक्ति साड़ियां बांट रही है, जिनमें से अब तक 65 लाख साड़ियां सप्लाई की जा चुकी हैं। बाकी साड़ियां मिलने के बाद शहरी इलाकों में बांटी जाएंगी। विकास के कामों पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने कहा कि हर चुनाव क्षेत्र में इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल बन रहे हैं। जिला कलेक्टर इला त्रिपाठी ने कहा कि सिरसिला से हाई-क्वालिटी सिल्क और कॉटन से बनी 4.24 लाख साड़ियां नलगोंडा जिले में बांटी जा रही हैं।

बीआरएस 29 नवंबर को मनाएगी दीक्षा दिवस, बड़े कार्यक्रम की तैयारी

केसीआर के ऐतिहासिक आमरण अनशन की याद में हर जिले में होगा आयोजन

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) 29 नवंबर को तेलंगाना में बड़े पैमाने पर दीक्षा दिवस मनाएगी। यह कार्यक्रम पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा तेलंगाना राज्य के गठन की मांग को लेकर 15 साल पहले किए गए ऐतिहासिक आमरण अनशन की याद में आयोजित किया जा रहा है।

पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने कार्यकर्ताओं से इसे भव्य रूप से मनाने की अपील की है। शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विधायकों, सांसदों, जिला अध्यक्षों और अन्य पार्टी नेताओं से बात करते हुए केटीआर ने कहा कि यह राज्य के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि केसीआर ने तेलंगाना वचुडो, केसीआर सचुडो (तेलंगाना या मेरी जान) का नारा देकर उपवास शुरू किया था, जिसने आंदोलन को नई दिशा दी और केंद्र सरकार को तेलंगाना गठन की घोषणा करने पर मजबूर किया।

26 नवंबर को तैयारी बैठकें :

केटीआर ने सभी जिला इकाइयों को 26 नवंबर को तैयारी बैठकें करने का निर्देश दिया है, जिसमें कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना अंतिम रूप दी जाएगी। इन बैठकों में विधायक, पूर्व विधायक, सांसद, पूर्व मंत्री और अन्य प्रमुख नेता शामिल होंगे।

दीक्षा दिवस के कार्यक्रम जिला मुख्यालयों में स्थित पार्टी कार्यालयों में होंगे। कार्यक्रम की शुरूआत तेलंगाना थल्ली और शहीद स्मारक पर माल्यार्पण से होगी, इसके बाद केसीआर के बड़े कट-आउट पर दुग्धाभिषेक किया जाएगा। इस दौरान 2009 के आंदोलन से जुड़े फोटो और समाचार कतरनों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। सामाजिक सेवा कार्यक्रम-जैसे फल वितरण और अन्नदान-का भी आयोजन होगा। हैदराबाद के एनआईएमएस अस्पताल में विशेष फल वितरण किया जाएगा। बीआरएस युवा और छात्र विंग विश्वविद्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित करेंगे और दीक्षा दिवस लोगो वाली टी-शर्ट पहनेंगे। केटीआर ने कहा कि यह आयोजन तेलंगाना के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।

PUBLIC NOTICE

This is to inform the General Public that **Smt. Anu Radha Chanda** is proposing to purchase Flat No. 301, "The Legend", situated at Ashok Nagar (Gagan Mahal), Hyderabad, bearing Municipal Nos. 1-10-30 and 1-10-35, admeasuring 1474 sq. ft., from its lawful owners/sellers.

If anyone has any objections whatsoever in respect of the said flat—whether relating to right, title, interest, claim, lien, charge, mortgage, tenancy, or any encumbrance—they are hereby required to submit such objections, along with supporting documents, to the undersigned within 7 (**seven**) days from the date of publication of this notice.

If no objections are received within the above period, it shall be deemed that no person has any manner of claim or objection, and the proposed purchaser shall proceed with the purchase.

Sd/-**L. SAMEER REDDY**
ADVOCATE & LEGAL CONSULTANT
CHAMBERS: H.No. 10-3-296, Humayun Nagar, Hyderabad – 28 Phone: **9985501624**
Email: sameerharsha@gmail.com

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Haseena M, Mother of JC 782335N, Nb Sub, Sajeev M, R/o, Dist: Kollam, Kerala, changed my name from Haseena M to Haseena Beevi M vide Affidavit No.282583 dt 20.11.2025, before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14654801H, Hav, Rewatiraman Dubey, R/o, Dist: Ghazipur, UP, changed my name from Rewatiraman Dubey to Rewatiramn Dubey, vide Affidavit No. BD 017862 dt. 21.11.2025, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I , Maheshwari, Spouse of No. 14658870W, Hav, Panyam Ramanjaneyulu, R/o, Dist: Kurnool, AP, changed my name from Maheshwari to Panyam Maheswari vide Affidavit No. BD 017863 dt. 21.11.2025, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हैदराबाद में बसों की भारी कमी

मांग के मुकाबले आधे बेड़े के साथ चल रहा सार्वजनिक परिवहन

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर का सार्वजनिक परिवहन गंभीर दबाव में है। वर्तमान में टीजीएसआरटीसी की लगभग 3,000 से 3,200 बसें ही सड़क पर चल रही हैं, जबकि शहर की मौजूदा आवश्यकता करीब 6,000 बसों की है। बढ़ती आबादी, तेजी से फैलती कॉलोनियों और महिलाओं के लिए शुरू की गई 'महालक्ष्मी' मुफ्त बस यात्रा योजना के कारण बसों की मांग तेजी से बढ़ी है। कई क्षेत्रों जैसे घाटकेसर, इब्राहिमपटनम, मेडचल, कुतबुल्लापुर, चेवेल्ला, मोइनाबाद और कोल्लूर में सबसे अधिक कमी महसूस की जा रही है। यात्रियों का कहना है कि पीक आवर्स में बसें अत्यधिक भरी रहती हैं और कई बार घंटे भर इंतजार करना पड़ता है।

बालापुर, उप्पल, एलबी नगर और नागोले जैसे इलाकों से रोजाना हजारों लोग काम के लिए निकलते हैं और उपलब्ध सीमित बसों पर पूरी तरह निर्भर हैं। निवासियों का कहना है कि मिधानी और उप्पल डिपो से अगर अतिरिक्त सेवाएं चलाई जाएं तो लगभग 5,000 यात्रियों को लाभ मिल सकता है। कोटी-लिंगमपल्ली जैसे व्यस्त रूटों पर बसें केवल एक घंटे में एक बार मिलने की शिकायतें मिल रही हैं। मजबूरी में लोग निजी वाहनों का उपयोग कर रहे हैं।

टीजीएसआरटीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, महालक्ष्मी योजना के बाद कई रूटों पर यात्रियों की संख्या दोगुनी हो गई है। हम मांग का आकलन कर रहे हैं और जहां जरूरत होगी, वहां अतिरिक्त बसें-किराये की बसों सहित-तैनात की जाएंगी। इस बीच उपनगरों से आने वाले यात्रियों को लंबे समय तक कई बसें बदलकर घर और काम के बीच यात्रा करनी पड़ रही है। कई कर्मचारियों का कहना है कि रोज 2-3 घंटे सिर्फ़ सफर में लग जाते हैं, जिससे काम और निजी जीवन दोनों प्रभावित हो रहे हैं। यात्री और विभिन्न संगठन सीधी पॉइंट-टू-पॉइंट बस सेवाओं की मांग कर रहे हैं ताकि यात्रा समय कम हो और भीड़भाड़ घटे। सरकार और टीजीएसआरटीसी जल्द अतिरिक्त सेवाएं शुरू करने की योजना पर काम कर रहे हैं।

आईआरआईएसईटी 24 नवंबर को मनाएगा अपना 68वां वार्षिक दिवस

इसरो अध्यक्ष डॉ.वी. नारायणन होंगे मुख्य अतिथि

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग एवं दूरसंचार संस्थान, तरनाका-भारतीय रेलवे के सात प्रमुख केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों में से एक- 24 नवंबर को अपना 68वां वार्षिक दिवस मनाने जा रहा है। यह संस्थान रेलवे सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रणालियों में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करता है।

इस अवसर पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष डॉ.वी. नारायणन मुख्य भाषण देंगे। कार्यक्रम में आईआरआईएसएसईटी के महानिदेशक शरद कुमार श्रीवास्तव और दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव भी उपस्थित रहेंगे।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संस्थान में सभी प्रकार की आधुनिक सिग्नलिंग एवं दूरसंचार प्रणालियां कार्यशील अवस्था में एक ही परिसर में उपलब्ध हैं, जो प्रशिक्षण को व्यावहारिक और उन्नत बनाती हैं। रेलवे में चयनित उम्मीदवारों को यूपीएससी इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा या आरआरबी चयन प्रक्रिया के बाद लगभग छह महीने का प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें रेलवे सिग्नलिंग, दूरसंचार तकनीक, ट्रेन संचालन में सुरक्षा और प्रयोगशाला आधारित व्यावहारिक अनुभव शामिल है। संस्थान में करीब 500 प्रशिक्षुओं के लिए सुसज्जित कक्षाएँ और छात्रावास सुविधाएं मौजूद हैं। यहां 11 आधुनिक प्रयोगशालाएं हैं, जिनमें कवच प्रणाली, आउटडोर सिग्नलिंग, ट्रेन डिटेक्शन, ब्लॉक सिग्नलिंग, ऑप्टिक फाइबर केबल संचार प्रणाली, ट्रेन ट्रैफिक नियंत्रण, टेलीफोनी और नेटवर्किंग जैसी विशेषताएं शामिल हैं।

Year of Estd. 1999

AGROHA BANK
AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Opp. High Court, Rikabgunj, Hyderabad – 500002 Ph-040-24511322
E-mail - customercare@agrohabank.com Website - agrohabank.com

Notice to Shareholders: -
Special Notice of Extra Ordinary GENERAL-BODY MEETING

The special Notice is hereby given to the members that Extra -ordinary Special General-Body meeting of the AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LIMITED, (T.A. No.1473) will be held on **08.12.2025, Monday at 7.30 P.M.** at **Royalton Hotel, Chirag Ali Lane, Abids, Hyderabad,** to transact the following business:

AGENDA

1. To consider, and approve, the Board Resolution Passed unanimously by board of Directors for considering Amalgamation of Agroha co-operative Urban Bank, Ghansi Bazar with Agrasen co-operative Urban Bank Ltd, Siddiamber Bazar Hyderabad in terms of RBI - RBI/DOR/2020-21/75 Master Direction- DOR.MAM. No.49/09.16.901/2020-21 DATED March,23,2021
2. In terms of section 44A read with section 56 of Banking Regulation Act, 1949, shareholders are required to pass the resolution by two -thirds both in number and value present in the meeting called for the purpose.
3. To authorize the Board of Directors / Chairman/ CEO to submit the scheme of Amalgamation for approval to RBI and Registrar of Co-operative Societies, Govt of Telangana.
4. To authorize the board of Directors, Chairman, CEO to implement the scheme of Amalgamation as approved by RBI.
5. To discuss and approve the swap Ratio for shares of Agroha Bank to Agrasen Bank as 1:1 as offered by Agrasen Bank.
6. To approve appointment of Statutory Auditor for conducting audit of Balance sheet and Profit and Loss account , prepared as at close of business on the date proceeding to the effective Date.
7. Any other subject that may be placed before the General Body Meeting with relation to Process of amalgamation, the consent of the Chair.

(BY ORDERS OF THE BOARD OF DIRECTORS)

Sd/-
Place: Hyderabad **(RATAN GUPTA)**
Date : 06/11/2025 Chairman

Note : Shareholders are requested to bring their I D Proofs, for the admission on the Meeting.

MEENAKSHI

भक्ति शक्ति और समृद्धि की कुंजी : विष्णु सहस्रनाम

अतुल कुमार

भारतीय अध्यात्म में सहस्र नामों की काफी महत्ता है . सहस्र नामों का अर्थ है " एक हज़ार नाम " जो किसी देवता के 1000 नामों वाले स्तोत्र को संदर्भित करते हैं . संख्या के रूप में "सहस्र " को पूजनीय माना गया . मूल रूप से यह संस्कृत का शब्द है . जिसका अर्थ 1000 है. नाम की महत्ता को अध्यात्म में सबसे प्रार्थनीय ,स्मरणीय , और वंदनीय माना गया . नाम की महिमा को रामायण के इस प्रसंग से समझा जा सकता है जब भगवान राम का संदेश ले हनुमान जी लंका पहुंचे तब माता सीता ने बल और बुद्धि के देवता बजरंग बली से पूछा कि मार्ग में आने वाले विशाल समुद्र को आपने कैसे पार किया ? यह तो सबसे कठिन और मुश्किल काम है ! तब हनुमान जी ने माता सीता को उत्तर दिया कि प्रभु राम का नाम जप करते हुए समुद्र तो क्या किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है .यह भगवान राम के नाम की महिमा है .इस पर सीता ने कहा हनुमान तुम समर्पित निष्ठावान राम भक्त हो कहा भी गया है कि " राम से बडा राम का नाम " अतः नामों की महिमा को पूजा अर्चना में सर्वोत्तम माना गया .

शास्त्रों द्वारा सहस्त्र नाम को आध्यात्मिक रूप से श्रेष्ठ माना गया . जैसे शिव सहस्रनाम ,ललित सहस्रनाम , लक्ष्मी सहस्रनाम ,सूर्य सहस्र नाम और विष्णु सहस्रनाम इत्यादि .पद्म पुराण के अनुसार विष्णु सृष्टि के पालक हैं और उनकी उपासना के कई प्रकार हैं " विष्णु सहस्र नाम " में उनके 1000 नामों का उल्लेख है . जो साधकों के जप और सुनने मात्र से उनके संकटों को दूर करता है . जिससे मानसिक शांति मिलती है और एकाग्रता बढती है .विशेष कर विद्यार्थियों के लिये यह सबसे फलदायी है .नकारात्मक सोच और प्रभाव का नाश होता है .ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यह ग्रहों की नकारात्मकता को समाप्त करने वाला सबसे शक्तिशाली नामोल्लेख है . जिसके असर से सारी विपत्तियां समाप्त होती हैं .

शास्त्रों के अनुसार इसके पाठ से शारीरिक और मानसिक रोगों से छुटकारा मिलता है . इन नामों में शिव , रुद्र जैसे नाम भी हैं जो यह बताते हैं कि सृष्टि के पालनहार और विनाशक एक ही हैं महाभारत का भीषण युद्ध चल रहा था तब अपनों पर प्रहार करते समय युधिष्ठिर के हाथ कांपने लगे . तब भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सलाह दी कि वह भीष्म पितामह से ज्ञान लें अपने सभी भाइयों के साथ युधिष्ठिर ने भीष्म पितामह से भेंट की तब वह शर – शय्या (बाणों की शय्या) पर लेटे हुए थे . युधिष्ठिर ने पूछा इस कलियुग में मनुष्य अपने दुखों से कैसे मुक्ति पा सकते हैं ? तथा उनको परम कल्याण की प्राप्ति कैसे हो सकती है . ! तब भीष्म ने कहा भगवान विष्णु के 1000 नामों का सबसे बडा महत्व है जो उनके गुणों ,शक्तियों और स्वरूपों का वर्णन करते हैं . यह सबसे शक्तिशाली स्तोत्र है.

भीष्म ने यह पाठ युधिष्ठिर को दिया . जिससे मानसिक और शारीरिक रोगों से मुक्ति मिलती है .इनके जप से मन शुद्ध होता है . बल आयु और धन में वृद्धि होती है . कलियुग में यह सभी कष्टों को दूर करने में प्रभावी है ,जो अंततः मोक्ष की ओर ले जाता है . " विष्णु सहस्रनाम " के महत्व पर कहा भी गया है " हर सुबह एक नया प्रकाश / हर जप से मिटे मन का त्रास // .

मूल रूप से संस्कृत में लिखी प्राचीन लिपि है .मानवता के उद्धार के लिये यह माना गया कि मन , बुद्धि और शारीरिक वृद्धि के लिये एक ध्वनि हो जो आध्यात्मिक उन्नति में साधक हो , जो शोधक और कल्याणकारी हो ,जिससे मनुष्य की शक्तियां सबल बने तथा उनको पथ प्रदर्शित कर सके .तब

"विष्णु सहस्रनाम " एक परम विश्वास और कल्याणकर्ता के रूप में सामने आया . विद्वानों के अनुसार " विष्णु सहस्रनाम " के प्रत्येक नाम के लगभग एक सौ अर्थ हैं .सोचिये ! अध्यात्म में कितनी गहन गहराई है . यह महाभारत महाकाव्य के " अनुशासन पर्व " का भाग है जिसे भक्तों के बीच लोकप्रियता मिली .

इसकी रचना " महाभारत " और " भगवदगीता " जैसे धर्म ग्रंथों के रचयिता महर्षि वेद व्यास ने की . जिसमें 108 श्लोक हैं . जिनमें से 102 श्लोक भगवान विष्णु के 1000 नामों को दर्शाते हैं .भगवान विष्णु के सबसे प्रिय मंत्र " ऊं नमो नारायणायः " और " उं नमो भगवते वासुदेवाय " हैं .यह दोनों ही मंत्र बहुत शक्तिशाली ,लाभकारी और असरकारी माने गये . शास्त्रानुसार जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के साथ घनिष्ठ और गहरा रिश्ता रखता है तब आमतौर पर उसे विभिन्न नाम देता है . यही विचार ईश्वरीय प्रेम और आराधना पर भी लागू होते है. अर्थात जब कोई साधक अपने आराध्य के प्रति भक्ति भावना में डूब जाता है तब वह कृतज्ञता तथा प्रेम पूर्वक ईश्वर के विभिन्न नामों का जाप करता है ताकि उनको बेहतर ढंग से समझ सके और उनसे संवाद कर सके यह ईश्वर भक्ति से जुडने का मार्ग भी है .

बताया जाता है कि " विष्णु सहस्रनाम " के कई संस्करण हैं लेकिन सबसे अधिक लोकप्रिय संस्करण स्कंद पुराण और महाभारत से है . प्राचीनकाल में वैद्य रोगी को औषधि के साथ इसका पाठ करने की सलाह देते जिससे कि उनकी समस्या का जल्द निवारण हो . पुराणों द्वारा यह गरीबी , बीमारी , जन्म और मृत्यु के भय से मुक्त करता है . इसके पाठ से आत्मा और ईश्वर के बीच गहरा संबंध बनता है यह मन को सकारात्मक सोच से पूरित करता है. वास्तव में यह सुरक्षा कवच है. इसके प्रत्येक नाम को दीपक माना गया जो मन और जीवन के अंधेरे को दूर करता है . " उं नमो भगवते वासुदेवाय नमः " का अर्थ है भगवान वासुदेव – विष्णु को नमस्कार करता हूं .जो संपूर्ण सृष्टि के पालनकर्ता हैं

जो हर जीव में व्याप्त हैं और अनंत कृपा के सागर हैं .अतः हर युग में इसको पढने या सुनने से मनोकामनाओं की पूर्ति होती है . इसलिये इसे भक्ति ,शक्ति और समृद्धि की कुंजी भी माना गया .

काव्य कुंज

नेकी कर दरिया में डाल

गजानन पाण्डेय

नेकी कर दरिया में डाल
यही दान का है रिवाज
मानवता की सेवा
जीवन का लक्ष्य है ।
बुराई को छोड़ना
नेक राह पर चलना
यही मानव धर्म है ।
हर प्राणी में वो बसता है
यही जीवन का सत्य है ।

अव्यक्त ब्रह्म की कथा, व्यक्त ब्रह्म की वाणी में

आदि से पूर्व, आरम्भ से परे
जब न काल था, न दिशा, न कोई प्रत्यक्षता
तब केवल अव्यक्त, निर्गुण, निर्विशेष ब्रह्म था।
निरंतर, अनन्त, अद्वितीय
जो स्वयं में सिद्ध, स्वयं में पूर्ण, स्वयं में प्रकाशमान था।
उसी निखिल मौन में,
उस अपरिमित एकत्व की नीरवता में,
एक अतिसूक्ष्म कम्पन उदित हुआ—
विचार नहीं, इच्छा नहीं, बस पूर्णता की सहज तरंगः
"यदि समस्त रूप मुझसे ही उत्पन्न हों,
तो मेरे स्वरूप का बोध किस प्रकार प्रकट हो?"
यह आकांक्षा नहीं थी—
क्योंकि परम पूर्ण है,
उसे कुछ पाना शेष नहीं।
यह तो उस अनन्त सत्ता का
स्वतः-स्फुरित प्रकाश था—
जो स्वयं को व्याप्त कर देना चाहता है,
स्वयं को स्वयं ही देखने की लीला में उतरता है।

डॉ आशोक तिवारी

इस दिव्य स्पंदन से ब्रह्म की मायाशक्ति
जो न ब्रह्म से भिन्न है, न ब्रह्म के समान
एक अद्भुत आवरण बनकर प्रकट हुई;
मौन और अभिव्यक्ति के मध्य
एक कम्पनशील सेतु की भांति।
और अव्यक्त का व्यक्त होना आरम्भ हुआ।
अद्वैत ने द्वैत का आलिंगन किया।
अपरिमित ने सीमाओं का आकार लिया।
अखंडता ने अनेक रूपों का विस्तार किया।
और सृष्टि का महा-नाद गूँज उठा।
लेकिन जैसे-जैसे यह विस्तार अनन्त दिशाओं में बढ़ा
चेतना विभाजित प्रतीत होने लगी।
एक ही सत्ता अनगिनत प्राणियों, अनुभवों,
विचारों और अहंकारों के रूप में
विकसित होती चली गई।
और तब व्यक्त ब्रह्म को अनुभूति हुई
एक अद्भुत विरोधाभास की "जो सब मैं ही हूँ,
वे अपने को मुझसे पृथक मान रहे हैं।
मैं प्रत्येक रूप में बोलता हूँ,
पर हर रूप अपने ही शोर में खोया है।
मैं ही अनुभूति का मूल हूँ,
पर जीव अनुभव को अपना मानकर
मूल को भूल बैठा है।"
मायिक विस्तार का यह जाल,
जो स्वयं ब्रह्म की शक्ति से बुना गया था,
अब उसी के लिए भूलभुलैया बन गया—
जिसमें वह अपनी ही परछाइयों को
पकड़ने का प्रयत्न करने लगा।
और तभी एक गहन अंतर्दृष्टि उदय हुई—
"विस्तार यदि स्मृति खो दे,तो बन्धन बन जाता है।
नानात्व यदि मूल को भूल जाए,
तो कोलाहल बन जाता है।"
इस अनुभूति के साथ व्यक्त ब्रह्म
अपने ही शाश्वत स्रोत की ओर मुड़ा
और मौन में कहाः "अब लौट चलें।
बहुत विस्तार हो चुका। बहुत दूरी का भ्रम रचा जा चुका।
बहुत पात्र अपने को स्वायत्त समझ बैठे।
अब पुनरावर्तन का समय है—
बहुलता का विलयन एकत्व में,
प्रपंच का लय मूल में,लीला का विश्राम उसके कर्ता में।"
और इस प्रकार ब्रह्मांड का गूढ़ सत्य प्रकट होता है—
सृष्टि केवल प्रसार नहीं है, वह वापस लौटने की भी यात्रा है।
जैसे श्वास बाहर जाती है और पुनः भीतर लौटती है,
वैसे ही ब्रह्म का विस्तार
अंततः ब्रह्म में ही लीन हो जाता है।
और अंतिम अवसान में—
न रूप बचता है, न द्वैत, न कथा, न कथाकार।
केवल ब्रह्म ही रह जाता है—
पूर्ण, अचल, अद्वितीय, जैसा वह आदि में था,
जैसा वह अन्त में है,जैसा वह सदैव रहेगा।

हवा की सिसकन

कुछ पगडंडियाँ , कभी हमारी हँसी और
कदमों की गूँज से भर उठती
आज वही पगडंडियाँ मौन हैं,
उनकी मिट्टी में अब सिर्फ़ हवा की सिसकन है।
हमारे कदमों के चिन्ह
धुंधली यादों में घुल गए हों,
हर मोड़ पर, हर मोड़ के बाद,
सुनसान पत्थरों की हिचकी।
पत्तों की फुसफुसाहट बची है।
रास्ते केवल मिट्टी नहीं
वे हमारी इच्छाओं
असमय ख़त्म हुई
खोजों में दबे प्रश्न हैं,
वे पगडंडीयाँ जिस पर
हम बचपन की ओर भागते ,
वहाँ केवल पेड़ों की छाया खेलतीं
और हमारी हँसी हवा में बिखरी, जैसे कभी रही ही नहीं।
कभी सोचा था रास्ते सिर्फ़ धूल और मिट्टी होंगे,
लेकिन अब पता चला रास्ते हमारी यादों,
खोई हुई चाहतों और अधूरी उम्मीदों से बनते रहे हैं।
जब यादें धुँधली होती
पगडंडियाँ भी लुप्त होती जाती हैं ।
हर कदम में एक कहानी दबी हुई ,
हर पत्थर और पत्ता सिर्फ़ अपने अस्तित्व का गवाह है।
और हम?
हम केवल लौटकर देखते हैं,
और पाते हैं कि जो छोड़ गए
वह कभी लौटकर नहीं आएगा।
हमारे पद चिन्ह सिर्फ आवाज है
जो दिखते नहीं, महसूस होतें है।
जो पूछते क्या तुम्हारे कदम सच में तुम्हारे थे,
या बस समय की धारा ने तुम्हें वहाँ बहा दिया।
पगडंडियाँ, लुप्त होती हुई,अनकही कहानियों की गूँज
जहाँ अस्तित्व और समय,स्मृति और विस्मृति
आपस में घुलते हैं ।
हम कदमों के निशानों में देखते हैं,
और समझते हर खोई पगडंडी,
एक अंतहीन प्रश्न छोड़ जाती है।

संजीव ठाकुर, रायपुर

यह कैसा कर्तव्य...!

संजय एम. तराणेकर, इंदौर

भाई यह कैसी रहीं
'माता-पिता' की माया,
घर में हुए दो मुख्यमंत्री
बेटा पढ़ न पाया।
क्यों? नहीं समझ पाए
ये शिक्षा का महत्व,
क्या? 'क्रिकेट' में
समाया था सम्पूर्ण सत्व।
इन 'पालकों' ने यह
कैसा निभाया कर्तव्य,
स्वघोषित मुख्यमंत्री होना यहीं भवितव्य।
स्वयं अपने ही पास जब रखीं है लालटेन,
क्यों? ना दी पढ़ने के लिए उसे कॉपी-पेन।
पता नहीं कहां-कहां फैला था जंगल राज,
घुलना थे इनके कानों में नम्रतारूपी साज़।
तब बन पाते यहीं 'जनमानस' की आवाज,
दिलों पर करते राज मिलती सत्ता परवाज़।

सूरज बनना है

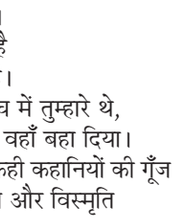

कुमुद बाला, हैदराबाद

जो अंधकार से डर जाये ,
जिसमें ललक नहीं है जीने की
वह दीप प्रज्वलित करेगा कैसे ,
जब अग्नि जल रही सीने की
दीप प्रज्वलित करो साथियों ,
अपने प्यारे वतन की खातिर
कदम चलो तुम साथ भाइयों ,
अपने प्यारे वतन की खातिर
यही एकता काम आयेगी , अपने प्यारे वतन की खातिर
साथ जियें औ साथ मरें हम , अपने प्यारे वतन की खातिर
राहों से शूल चुनें जो , उनमें है शक्ति हलाहल पीने के की
जो अंधकार से डर जाये , जिसमें ललक नहीं है जीने की
वह दीप प्रज्वलित करेगा कैसे , जब अग्नि जल रही सीने की
गहरा कितना ही हो सागर लेकिन लहरें झूमतीं आतीं तट पर
जलते सूरज की स्नेहिल किरणें खिलखिला जातीं भूतल पर
सिंदूरी मांग विश्वास जतलाती जैसे अचल विशाल वृक्ष वट पर
हमें भी है लहराना तिरंगा अपने देशवासियों के वक्षस्थल पर
वह हृदय नहीं है पत्थर है जिसने ली न कसम माँ के सीने की
जो अंधकार से डर जाये जिसमें , ललक नहीं है जीने की
वह दीप प्रज्वलित करेगा कैसे , जब अग्नि जल रही सीने की
हिमालय सा नहीं अडिग हृदय तो , जलधार फूटेगी कैसे
तरु सा कोमल नहीं हृदय तो , फल की टोकरी भरेगी कैसे
हमें लिये तिरंगा हाथ में नये , आदर्श पदचिन्ह बनाने हैं
न चले भविष्य गर पदचिन्हों पे,प्रेम की बगिया खिलेगी कैसे
रहेगा शोभित किरीट शीश पे , कसम है देश नगीने की
जो अंधकार से डर जाये जिसमें , ललक नहीं है जीने की
वह दीप प्रज्वलित करेगा कैसे , जब अग्नि जल रही सीने की

विधाता

ओमकार सर्डिवाल, हैदराबाद

एक विधाता होता है
सृष्टि की संरचना करता है
अवसर सबको देता है
जीने की राह बताता है
खाली पेट रहने वालों को भी
भरपेट अन्न प्रदान करता है
हर छोटी परेशानी पर भी
हाथ अपने छत्रछाया से धार देता है
दूर बैठे हैं विधाता
अपनी दृष्टि सब पर धरते हैं
हाथ से हाथ बढ़ाकर
सबको जीने की राह बताते हैं
अवसरवादी को अवसर देकर
एक नई रहा पर चला देते हैं
हम भी उनका धन्यवाद करते हैं
जिनके आंगन में हम फूल बनकर
विकसित होते हैं
कृतज्ञ भाव हम प्रस्तुत करते हैं
उस विधाता के आगे नतमस्तक होते हैं
आपके चरणों में अपने शब्दों के
बस दो फूल अर्पण करते हैं
आपकी करुणा से हम
अपने आप को सार्थक समझते हैं
रोम रोम से एक बुहार आती है
धन्य है वह मातृभूमि जिसमें
विधाता के संग हम रहते हैं।
अपने विधाता के संग हम रहते हैं।

इश्क़ करने की आदत

मनीषा मंजरी दरभंगा

ये जो तेरे बिना भी मुझे,
तुझसे इश्क़ करने की आदत है,
मरुभूमि की तपिश को,
बारिशों की राहत है।
ये जो मेरे कानों में गूंजती,
तेरी अनसुनी आहटों की चाहत है,
अमावस के अंधेरों पर,
जुगनुओं की इनायत है।
ये जो मेरे साँसों में घुली, तेरे गुम हुए नाम की आयत है,
तूफां में फंसी नाव को, पतवारों की ताक़त है।
ये जो तेरे लक़ीरों संग गुमी, मेरे लबों की मुस्कराहट है,
सितारों में तुझे तलाशती, मेरी आँखों की किस्मत है।
ये जो हर रात मेरी नींदों में, तेरे सपनों की शिरकत है,
रूठी हुई उस मंजिल को, राहों की मिन्नत है।
ये जो तेरी निःशब्द रवानगी, मेरी मुझसे हीं नफ़रत है,
मंदिरों की चौखटों पर, ख़ामोशी की शिरक़त है।
ये जो राख़ बनकर, हवाओं में फैली तेरी मोहब्बत है,
मेरी तन्हा शामों को, तेरे एहसासों की ज़न्नत है।

इज्जत

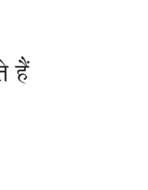

टी तारासिंह हैदराबाद

तेरी तस्वीर ही तेरी पहचान बने
तेरा पहनावा ही तेरी इज्जत बने
तेरी जिंदगी ही सबको सबक बने
तेरा इश्क , तेरी मोहब्बत है
इस जमी से , इस देश से
जीयेगे तो इस जमी के लिए
मरेंगे तो भी इस देश के लिए
इस जमी ने जन्म दिया , जीवन दिया
पहचान मिली , इज्जत मिली
इसका मूल तो चुकाना है
सोते - जागते सरजमी की रक्षा करते रहेंगे
मुद्दत हुई दुष्मन का खून नही बहाया
मरना पडा तो कभी पीछ नही हटेंगे
देश के लिए हसते हसते शहीद हो जायेगे
पल पल है दिल की तम्मना
हमसब का सर उच्चा रहे
हमारे देश का तिरंगा उच्चा रहे ।।

श्रद्धा और विश्वास

गीता अग्रवाल हैदराबाद

फर्क न पड़े दूरी से, जिनपे
श्रद्धा,विश्वास दिल में समाते।
ग़ज़ब आधुनिक प्रौद्योगिकी,
दूर को भी करीब पाते ।।
चाँद से दूरी पर चाँद के
घटते बढ़ते क्रम को देख,
हर धर्म के लोग श्रद्धा,
विश्वास से शीश नवाते ।
कभी मजबूरियाँ कर देती दूर दिल अजीज को,
पर प्रेम,श्रद्धा विश्वास से दिल में सदा समाते।
कुछ सच्चे रिश्ते दूर हो या पास फर्क नहीं पड़ता,
खून का रिश्ता न हो फिर भी श्रद्धा,विश्वास जगाते ।
दूर से ही सूरज की किरणें प्राणवायु भर जाती,
सूरज से दूरी तो क्या,श्रदा से हम सूर्य को जल चढ़ाते।
दूर हो या पास जब रखा श्रद्धा और विश्वास,
पास है पर पास नहीं, दूर को दिल के करीब पाते।
श्रद्धा और विश्वास के अनमोल रत्नों पर दुनिया कायम,
देखा नहीं ईश्वर को , पर ईश्वर हर आत्मा में समाते ।

विभाजन का दंश

डॉ शोभा भंडारी हैदराबाद

देश के विभाजन का दंश गहरा,
कुछ घाव ऐसा दे गया,
घाव जो रिसता ही रहता है,
दशकों से भरता ही नहीं।
कुछ लम्हों की हुई खता और,
सदियों के लिए एक दर्द सा दे गयी।
कई पीढ़ियां इस दौर से गुजर गईं,
इस दंश की पीड़ा को झेलती ही गईं।
सदियों से बांटा अतिक्रमण ने,
आततायियों के आक्रमण ने,
सोने की चिड़िया को कैद कर लिया,
जकड़ दिया पिंजरे की सलाखों में।
अनाचार -अत्याचार से पीड़ित होते रहे,
होते रहे बर्बाद कई दशक,
कितने ही यौवन कुर्बान हुए,
कितने ही सुहाग उजड़ गए।।
पीना पड़ता है ज़हर का घूंट हर बार,
होते रहते प्रताड़ित बार-बार,
करीब आठ दशक होने जा रहे हैं आजादी के,
पर हम अपमानित हो, होते रहे जारजार।
क्यूं बुद्धिजीवियों की प्रबुद्धता धूमिल हो रही है?
क्यूं राष्ट्र के आकाओं की आंखें नहीं खुल रही हैं?
क्यूं कर्मवीरों -धर्मवीरों में है हताशा? अब तो,
जरुरत है ऐसे अचूक शस्त्र की जो दूर कर दे निराशा!

एक

हेमंत सुराना, उदयपुर

"एक" तेरी महिमा अपरंपार
गिनती में पहली संख्या पर,
पाने की होड़ में सबसे आगे
"एक"और"एक"
दो पर "गणित"कहलाए
"एक"और"एक"
ग्यारह पर "संगठन"कहलाए
"एक"और"एक" शून्य पर "आत्मिक"कहलाए
"एक"और"एक"एक पर "सामंजस्य"कहलाए
"एक"सवाल बहुत है, सताने के लिए
"एक" शक बहुत है, किसी को खोने के लिए
"एक"गलती बहुत है, दुख पहुंचाने के लिए
"एक"गलतफहमी बहुत है, फासले बढ़ाने के लिए
"एक" चुप्पी बहुत है, मुंह मोड़ने के लिए
"एक" ही तो जिंदगी, शिकायते अनेक
"एक"ही तो जिंदगी, शिकायते अनेक ।

वही हाथों को...

कभी कभार चाटुकारिता का सहारा ले
आस्तीन में जगह बना लेते हैं
जब तक समझते , जड़ कुतर देते हैं
अब पछताए होत क्या जब चिडिया...
दीप्त उजाला,
सलाखों के पीछे धकेल देते हैं
समझे व्याकरण तो ठीक ,
अन्यथा हास्यास्पद बना देते हैं
वही हाथों को जला देते हैं
जिसको हम हवा से बचा रहे होते हैं
पड़ोसी था
कहता मैं भी वॉकिंग का हिस्सा बनता हूं
आंख बंद कर स्वीकार करता हूं
जब तक यथार्थ समझता
गले की हड्डी बन जाता है
देखते ही देखते
जीवित कब्र बन जाता हूं
जागरूक रहे तो ठीक
अन्यथा रौंद दिए जाते हैं
वही हाथों को...
समझदार था, समझा न्याय करेगा
गर्म सर्द थपेड़ों से बचा कर रखेगा
बस पतवार उसके हाथ थमा दी
स्थितियों से था वाक़िफ़ बंधु
बीच चौरसते मजार बना दी
रखे सशक्त कदम तो ठीक
अन्यथा हाथ मलते होते हैं
वही हाथों को..

दर्शन सिंह हैदराबाद

कितना आसान हो गया !

रमेश गायकवाड रागा, हैदराबाद

कितना आसान हो गया
योग्य को अयोग्य,
अयोग्य को योग्य चित्रित करना
संभव को असंभव,
असंभव को संभव चित्रित करना
दूसरों के बल पर,
अपनी फर्जी योग्यता चित्रित करना
सत्य को असत्य,
असत्य को सत्य चित्रित करना
धर्म को अधर्म,
अधर्म को धर्म में परिवर्तित करना
मित्रता को शत्रुता,
शत्रुता को मित्रता में चित्रित करना
शांति को अशांति,
अशांति को शांति में चित्रित करना
प्रेम को घृणा,
घृणा को प्रेम के रूप में चित्रित करना,
हर दिन एक नया नाटक सत्ता के लिए
नियमों का उल्लंघन करना
समाज के
अस्तित्व को भी निर्बल कर देना,
छोटी-छोटी बातों को आवर्धक कांच में
दिखाकर कीचड़ उछालना ,
दूसरों की लंबी
सामाजिक सेवाओं को बेबुनियाद बताना,
नाटकों का मंचन कर सिक्का अपना जमाना !
इस छोटी सी ज़िंदगी में आक्रोश, बदला,
नफ़रत, और षड्यंत्र में पाल रहे हैं ,
स्वार्थ के दल-दले में फंसकर निकल नहीं पा रहे हैं!
माइक्रोफ़ोन पकडकर मीठी बातेंकर बहाने बनाते हैं,
पर अपनी अंतरात्मा की आवाज़ सुन नहीं पाते!!
जो ख़ुद किनारे से घुसकर लोक संप्रभुता के
तरीक़ों को नकार देते है,
अपनी मर्ज़ी से किसी को हटा देते,
शतरंज की बिसात पर मोहरे जोड़ देते हैं,
अजीबो-गरीब चलन अपनाकर,
तानाशाहों की तरह हुकूम देते हैं!!
कोई कुछ नहीं पूछेगा, कोई प्रतिक्रिया नहीं,
कोई प्रश्न नहीं !
पर इंतज़ार की आवश्यकता है,
समय जरूर जवाब देगा!!

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम
रविवार, 23 नवंबर 2025

दुबई में अचानक क्यों गिर गया तेजस जेट

भारत के लिए ये कितना बड़ा झटका है

दुबई एयरशो में शुक्रवार दोपहर का रोमांच शोक में बदल गया। भारतीय समय में दोपहर 3.40 बजे भारतीय वायुसेना का तेजस फाइटर जेट हवा में कलाबाजियां कर रहा था, तभी सबकुछ थम गया। हजारों दर्शकों और सैकड़ों कैमरे के सामने तेजस जमीन से जा टकराया। क्रैश के बाद पहले आग का गोला और फिर धुएं का बड़ा गुबार दिखा। सबकुछ इतना तेज हुआ कि पायलट भी खुद को नहीं बचा सका। इंटरनेशनल इवेंट में भारत के सबसे महत्वाकांक्षी फाइटर जेट तेजस का क्रैश होना कई सवाल छोड़ गया।

ऐसे में सवाल लाजिम है कि तेजस के क्रैश होने की क्या वजह हो सकती है? एविएशन एक्सपर्ट अनंत सेठी कहते हैं कि एयरशो के दौरान इस तरह के हादसे होना बड़ी बात नहीं है। ऐसे शो के दौरान पायलट को विमान की सारी क्षमताएं दिखानी होती हैं। क्रैश के जो शुरुआती विजुअल दिख रहे हैं, उसमें विमान अचानक नोज डाउन होकर फ्री फॉल होते दिख रहा है।

एयरशो के दौरान पायलट को तेजी से कई करतब करने होते हैं, जैसे विमान को एक लूप में उड़ाना, रोलिंग करना या लो-लेवल फ्लाई करना। अगर मैन्यूवर यानी रास्ता बदलने के तरीके में जरा भी चूक हो जाए या हवा के बहाव और मिनिमम सेफ ऊंचाई को कम आंका जाए, तो एयरक्राफ्ट का कंट्रोल खो सकता है। एयर शो में तेजस जैसे हल्के फाइटर आमतौर पर बहुत तेज मोड़ (high-G turns) लेते हैं। अगर एंगल ऑफ अटैक बहुत बढ़ गया हो या गति अचानक कम हो गई हो, तो कंट्रोल लॉस हो सकता है। यह एयर शो क्रैशों की आम वजह भी है। तेजस के जो विजुअल आ रहे हैं, उनमें विमान ने पहले ऊंचाई खो दी, फिर रोल करते हुए स्थिरता पाने की कोशिश की, लेकिन कंट्रोल नहीं हो सका। अनंत सेठी बताते हैं कि गिरने से पहले एयरक्राफ्ट सीधे जाने के साथ ही अपने अक्ष पर गोल घूम रहा था। राइफल की बैरल से गोली भी इसी तरह राउंड लेते हुए निकलती है। इसलिए इसे 'बैरल रोल मैन्यूवरिंग' कहते हैं। बीते साल भी जब तेजस क्रैश हुआ था, तो पायलट की ट्रेनिंग एरर की बात कही गई थी।

हवा में करतब दिखाते समय हाई-स्पीड मैन्यूवर में कंपोनेंट्स पर स्ट्रेस ज्यादा पड़ता है। इस दौरान इंजन बंद होने से प्लेन की पावर कम हो जाती है। तेजस में अमेरिकी कंपनी जनरल मोटर्स का GE F414 इंजन लगा है। इसके अलावा फाइटर जेट्स में एलिवेटर या रडर में हाइड्रॉलिक प्रॉब्लम आने से भी जेट नोज-डाउन हो सकता है। कई बार फ्यूल लीक होने या कंट्रोल सिस्टम जैसे विंग्स के फ्लैप्स काम न करने के चलते भी हादसा हो सकता है। हालांकि एयरशो में जाने से पहले प्लेन की प्री-फ्लाइट चेक और मेंटेनेंस किया जाता है। फ्यूल लीक की कुछ खबरें चलीं, जिन्हें आधिकारिक तौर पर खारिज कर दिया गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, तेजस की बिल्ट क्वालिटी अच्छी है, ऐसे में कोई स्ट्रक्चरल कमी होने की संभावना कम है। जब कोई लड़ाकू विमान तेज मैन्यूवरिंग यानी पैंतरेबाजी दिखाता है, तो विमान पर सामान्य से 9 गुना ज्यादा ग्रैविटी फोर्स लगता है। ऐसे में अगर विमान का ढांचा कमजोर हो, तो विमान में रैपिड डिसेंड यानी तेजी से ऊंचाई कम होती है। हालांकि एक्सपर्ट्स का मानना है कि तेजस की बिल्ट क्वालिटी अच्छी है, पिछले कई सालों से तेजस एक्टिवली एयरफोर्स में सर्विस दे रहा है। ऐसे में कोई स्ट्रक्चरल कमी होने की संभावना कम है। नियमित रूप से विमान के ढांचे का इंस्पेक्शन और स्ट्रेस टेस्ट वगैरह भी किए जाते हैं।

क्रैश की जांच में इनके अलावा फ्यूल पम्पिंग सिस्टम में गड़बड़ी, इंजन में किसी ऑब्जेक्ट या चिड़िया वगैरह के घुस जाने या मौसम से जुड़े पैरामीटर्स भी देखे जाते हैं। हालांकि अभी ये संभावनाएं वीडियो एनालिसिस और शुरुआती विजुअल के आधार पर हैं। असली कारण एयरफोर्स और दुर्घटना जांच बोर्ड की फाइनल रिपोर्ट ही तय करेगी। हादसे के बाद भारतीय वायुसेना ने लड़ाकू विमान क्रैश होने के कारणों की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी बैठा दी है। अगर पायलट की गलती से कोई विमान एयरशो में क्रैश हो गया, तो इसका मतलब यह नहीं है कि विमान में ही कोई कमी थी। जैसे एयरबस A-320 आज के दौर के सबसे अच्छे यात्री विमानों में से एक माना जाता है, लेकिन फ्रांस में एयरशो के दौरान ये क्रैश हो गया। विमान तेज गति से नीचे आया, कम ऊंचाई से गुजरा, लेकिन फिर ऊपर नहीं उठ पाया।

दुबई एयर शो में इंटरनेशनल विमानों का प्रदर्शन किया जाता है। यहां दुनिया की बड़ी एयरोस्पेस कंपनियां, एयरलाइंस, एयर फोर्सेज और टेक्नोलॉजी कंपनियां अपने नए विमान, हेलिकॉप्टर, हथियार सिस्टम और एरोस्पेस टेक्नोलॉजी दिखाती हैं। ऐसे मामलों में क्रैश की असली वजह क्या है, ये शायद ही कभी पता चल पाता है। हालांकि अगर तकनीकी कमी से ऐसा हुआ है, तो इसके दो असर होंगे। एक तो हमारे लड़ाकू बेड़े में इसके इन्डक्शन यानी शामिल करने को लेकर सवाल उठेंगे। भारतीय वायुसेना के मॉडर्नाइजेशन के लिए भी ये एक सेटबैक की तरह है। साथ ही भारत इसे कई देशों को बेचना चाहता है। ऐसे सौदों पर भी इस हादसे का असर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अर्जेंटीना, इजिप्ट, बोत्सवाना, मलेशिया, फिलीपींस और नाइजीरिया ने तेजस खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी। इंडियन एयरफोर्स के बेड़े में हलके फाइटर विमान यानी LCA को शामिल करने की तैयारी 1983 में ही शुरू हो गई थी। सरकार की हरी झंडी मिलते ही भारतीय साइंटिस्ट अपने मिशन को अंजाम देने में दिन-रात लग गए थे। करीब 18 सालों की कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार जनवरी 2001 को पहली बार इस स्वदेशी फाइटर जेट ने हिंदुस्तान के आसमान में उड़ान भरी थी। जब यह सब कुछ हो रहा था तो अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे। 2003 में वाजपेयी ने ही इसे 'तेजस' दिया था। तेजस नाम रखते वक्त प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कहा था कि ये संस्कृत शब्द है, जिसका मतलब 'चमक' है।

पश्चिम बंगाल के 10 जिलों में कहां से आए लाखों वोटर

चुनाव आयोग की ओर से कराए जा रहे वोटर लिस्ट स्पेशल इंटेसिव रिविजन यानी SIR पर राजनीति गरम है। गैर एनडीए शासित राज्यों की सरकारें और राजनीतिक दल खुलकर एसआईआर की आलोचना कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में SIR पर तलवारें खिंची हैं। बांग्लादेश के बॉर्डर पर भारत से वापस लौटने वाले बांग्लादेशियों की लाइन लगी है। इस बीच पश्चिम बंगाल से एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। 2002 से 2025 के बीच करीब 23 साल में राज्य में वोटरों की संख्या में 66 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पश्चिम बंगाल में 10 जिलों में वोटरों का आंकड़ा अप्रत्याशित तौर से बढ़ा है, जिनमें 9 बांग्लादेश बॉर्डर से जुड़े हैं। माना जा रहा है कि SIR के बाद सच सामने आएगा कि अचानक लाखों की तादाद में वोटर कहां से आए। ये घुसपैठिये हैं या उत्पीड़न के शिकार हिंदू शरणार्थी, जिसका दावा टीएमसी कर रही है।

चुनाव ने 2002 में स्पेशल इंटेसिव रिविजन (SIR) के जरिये वोटर लिस्ट की जांच की थी। इसके बाद से पूरे देश में वोटरों के नाम जुड़ते चले गए। बीते 23 साल के दौरान पश्चिम बंगाल में रजिस्टर्ड वोटरों की संख्या 4.58 करोड़ से बढ़कर 7.63 करोड़ हो गई है। दो दशक पहले राज्य में 18 जिले थे, अभी 23 जिले हैं। भारतीय निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान बंगाल के 10 जिलों में वोटरों की संख्या में 70 फीसदी या उससे ज्यादा नए वोटरों के नाम जोड़े गए। इनमें 9 जिले बांग्लादेश के बॉर्डर पर बसे हैं। बीरभूम सिर्फ ऐसा जिला है, जिसकी सीमा बांग्लादेश से नहीं जुड़ती है मगर वहां 73.44 प्रतिशत वोट बढ़े। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर में रेकॉर्ड 105.49 प्रतिशत वोटर बढ़े। बांग्लादेश बॉर्डर के पास बसे मालदा में 94.58 प्रतिशत और मुर्शिदाबाद में 87.65 प्रतिशत वोटरों के नाम जोड़े गए। दक्षिण 24 परगना में बढ़े वोटरों का आंकड़ा 83.30 प्रतिशत रहा। जलपाईगुड़ी में 82.3 प्रतिशत, कूचबिहार में 76.52 प्रतिशत और उत्तर 24 परगना में 72.18 प्रतिशत वोटर बढ़ गए। नादिया जिले में 71.46 प्रतिशत और दक्षिण दिनाजपुर में 70.94 प्रतिशत वोटर बढ़े। जब बॉर्डर वाले इलाकों में वोटर लिस्ट लंबी हो रही थी, तब राजधानी कोलकाता में सिर्फ 4.6 प्रतिशत वोटर बढ़े। 2002 में कोलकाता में 23,00,871 मतदाता थे, जो बढ़कर सिर्फ 24,07,145 हो गए।

पश्चिम बंगाल के 10 जिलों में लाखों वोटर कैसे बढ़े, इस पर अब राजनीतिक घमासान जारी है। बीजेपी नेता राहुल सिन्हा का आरोप है कि बांग्लादेश से आए मुस्लिम घुसपैठियों ने राजनीतिक संरक्षण हासिल कर वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराया है। घुसपैठियों के कारण बॉर्डर से सटे 7 जिलों की डेमोग्राफी बदल गई है। दूसरी ओर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (TMC) का दावा है कि बांग्लादेश में उत्पीड़न से परेशान होकर हिंदू शरणार्थी भी बॉर्डर क्रॉस कर भारत आए हैं। टीएमसी प्रवक्ता अरूप चक्रवर्ती ने कहा कि बांग्लादेश के हिंदू शरणार्थी उत्पीड़न के कारण चीन नहीं गए, बल्कि असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में बस गए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी मुस्लिम को घुसपैठिया बताकर झूठे नैरेटिव गढ़ रही है।

तिरुपति लड्डू- जानवर की चर्बी मिलावटी घी से हवाला तक

मंदिर को 250 करोड़ का नुकसान, जगनमोहन के सांसद और मंदिर कमेटी पर सवाल

आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति देवस्थानम यानी TTD में चढ़ाए जाने वाले लड्डू प्रसाद पर विवाद बढ़ता जा रहा है। अब एसआईटी जांच में ये खुलासा हुआ है कि मंदिर के प्रसाद में बीते 5 साल के अंदर लगभग 68 लाख किलो मिलावटी घी का इस्तेमाल हुआ। इसे सप्लाई करने वाली उत्तराखंड की भोलेबाबा डेयरी ने 2019 से 2024 तक 250 करोड़ रुपए का नकली घी मंदिर को भेजा।

अब सवालों के घेरे में वो अधिकारी हैं, जिनकी निगरानी में ये पूरी गड़बड़ी पता चली। सीबीआई जांच के इस खुलासे से कई सवाल उठने लगे हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि TTD में क्या ऐसी कोई व्यवस्था ही नहीं थी, जिससे करोड़ों रुपए के इस महाघोटाले का समय रहते पता चल पाता? तिरुपति मंदिर के पवित्र लड्डू प्रसाद से लाखों-करोड़ों भक्तों की आस्था जुड़ी है। इससे मंदिर को हर साल 500 करोड़ का रेवेन्यू मिलता है। इसके साथ ही लड्डू बनाने के लिए सप्लाई किए गए मिलावटी घी के सिलसिले में 50 लाख रुपए के मनी ट्रेल की बात सामने आई है। ऐसे में सवाल है कि 5 साल तक आखिर ये घोटाला क्यों नहीं पकड़ा जा सका।

मिलावटी घी केस में सीबीआई के रडार पर TTD के पूर्व अधिकारी हैं। इसमें पहला नाम ट्रस्ट के पूर्व एग्जीक्यूटिव अफसर एवी धर्मा रेड्डी का है। धर्मा 2019 से 2024 तक ट्रस्ट में शामिल थे, जिस टाइमलाइन में मंदिर को मिलावटी घी भेजा गया। इन्हीं 5 सालों में घी की खरीद और गुणवत्ता जांच में भारी चूक सामने आई। खासतौर पर टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता न होने और मिलावटी घी को मंदिर के अंदर आने से रोका नहीं गया । धर्मा रेड्डी TTD के पुराने एडमिनिस्ट्रेशन में अहम हिस्सा थे। उन पर मंदिर के प्रसाद में क्वालिटी कंट्रोल के साथ घी, दूध और बाकी सामानों की खरीदारी की जिम्मेदारी थी। इन बातों को देखते हुए उनसे 11 और 12 नंवबर को 9 घंटे तक पूछताछ की गई। इस दरमियान धर्मा रेड्डी ने कुछ सवालों के खुलकर जवाब दिए, लेकिन कुछ पर चुप्पी साधे रखी। जब उनसे पूछा गया कि लड्डुओं में मिलावटी घी के इस्तेमाल की इजाजत क्यों दी गई तो उन्होंने दावा किया कि वो इस बारे में कुछ नहीं जानते, कौन सी चीजें खरीदनी हैं और क्या सामान मंदिर के अंदर जाएगा। ये सब 'हाई अथॉरिटी' का काम है। हालांकि जब अधिकारियों ने उनसे पूछा कि वो हाई अथॉरिटी कौन है? इस पर वे चुप रहे।'

SIT की पूछताछ में धर्मा रेड्डी के कार्यकाल की कई बड़ी कमियां उजागर हुईं। जांच में सामने आया कि लाखों किलो मिलावटी घी की सप्लाई के बावजूद TTD की लैब इसे पकड़ नहीं पाई। साथ ही सप्लायर का चुनाव, क्वालिटी चेक और लड्डू की मॉनिटरिंग में भी लापरवाही मिली है। लड्डू विवाद में सबसे बड़ा चेहरा YSRCP से राज्यसभा सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी हैं। इनके कार्यकाल में महाप्रसाद के घी में जानवरों की चर्बी का मुद्दा उठाया गया। मंदिर से जुड़े हवाला नेटवर्क के खुलासे के बाद TTD के पूर्व चेयरमैन सुब्बा रेड्डी को अब SIT नोटिस भेजने की तैयारी कर रही है।

2022 में लड्डू प्रसादम में इस्तेमाल होने वाले घी में मिलावट की शिकायतों के बाद TTD ने उत्तराखंड की भोलेबाबा डेयरी को ब्लैकलिस्ट कर दिया था। इसके बावजूद डेयरी मालिकों ने दूसरी डेयरी फर्मों के नाम पर टेंडर हासिल किए और घी की सप्लाई जारी रखी। इनमें वैष्णवी डेयरी (तिरुपति), माल गंगा डेयरी (उत्तर प्रदेश) और AR डेयरी फूड्स (तमिलनाडु) शामिल हैं। ये सब सुब्बा रेड्डी के चेयरमैन रहते हुए हुआ। बीते 31 अक्टूबर को CBI ने सुब्बा रेड्डी के पर्सनल असिस्टेंट चिन्नप्पन्ना को गिरफ्तार किया। उस पर घी सप्लाई के टेंडर में धांधली और कमीशन मांगने का आरोप है। सुब्बा रेड्डी के लोकसभा सांसद रहते हुए उनके PA चिन्नप्पन्ना ने हवाला एजेंट के जरिए 50 लाख रुपए की रकम हासिल की। इस खुलासे के बाद अब सुब्बा रेड्डी भी जांच एजेंसी की रडार पर हैं।

TTD लड्डू प्रसाद मिलावट केस की जांच में शामिल एक सीनियर अफसर कहते हैं, 'सुब्बा रेड्डी के निजी सहायक चिन्नप्पन्ना की गिरफ्तारी के बाद ये केस पूरी तरह से खुल गया है। अब ये मामला केवल आंध्र या साउथ तक ही नहीं, बल्कि इसके तार दिल्ली और यूपी से भी जुड़ रहे हैं। TTD के पूर्व अधिकारियों से पूछताछ और उनसे जुटाए गए सबूतों के आधार पर हमें लड्डू प्रसाद से जुड़े टेंडरिंग प्रोसेस में हवाला नेटवर्क का पता चला। इसकी जानकारी बड़े-बड़े अधिकारियों को भी थी।'

'सुब्बा रेड्डी के निजी सहायक चिन्नप्पन्ना को 50 लाख रुपए कैश मिले थे। ये रकम उसे हवाला एजेंट्स के जरिए दी गई थी, जो यूपी बेस्ड कंपनी एजी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने भेजी थी। चिन्नप्पन्ना ने दिल्ली में पटेल नगर मेट्रो स्टेशन के पास दो अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए 20 लाख रुपए एजेंट अमन गुप्ता से और बाकी पैसा प्रीमियर एग्री फूड्स के अधिकारी विजय गुप्ता से लिया था।'

चिन्नप्पन्ना से पूछताछ के आधार पर CBI जल्द ही TTD के पूर्व चेयरपर्सन सुब्बा रेड्डी को समन भेजने वाली है। साथ ही जांच एजेंसी ने रुड़की की भोलेबाबा डेयरी के निदेशकों पोमिल और विपिन जैन को एक बार फिर नोटिस जारी किया है। एजेंसी ने मिलावट में इस्तेमाल होने वाले एसिड और दूसरे केमिकल का पता लगाने और TTD में चिन्नप्पन्ना जैसे ही रिश्वत लेने वाले पूर्व अधिकारियों की पहचान करने को कहा है। आंध्र प्रदेश फूड सेफ्टी विभाग के मुताबिक पूरा फर्जीवाड़ा उत्तराखंड की भोलेबाबा डेयरी ने किया। जांच में सामने आया है कि इस कंपनी ने कभी भी न तो दूध खरीदा और न ही कभी मक्खन खरीदा, फिर भी ये TTD को घी सप्लाई करती रही।

DIG मुरली रंभा की टीम TTD के पूर्व अधिकारियों से पूछताछ कर रही है। पता चला है कि घी का टेंडर पाने के लिए भोलेबाबा डेयरी के पोमिल और विपिन जैन ने घी प्रोडक्शन की फर्जी यूनिट बनाई। यहां तक कि दोनों ने दूध-मक्खन की खरीद के नकली बिल भी बनाए। नकली घी का खुलासा कारोबारी अजय कुमार सुगंध की गिरफ्तारी के बाद हुआ। सुगंध लगभग 7 साल से भोलेबाबा डेयरी को मोनोग्लिसराइड्स, एसिटिक एसिड और एस्टर जैसे केमिकल भेज रहा था। इनका इस्तेमाल नकली घी बनाने में होता था।

2019 से 2022 तक भोलेबाबा डेयरी ने मंदिर को घी सप्लाई किया। जब 2022 में इसे ब्लैकलिस्ट किया गया तो कंपनी ने वैष्णवी, माल गंगा और AR डेयरी फूड्स नाम से फर्जी यूनिट्स बनाकर घी की सप्लाई जारी रखी। इस दौरान भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी को 250 करोड़, वैष्णवी डेयरी को 133 करोड़, माल गंगा डेयरी को 73 करोड़ और एआर डेयरी फूड्स को 1.6 करोड़ की रकम मिली।

नई सरकार में नया बिहार

राधा रमण

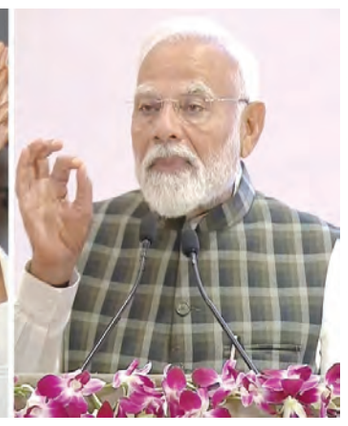

बाजीगर! जी हां, बाजीगर कहना ही सही होगा। जिसे चुनावी चक्रव्यूह में विपक्षी दलों के अलावा सहयोगी भी अंदरखाने घेरने में जुटे हों और वह सबको चकमा देकर अपनी पार्टी के 101 उम्मीदवारों में से 85 को जिता ले जाए और बिहार के इतिहास में सबसे ज्यादा बार मुख्यमंत्री बनने का रिकार्ड बना जाए तो उसे बाजीगर ही कहेंगे। आप ठीक समझ रहे हैं। हम बात बिहार के 10 वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नीतीश कुमार की कर रहे हैं। बिहार विधानसभा के 20 मई 1952 को अस्तित्व में आने के बाद से 18 बार चुनाव हो चुके हैं। इस दौरान कुल 23 लोगों ने मुख्यमंत्री पद को सुशोभित किया। इनमें 3- 3 बार डॉ श्रीकृष्ण सिंह, भोला पासवान शास्त्री और डॉ जगन्नाथ मिश्र और राबड़ी देवी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गौरतलब है कि इनमें डॉ श्रीकृष्ण सिंह अकेले ऐसे नेता रहे जो एक बार शपथ लेने के बाद आजीवन मुख्यमंत्री रहे। भोला पासवान शास्त्री, जगन्नाथ मिश्र और राबड़ी देवी समय-समय पर मुख्यमंत्री बनते रहे, लेकिन किसी ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया। कर्पूरी ठाकुर दो बार मुख्यमंत्री बने लेकिन दोनों शपथ ग्रहण के बीच अंतराल था। वह पहली बार 1970 में महज 163 दिन के लिए और दूसरी बार 1977 में एक साल 301 दिन के लिए मुख्यमंत्री रहे। लालू प्रसाद यादव ने एक बार अपना कार्यकाल पूरा किया लेकिन बहुचर्चित चारा घोटाले में घिर जाने के बाद उन्हें दूसरे कार्यकाल के बीच ही पद छोड़कर जेल जाना पड़ा। बाकी के मुख्यमंत्रियों दीप नारायण सिंह, विनोदानंद झा, कृष्ण वल्लभ सहाय, महामाया प्रसाद सिन्हा, सतीश प्रसाद सिंह, विन्देश्वरी प्रसाद मंडल, हरिहर सिंह, दारोगा प्रसाद राय, केदार पांडेय, अब्दुल गफूर, रामसुन्दर दास, चंद्रशेखर सिंह,

बिन्देश्वरी दूबे, भागवत झा आजाद, सत्येन्द्र नारायण सिन्हा और जीतनराम मांझी का कार्यकाल पांच साल से कम रहा। दीप नारायण सिंह 17 दिन और सतीश प्रसादसिंह तो महज 5 दिन के लिए मुख्यमंत्री बने। ऐसे में सर्वाधिक दिन तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड भी नीतीश कुमार के नाम ही है। हालांकि 3 मार्च 2000 को नीतीश कुमार भी महज 7 दिनों के लिए ही मुख्यमंत्री बने थे लेकिन पांच वर्ष बाद उन्होंने जोरदार वापसी की। फिर 8 साल 177 दिन लगातार मुख्यमंत्री रहे। 2014 में एनडीए से अलग होने के बाद लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा दे दिया और जीतनराम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया लेकिन मन मुताबिक काम नहीं होने के कारण 278 दिन बाद 22 फरवरी 2015 से लगातार मुख्यमंत्री हैं। इस दौरान दो बार महागठबंधन के सहयोग से सत्ता की कमान अपने हाथ में रखी। इसीलिए विरोधी उन्हें पलटूराम भी कहते हैं। हालांकि सियासत में पलटूराम सिर्फ नीतीश कुमार ही नहीं हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उनके पिता शकुनी चौधरी समेत कई नेता घाट-घाट का पानी पी चुके हैं। राजनीति में सबकुछ जायज है। चाल, चरित्र और चेहरा का कोई अर्थ नहीं रह गया है। नेता सुविधा के अनुसार सिद्धांत गढ़ते रहते हैं। जनता भी इसका बुरा नहीं मानती है। नई सरकार, नया आगाज राज्य में 18 वीं विधानसभा के गठन के बाद नई सरकार ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में अपना कामकाज संभाल लिया है। नई सरकार में नीतीश के अलावा 26 मंत्रीबनाए गए हैं। इनमें सबसे अधिक भाजपा के दो उप मुख्यमंत्रियों समेत 14 मंत्री,जदयू के 8 मंत्री, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के दो मंत्री और हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के 1-1 मंत्री शामिल हैं। मंत्रिमंडल में अभी 10 स्थान खाली रखा गया है, जिसे बाद में आवश्यक होने पर भरा जाएगा। परिवारवाद से परहेज नहीं परिवारवाद के खिलाफ अभियान चलाती रही भाजपा और एनडीए के नेताओं ने नई सरकार में जमकर परिवारवाद का पोषण किया है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी के पुत्र हैं तो पहली बार मंत्री बनीं श्रेयसी सिंह पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह की पुत्री हैं।

रमा निषाद पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी हैं तो संजय सिंह टाइगर पूर्व विधायक धर्मपाल सिंह के भाई हैं। जदयू कोटे से मंत्री बने अशोक चौधरी पूर्व मंत्री महावीर चौधरी के बेटे हैं तो लेसी सिंह समता पार्टी के नेता रहे मधुसूदन सिंह की पत्नी हैं। इसी तरह विजय चौधरी पूर्व विधायक जगदीश प्रसाद चौधरी के पुत्र हैं। मंत्री सुनील कुमार पूर्व मंत्री चन्द्रिका राम के बेटे हैं। जीतनराम मांझी तो परिवारवाद के पुरोधा बन गए हैं। उन्हें आवंटित छह सीटों में से 4 पर उन्होंने अपने परिजनों को चुनाव लड़ा लिया था। एनडीए की सुनामी में चारों – समधिन, बहू, भतीजा और दामाद चुनाव जीत भी गए। उन्होंने अपने कोटे से विधान परिषद् सदस्य बेटे संतोष कुमार सुमन को मंत्री बनाया है। अब बचे राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा। इस बार के चुनाव में उनकी पत्नी स्नेहलता कुशवाहा विधायक बनी हैं। लेकिन उन्होंने अपने बेटे दीपक प्रकाश को अपने कोटे से मंत्री बनाया है। दीपक फिलहाल किसी सदन के सदस्य नहीं हैं। सूत्रों के अनुसार,चुनाव पूर्व हुई डील के मुताबिक दीपक को भविष्य में विधान परिषद् का सदस्य बनाया जाएगा। भ्रष्टाचार नहीं कोई मुद्दा विधानसभा चुनाव में लालू यादव के भ्रष्टाचार को लेकर प्रधानमंत्री, गृहमंत्री से लेकर एनडीए के तमाम नेताओं ने जोर-शोर से हमला बोला था। लेकिन जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी, दिलीप जायसवाल, मंगल पाण्डेय और अशोक चौधरी पर जो आरोप लगाये थे, उस पर किसी ने कुछ नहीं बोला। यहां तक कि आरोपित नेताओं ने भी मुंह बंद कर लिया। यहां तक कि प्रशांत के आरोपों पर सफाई मांगने वाले पूर्व केन्द्रीय मंत्री राज कुमार सिंह (आर के सिंह) को चुनावपरिणाम आते ही भाजपा ने पार्टी से निकाल दिया।

अब नीतीश कुमार ने न जाने किस दबाव में आरोपित नेताओं को अपनी कैबिनेट में शामिल कर लिया। यह वहीनीतीश हैं जिन्होंने तेजस्वी पर आरोप लगने मात्र से महागठबंधन से नाता तोड़ लिया था और इस्तीफा दे दिया था। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार राज्य के 12 मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आगे की चुनौतियां विधानसभा चुनाव के दौरान बिहार सरकार ने जमकर रेवड़ियां बांटी थी। 125 यूनिट मुफ्त बिजली दिया। एक करोड़ महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये डाले। जीविका दीदियों को 10 हजार अलग से दिये।

दिहाड़ी मजदूरों को कपड़ा खरीदने के लिए 5 हजार रुपये दिये। रिटायर पत्रकारों का पेंशन 15 हजार कर दिया। वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाया। छह माह बाद एक करोड़ महिलाओं को रोजगार के लिए दो-दो लाख कर्ज देने का वादा किया। इससे राज्य के खजाने पर करीब 40 हजार करोड़ का बोझ बढ़ा। बिहार की माली हालत पहले से खराब है। राज्य सरकार को प्रतिदिन करीब 63 करोड़ रुपये व्याज के देने पड़ते हैं। राज्य का कुल बजट 3 लाख 16 हजार करोड़ का है। ऐसे में नई सरकार के समक्ष चुनौतियां बड़ी हैं। देखना होगा कि सरकार आगे का रास्ता कैसे तय करती है।

25 नवंबर को राम मंदिर पर धर्मध्वज फहराने की तैयारी पूरी

अयोध्या में श्री राम के भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के पावन आयोजन के बाद अब एक और महत्वपूर्ण क्षण आने वाला है, जिसका सभी भक्तों को बेसब्री से इंतजार है। 25 नवंबर 2025 को मंदिर के सर्वोच्च शिखर पर धर्म ध्वज का आरोहण किया जाएगा। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार यह ध्वजारोहण विवाह पंचमी के शुभ दिन संपन्न होगा। मंदिर पर ध्वज लगाना सनातन परंपरा में अत्यंत पवित्र कार्य माना गया है। शिखर पर लगा ध्वज भगवान की उपस्थिति का संकेत देता है और दूर से ही भक्तों को यह संदेश देता है कि यह स्थान दिव्यता से भरपूर है।

दिव्य ऊर्जा का वाहक

मान्यता है कि मंदिर का शिखर, उस जगह का सबसे ऊंचा बिंदु होता है, जहां से ब्रह्मांडीय ऊर्जा सबसे पहले प्रवेश करती है। ध्वज इस दिव्य शक्ति और गर्भगृह में मौजूद ईश्वर की ऊर्जा के बीच एक माध्यम की तरह कार्य करता है। यही कारण है कि शिखर पर लगा ध्वज लगातार लहराते हुए पूरे परिसर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

मंदिर निर्माण पूर्ण होने का प्रतीक

किसी भी मंदिर पर ध्वज फहरना यह दर्शाता है कि उसका निर्माण अब पूर्ण हो चुका है और वह आध्यात्मिक रूप से सक्रिय माना गया है। राम मंदिर पर धर्म ध्वज का आरोहण इस महान निर्माण यात्रा के पूर्ण होने की घोषणा होगी, जो करोड़ों लोगों की वर्षों पुरानी प्रतीक्षा का अंत और उनके विश्वास का सम्मान भी है।

आस्था की विजय का क्षण

राम मंदिर के शिखर पर लहराता केसरिया ध्वज उन संघर्षों, बलिदानों और भक्तों की अविचल श्रद्धा का प्रतीक बनेगा, जो पीढ़ियों तक चली। यह क्षण धर्म, सत्य और सांस्कृतिक गौरव की विजय का प्रतीक होगा। यह ध्वज भावनाओं और आस्था का स्वरूप बनकर शिखर पर स्थापित होगा।

राम मंदिर का धर्म ध्वज कैसा होगा ?

राम मंदिर के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया ध्वज केसरिया रंग का होगा, जिसे हिंदू धर्म में त्याग, तप और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इस पर सूर्य देव का चिन्ह अंकित रहेगा, क्योंकि भगवान श्री राम सूर्यवंश से हैं और सूर्य शक्ति, तेज और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

ध्वज शिखर पर ही क्यों लगाया जाता है

मंदिर के शिखर पर ध्वज लगाने की परंपरा अत्यंत प्राचीन और शास्त्रों में वर्णित है। कहा गया है कि ध्वज देवता की महिमा और प्रतिष्ठा को दर्शाता है। यह मंदिर की ऊंचाई के साथ भक्तिभाव की ऊंचाई भी प्रकट करता है। ध्वज लहरने से पूरे मंदिर परिसर में दिव्य ऊर्जा फैलती है।

अगर आपके घर में भी अक्सर रहती है धन की तंगी तो धारण करें ये चमत्कारी रत्न

आपको भी अक्सर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है? या आपको अक्सर महसूस होता है कि आपके घर में भी पैसों को लेकर परेशानी बनी रहती है तो ये आलेख आपके लिए है। धन की कमी से जूझ रहे लोगों के लिए ज्योतिष शास्त्र में कई उपाय बताए गए हैं। इनमें से रत्नधारण एक प्रभावी और प्राचीन उपाय माना गया है। सही रत्न चुनने से न केवल आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं, बल्कि भाग्य भी चमकता है। आइए जानते हैं कुछ ऐसे अद्भुत रत्नों के बारे में जो आपकी आर्थिक परेशानियों का बन सकते हैं इलाज।

गोल्डन जेमः धन आकर्षित करने वाला रत्न

गोल्डन जेम को सौभाग्य और धन-संपत्ति का प्रतीक माना जाता है। इसे धारण करने से आर्थिक बाधाएं दूर होती हैं और व्यक्ति को अपने करियर और व्यवसाय में सफलता मिलती है। गोल्डन जेम को धारण करने का सही समय और विधि जानने के लिए किसी ज्योतिषी की सलाह लें।

मुख्य फायदेः

धन की वृद्धि

आत्मविश्वास में सुधार

करियर में प्रगति

ग्रीन जेड स्टोनः स्थिरता और समृद्धि का स्रोत

ग्रीन जेड स्टोन को चीन और भारत में समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे पहनने से जीवन में स्थिरता आती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

मुख्य फायदेः

वित्तीय स्थिरता

स्वास्थ्य में सुधार

मानसिक शांति

टाइगर स्टोनः आत्मविश्वास और साहस बढ़ाने वाला रत्न

टाइगर स्टोन को साहस और आत्मविश्वास का रत्न कहा जाता है। यह आर्थिक निर्णयों में स्पष्टता और सफलता लाने में मदद करता है।

मुख्य फायदेः

आत्मबल में वृद्धि

जोखिम लेने की क्षमता

नई अवसरों की प्राप्ति

माक्षिक रत्नः दुर्भाग्य को दूर करने वाला रत्न

माक्षिक रत्न को 'धन का चुंबक' कहा जाता है। यह धन के आगमन में बाधाओं को दूर करता है और व्यापार में उन्नति दिलाता है। इसे अपने कार्यस्थल पर रखने से भी लाभ मिलता है।

ग्रीन एवेंचुरिनः सकारात्मकता और समृद्धि का रत्न

ग्रीन एवेंचुरिन एक शक्तिशाली रत्न है जो वित्तीय मामलों में शुभता लाने के लिए जाना जाता है। इसे अक्सर 'अवसर का रत्न' कहा जाता है।

मुख्य फायदेः

नई संभावनाओं को आकर्षित करना

धन और स्वास्थ्य में सुधार

तनाव से मुक्ति

सही रत्न का चुनाव और सही तरीके से धारण करना आपकी आर्थिक तंगी को दूर कर सकता है। हालांकि, किसी भी रत्न को धारण करने से पहले अनुभवी ज्योतिषी से सलाह लेना जरूरी है। रत्नों की शक्ति तभी प्रभावी होती है जब उन्हें उचित विधि से धारण किया जाए।

वास्तु के अनुसार यदि नहीं है शौचालय तो राहु होगा सक्रिय

वास्तु शास्त्र के अनुसार शौचालय का सही स्थान बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह घर की ऊर्जा को प्रभावित करता है। यदि शौचालय गलत दिशा में बना है, तो राहु की नकारात्मक ऊर्जा को सक्रिय करने का खतरा रहता है, जो जीवन में विभिन्न प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकता है। लेकिन यदि आप वास्तु के कुछ उपायों को अपनाते हैं, जैसे शौचालय के रंग, दिशा, और अन्य छोटे-छोटे बदलाव, तो आप राहु के प्रभाव को कम कर सकते हैं और जीवन को सकारात्मक बना सकते हैं।

* **वास्तु के अनुसार सही दिशाः** वास्तुशास्त्र में शौचालय को आमतौर पर वायव्य कोण (उत्तर-पश्चिम) या दक्षिण-पश्चिम दिशा में बनाने की सलाह दी जाती है, क्योंकि ये दिशाएं विसर्जन और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए उपयुक्त मानी जाती हैं।

* **राहु का प्रभावः** राहु ग्रह को छाया ग्रह, रहस्य, भ्रम, अपशिष्ट, गंदगी और अचानक आने वाली समस्याओं का कारक माना जाता है। शौचालय से निकलने वाली नकारात्मक ऊर्जा को राहु की ऊर्जा माना जाता है।

2. 'शौचालय का न होना' या 'गलत जगह होना' और राहु की सक्रियताः जब शौचालय की व्यवस्था उचित नहीं होती या वह अनुपस्थित होता है, तो घर की ऊर्जा का संतुलन बिगड़ जाता हैः

* **शौचालय का न होनाः** यदि घर में शौचालय की व्यवस्था नहीं है, तो यह सीधे तौर पर एक अस्वच्छता और अव्यवस्थित ऊर्जा को दर्शाता है, जिसे राहु तुरंत आकर्षित करता है और अपनी नकारात्मकता से भर देता है।

* **गलत दिशा में शौचालयः** यदि शौचालय ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) या ब्रह्मस्थान (घर का केंद्र) में है, तो यह सबसे बड़ा वास्तु दोष है। यह दिशाएं सकारात्मक ऊर्जा, पवित्रता और ज्ञान की होती हैं। यहां शौचालय होने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह अवरुद्ध होता है और राहु की नकारात्मकता हावी हो जाती है।

3. राहु की सक्रियता के नकारात्मक परिणामः जब राहु इस वास्तु दोष के कारण सक्रिय होता है, तो निम्नलिखित समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैंः

* **स्वास्थ्य समस्याएंः** अचानक, लंबे समय तक चलने वाली या ऐसी स्वास्थ्य समस्याएं जिनका निदान मुश्किल हो (राहु का भ्रम)।

* **मानसिक तनाव और भ्रमः** परिवार के सदस्यों में मानसिक अशांति, अत्यधिक चिंता, भय और गलत निर्णय लेने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।

* **सामाजिक बदनामीः** राहु अप्रत्याशित अपमान, बदनामी या कानूनी समस्याओं का कारण बन सकता है।

* धन का अपव्ययः व्यर्थ के कार्यों या अचानक बड़े खर्चों में धन का नुकसान होता है।

कैसे एक कैद तोता बन गया आज़ादी का प्रतीक

एक संत रोज रानी के पास कथा कहता था। अंत में सबको बोलता था, “राम कहें तो बंधन टूटे।” सब यही कहते थे, पर तोता पिंजरे में से कहता, “यूं मत कहो रे पंडित झूठे।” पंडित को क्रोध आता कि सब क्या सोचेंगे। वह अपने गुरु के पास गया और सब हाल बताया।

गुरु तोते के पास गया और पूछा, “तुम ऐसा क्यों कहते हो ?” तोते ने कहा, “मैं पहले उड़ता रहता था। एक जगह संत के पास मैंने राम सुना, संत ने मुझे पकड़ कर पिंजरे में रखा, फिर श्लोक पढ़ना सिखाया तो सेठ ने मुझे खरीद लिया और चांदी के पिंजरे में रखा। मेरा तो बंधन बढ़ता गया। मैं कैसे कहूं ‘राम कहे तो बंधन छूटे’।”गुरु ने कहा, “आज तुम चुपचाप सो जाओ हिलना भी नहीं। रानी समझेगी मर गया और छोड़ देगी।” ऐसा ही हुआ। दूसरे दिन सत्संग हुआ, तोता वहां नहीं था, संत ने आराम की सांस ली। सब खत्म हुआ तो तोता कह उठा, “सत्गुरु मिले तो बंधन छूटे।” तोता ऊपर आजादी में था।

> हमारे विचार शुद्ध हों, संकल्प दृढ़ और सोच सकारात्मक हो,
> हमारा मन ही बंधन और मोक्ष का कारण है। यदि हमारे विचार शुद्ध हैं, संकल्प दृढ़ है और सोच सकारात्मक है, तो सफलता स्वयं हमारी ओर आकर्षित होती है। जीवन में सिद्धियां सहज प्राप्त हो सकती हैं, इसके लिए आवश्यक है कि हम अपने भीतर एक श्रेष्ठ संकल्प जगाएं और मन को स्वस्थ, प्रसन्न, संतुलित रखें। मन के भ्रम-भय, संशय, तनाव से दूर रहें।

अहंकार से दिया दान क्यों होता है मिट्टी समान ?

एक व्यक्ति बहुत धनवान था लेकिन जितना पैसा उसके पास था, उतना धैर्य नहीं था। किसी को एक पैसा देता तो सैंकड़ों-हजारों के गीत गाता था। एक दिन उसे पता चला कि शहर में एक बड़े महात्मा आए हैं। उसने सोचा कि उनसे मिलकर उन्हें कुछ भेंट करना चाहिए। वह उनके पास जा पहुंचा। अभिवादन के बाद महात्मा ने उससे आने का प्रयोजन पूछा तो पहले तो उसने अपने ऐश्वर्य का बखान किया, फिर अपनी दानशीलता की प्रशंसा की। अपनी प्रशंसा के बाद उस आदमी ने एक थैली निकालकर महात्मा के सामने रखी और बोला, ‘‘मैंने सोचा कि आपको पैसे की तंगी रहती होगी इसलिए यह लेता आया। यह पूरी एक हजार मोहरे हैं।’’ ऐसा कहते हुए उसकी आंखों में अभिमान भी उभर आया। महात्मा ने थैली को एख और सरकाते हुए कहा, ‘‘मुझे तुम्हारे पैसे की नहीं, तुम्हारी जरूरत है।’’ यह सुनकर धनवान दुखी हो गया।

आखिर महात्मा की हिम्मत कैसे हुई जो उसकी दी हुई भेंट उन्होंने ठुकरा दी। उसका अभिमान और बढ़ गया। महात्मा उसकी यह अवस्थ देखकर बोले, ‘‘क्यों तुम्हें बुरा लगा न।’’ धनिक ने कहा, ‘‘बुरा

लगने की तो बात ही है, इतनी बड़ी रकम को आपने ऐसे ठोकर मार दी जैसे यह मिट्टी हो।’’

यह सुनकर महात्मा ने जवाब दिया, ‘‘सेठ याद रखो, अहंकार के साथ दिया गया दान मिट्टी के बराबर होता है। दूसरे का हिस्सा तुमने ले लिया है। उसे लौटाते हो तो इसमें अभिमान का अवसर कहां रहता है? यह तो चोरी का प्रायश्चित है।’’ यह सुनकर धनिक को अपनी गलती का एहसास हो गया।

महाभारत के 9 ऐसे श्राप जिन्होंने बदल दिया पूरा इतिहास

महाभारत के श्रापः महाभारत काल में वरदानों ने जितना घटनाक्रम को संचालित किया उससे कहीं ज्यादा श्रापों ने भविष्य में होने वाली घटनाओं को संचालित किया। आज हम आपको बताएंगे ऐसे प्रमुख 9 श्रापों या शापों के संबंध में जिनकी चर्चा खूब होती है और जिनके कारण इतिहास में घटनाक्रमों की एक श्रंखला ही निर्मित हो गई।

गांधारी का श्रीकृष्ण को श्राप : महाभारत के युद्ध के बाद जब भगवान श्रीकृष्ण गांधारी को सांत्वना देने पहुंचे तो अपने पुत्रों का विनाश देखकर गांधारी ने श्रीकृष्ण को श्राप दिया कि जिस प्रकार पांडव और कौरव आपसी फूट के कारण नष्ट हुए हैं, उसी प्रकार तुम्हारे बंधु-बांधवों भी नष्ट हो जाएंगे। आज से छत्तीसवें वर्ष तुम अपने बंधु-बांधवों व पुत्रों का नाश हो जाने पर एक साधारण कारण से अनाथ की तरह मारे जाओगे।

श्रीकृष्ण का अश्वत्थामा को श्रापः महाभारत युद्ध के अंत समय में जब अश्वत्थामा ने धोखे से पाण्डव पुत्रों का वध कर दिया और अश्वत्थामा ने पाण्डवों पर ब्रह्मास्त्र का वार किया। ये देख अर्जुन ने भी अपना ब्रह्मास्त्र छोड़ा। महर्षि व्यास ने दोनों अस्त्रों को टकराने से रोक लिया और अश्वत्थामा और अर्जुन से अपने-अपने ब्रह्मास्त्र वापस लेने को कहा। तब अर्जुन ने अपना ब्रह्मास्त्र वापस ले लिया, लेकिन अश्वत्थामा ये विद्या नहीं जानता था। इसलिए उसने अपने अस्त्र की दिशा बदलकर अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ की ओर कर दी। यह देख भगवान श्रीकृष्ण ने अश्वत्थामा को श्राप दिया कि तुम तीन हजार वर्ष तक इस पृथ्वी पर भटकते रहोगे और किसी भी जगह, किसी पुरुष के साथ तुम्हारी बातचीत नहीं हो सकेगी। तुम्हारे शरीर से पीब और लहू की गंध निकलेगी। इसलिए तुम मनुष्यों के बीच नहीं रह सकोगे। दुर्गम वन में ही पड़े रहोगे।

द्रौपदी का घटोत्कच को श्रापः मान्यता अनुसार जब घटोत्कच पहली बार अपने पिता भीम के राज्य में आया तो अपनी मां (हिडिम्बा) की आज्ञा के अनुसार उसने द्रौपदी को कोई सम्मान नहीं दिया। द्रौपदी को अपमान महसूस हुआ और उसे बहुत गुस्सा आया। वह उस पर चिल्लाई कि वह एक विशिष्ट स्त्री है, वह युधिष्ठिर की रानी है, वह ब्राह्मण राजा की पुत्री है तथा उसकी

प्रतिष्ठा पांडवों से कहीं अधिक है। और उसने अपनी दुष्ट राक्षसी मां के कहने पर बड़ों, ऋषियों और राजाओं से भरी सभा में उसका अपमान किया है। जा दुष्ट तेरा जीवन बहुत छोटा होगा तथा तू बिना किसी लड़ाई के मारा जाएगा। यदि यह श्राप नहीं होता तो घटोत्कच अकेला ही कौरव सेना का नाश कर देता।

अम्बा का शापः सत्यवती शांतनु के पुत्र विचित्रवीर्य के युवा होने पर भीष्म ने बलपूर्वक काशीराज की 3 पुत्रियों का हरण कर लिया और वे उसका विवाह विचित्रवीर्य से करना चाहते थे, क्योंकि भीष्म चाहते थे कि किसी भी तरह अपने पिता शांतनु का कुल बढ़े। लेकिन बाद में बड़ी राजकुमारी अम्बा को छोड़ दिया गया, क्योंकि वह शाल्वराज को चाहती थी, लेकिन शाल्वराज के पास जाने के बाद अम्बा को शाल्वराज ने स्वीकार करने से मना कर दिया। अम्बा को परशुराम भी न्याय नहीं दिला पाए। बाद में अंबा ने अपनी देह त्यागते वक्त बहुत ही द्रवित होकर भीष्म को कहा कि 'तुमने मेरा जीवन बर्बाद कर दिया और अब मुझसे विवाह करने से भी मना कर रहे हो। मैं निस्सहाय स्त्री हूं और तुम शक्तिशाली। तुमने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया। मैं तुम्हारा कुछ भी नहीं बिगाड़ सकती, लेकिन मैं पुरुष के रूप में दोबारा जन्म लूंगी और तब तुम्हारे अंत का कारण बनूंगी।' गौरतलब है कि यही अम्बा प्राण त्यागकर शिखंडी के रूप में जन्म लेती है और भीष्म की मृत्यु का कारण बन जाती है।

पांडु को दिया ऋषि ने शापः भीष्म की प्रतिज्ञा के बाद कुरुवंश का इतिहास बदल गया। धृतराष्ट्र के अंधे होने के कारण पांडु को हस्तिनापुर का शासक बनाया गया। एक बार राजा पांडु अपनी दोनों रानियों कुंती और माद्री के साथ आखेट कर रहे थे कि तभी उन्होंने मृग होने के भ्रम में बाण चला दिया, जो एक ऋषि को जाकर लगा। उस समय वह ऋषि अपनी पत्नी के साथ सहवास कर रहे थे और उसी अवस्था में उन्हें बाण लग गया इसलिए उन्होंने पांडु को श्राप दे दिया कि जिस अवस्था में उनकी मृत्यु हो रही है उसी प्रकार जब भी पांडु अपनी पत्नियों के साथ सहवासरत होंगे तो उनकी भी मृत्यु हो जाएगी। उस समय पांडु की कोई संतान नहीं थी। अब उनके लिए यह संकट की बात हो गई थी। जब उन्होंने यह बात कुंती को बताई तो कुंती ने उन्हें ऋषि दुर्वासा द्वारा उनको मिले वरदान की बात कही। इस वरदान से कुंती किसी भी देवता का आवाहन कर उन्हें बुलाकर उनके साथ 'नियोग' कर सकती थी।

विवाह पूर्व उन्होंने सूर्यदेव का आवाहन किया था जिसके चलते 'कर्ण' का जन्म हुआ था लेकिन कुंती ने लोक-लज्जा के कारण उसे नदी में बहा दिया था।... पांडु मान गए तब कुंती ने एक-एक कर कई देवताओं का आवाहन किया। इस प्रकार माद्री ने भी देवताओं का आवाहन किया। तब कुंती को तीन और माद्री को दो पुत्र प्राप्त हुए जिनमें युधिष्ठिर सबसे ज्येष्ठ थे। कुंती के अन्य पुत्र थे भीम और अर्जुन तथा माद्री के पुत्र थे नकुल व सहदेव। कुंती ने धर्मराज, वायु एवं इंद्र देवता का आवाहन किया था तो माद्री ने अश्विन कुमारों का। बाद में पांडु ने जब अपनी पत्नियों से सहवास किया तो वे मृत्यु को प्राप्त हो गए। फिर धृतराष्ट्र को सिंहासन मिला।

'दृश्यम 3' की कहानी क्या होगी? हिंदी में भी रिलीज होगी फिल्म

'दृश्यम' फ्रेंचाइजी ने दर्शकों के दिल और दिमाग पर कैसा जादू चलाया है, यह बताने की जरूरत नहीं है। मूल रूप से मलयालम में बनी इस फिल्म के हिंदी रीमेक ने भी हर किसी को दीवाना बनाया। अब हर किसी को 'दृश्यम 3' का इंतजार है। मोहनलाल स्टारर मलयालम फिल्म के डायरेक्टर जीतू जोसेफ इस क्राइम थ्रिलर ड्रामा के मास्टरमाइंड हैं। उन्होंने पहले ही साफ कर दिया है कि वह इस बार 'दृश्यम 3' को मलयालम के साथ-साथ सिनेमाघरों में हिंदी में भी रिलीज करेंगे। अब जीतू ने फिल्म की कहानी को लेकर बड़ा हिंट दिया है। उन्होंने बताया है कि जॉर्जकुट्टी की कहानी तीसरे पार्ट में कौन सी करवट लेने वाली है।

मोहनलाल, मीना, अंसिबा हसन और एस्थर अनिल स्टारर 'दृश्यम 3' पहले से ही बहुत चर्चा में है। जीतू जोसेफ कहते हैं कि फिल्म का नई किस्त अपना रास्ता खुद बनाएगी। 'इंडियन एक्सप्रेस' से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैंने अब तक सिर्फ एक ही फ्रेंचाइज बनाई है और वह है दृश्यम। मैंने इसके लिए एक ऑर्गेनिक तरीका इस्तेमाल किया है। 'दृश्यम' के बाद 'दृश्यम 2' के साथ भी ऐसा ही था, और अब 'दृश्यम 3' के साथ भी ऐसा ही होगा।'

'मेरा फोकस सिर्फ जॉर्जकुट्टी और उसके परिवार पर'

जीतू जोसेफ ने आगे कहा, 'दृश्यम पार्ट 3 की घोषणा के बाद, कई लोगों ने कहा कि 'दृश्यम 2' की स्क्रिप्ट कमाल की थी और अब 'दृश्यम 3' के उससे बेहतर की उम्मीद करते हैं। मैंने कुछ इंटरव्यू में ऐसी बातों का जवाब दिया कि मेरा फोकस सिर्फ जॉर्जकुट्टी और उसके परिवार पर है।

मैं यह बात पर ध्यान दे रहा हूं कि पार्ट 2 के बाद छह या सात साल में उनकी जिंदगी में क्या हो सकता था। पर मैं जानबूझकर, जबरन 'दृश्यम 2 से बेहतर स्क्रिप्ट लिखने की कोशिश नहीं कर रहा हूं।'

'जब घटना हुई तब अनु बच्ची थी, लेकिन अब बड़ी हो गई'

डायरेक्टर ने यह भी बताया कि समय के साथ फिल्म के किरदार कैसे बदले हैं, उन्होंने कहा, 'मैंने जॉर्जकुट्टी की कुछ बुनियादी खूबियां बनाए रखी हैं, क्योंकि वे किरदार के लिए जरूरी थीं। यही बात परिवार में सभी लोगों पर भी लागू होती है, जिसमें रानी (मीना) और बच्चे, अंजू (अंसिबा) और अनु (एस्थर) शामिल हैं। बच्चों के कैरेक्टर खासकर लगातार बदल रहे हैं। जब यह घटना हुई थी तब अनु सिर्फ एक बच्ची थी, लेकिन अब बड़ी हो गई है।'

जीतू बोले- अब जॉर्जकुट्टी के पड़ोसियों को होने लगी है शंका

जीतू जोसेफ ने यह भी बताया कि जॉर्जकुट्टी और उसके परिवार के आसपास की दुनिया भी वक्त के बदल रही है। आस-पास का माहौल और लोग बदल गए हैं। पहले पार्ट में, उसके आसपास के लोग मानते थे कि जॉर्जकुट्टी बेगुनाह है। हालांकि, पार्ट 2 में उनमें से कई ऐसे थे जो यह शंका जाहिर करने लगे कि 'नहीं, कुछ और बात है।' उनका नजरिया बदल गया। वह कहते हैं, 'मैंने पार्ट 3 में भी ऐसा ही ऑर्गेनिक तरीका अपनाया है। यह कभी ऐसा नहीं था कि पार्ट 2 हिट हो गया है, इसलिए मैं पार्ट 3 को हिट बनाने के लिए ऐसा-ऐसा करूंगा।'

'दृश्यम' और 'दृश्यम 2' से अलग होगी 'दृश्यम 3' की कहानी

जीतू आखरि में कहते हैं कि 'दृश्यम' फ्रैंचाइजी के लिए उनका तरीका इस बात पर आधारित है कि जॉर्जकुट्टी के परिवार और उनकी जिंदगी में असल में क्या हो सकता था। जब 'दृश्यम पार्ट 3' रिलीज होगी, तब दर्शक इस बात को समझ जाएंगे। जैसे 'दृश्यम 2' पहली वाली फिल्म से अलग थी, वैसे ही 'दृश्यम 3' भी इसके पार्ट 2 जैसी नहीं होगी।'

'अमिताभ पछता रहे होंगे' रेखा का पोज देख खुली रह गई आंखें

हेलन का बर्थडे मनाने आशा पारेख, वहीदा रहमान भी पहुंचीं

डांसिंग डिवा हेलेन 21 नवंबर को 87 साल की हो गईं और इस खास मौके पर उनका परिवार जश्न मना रहा है। उनके करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य मुंबई में एक भव्य जन्मदिन पार्टी के लिए इकट्ठा हुए। हेलेन मुस्कुराते हुए पहुंचीं और नमस्ते करते हुए पत्रकारों का अभिवादन किया। सलीम खान भी पार्टी में जाते नजर आए। इस बीच दिग्गज अदाकारा रेखा भी मौजूद थीं। पूरी पार्टी में केवल उनपर ही नजरें थमी थीं। रेखा ने ऐसा अंदाजा दिखाया कि हर कोई उनका दीवाना हो गया।

हेलेन बैंगनी रंग के चूड़ीदार सूट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं जब वह अपनी कार से उतरीं और फोटोग्राफर्स के सामने तस्वीरें खिंचवाईं। हेलेन ने हाथ उठाकर, मुस्कुराकर और हाथ हिलाकर अभिवादन किया। उन्होंने जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए शुक्रिया भी कहा और फिर कुछ सेकंड बाद अंदर चली गईं। उनके कुछ ही देर बाद सलीम खान भी आ गए।

रेखा का अंदाज हटके

इस दौरान, उनकी करीबी दोस्त रेखा भी मौजूद थीं। रेखा ने काले रंग का जंपसूट पहना था, जिसके साथ उन्होंने नीली जैकेट और अपने स्टाइलिश काले चश्मे पहने थे। उन्होंने तस्वीरों के लिए पोज भी दिए और एक फोटोग्राफर से कैमरा भी लिया ताकि उनके लिए एक तस्वीर खींची जा सके। रेखा जिस तरीके से खड़ी हुईं और पोज दिया, लोगों का कहना है कि जान-बूझकर वो अमिताभ बच्चन के स्टाइल में खड़ी हो रही थीं।

रेखा को देख क्या बोले फैंस

रेखा का ये वीडियो काफी फनी भी है। वो चुलबुले अंदाज में हमेशा की तरह खुश लग रही थीं लेकिन वीडियो पर लोगों ने जो कमेंट किए वो काफी मजेदार थे। एक ने लिखा- अमित जी को पछतावा हो रहा होगा। एक यूजर ने कमेंट किया- जया बच्चन से लाख गुना अच्छी हैं। हेलेन के बर्थडे में वहीदा रहमान और आशा पारेख भी पहुंचीं।

तेलुगु सिनेमा में बॉलीवुड का जलवा, प्रियंका से शनाया तक; फिल्मों में दिखेगा एक्शन-रोमांस और हॉरर का तड़का

साउथ इंडियन सिनेमा, खासकर तेलुगु फिल्में, हमेशा से अपनी भव्यता और मजबूत कहानियों के लिए मशहूर रही हैं। लेकिन अब इसमें बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियां भी शामिल हो गई हैं। 2025 में कई बॉलीवुड अभिनेत्रियां तेलुगु फिल्मों में एक्शन से भरी रोमांस वाली कहानियां लेकर आ रही हैं। इनमें डरावनी हॉरर स्टोरी भी शामिल हैं।

प्रियंका चोपड़ा की 'वाराणसी'

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस तेलुगु सिनेमा में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही है, जो 2027 में रिलीज होगी। यह एक टाइम-ट्रैवल फिल्म है, जिसमें समय यात्रा, एक्शन और रोमांस का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा। प्रियंका इसमें मंदाकिनी का किरदार निभा रही हैं, जो एक मजबूत और रहस्यमयी महिला है। महेश बाबू फिल्म में 'रुद्र' और पृथ्वीराज सुकुमारन 'कुम्भा' के किरदार में नजर आएंगे।

राशा थडानी की 'AB4'

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी, जो बॉलीवुड में 'आजाद' से डेब्यू कर चुकी हैं, अब तेलुगु सिनेमा में डेब्यू की तैयारी कर रही हैं। उनकी पहली तेलुगु फिल्म का अस्थाई नाम 'AB4' है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह एक इंटेंस लव स्टोरी हो सकती है, जिसमें रोमांस के साथ थोड़ा एक्शन भी देखने को मिलेगा। डायरेक्टर अजय भुपाथी 'आरएक्स 100' जैसी हिट फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। राशा इसमें मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

तमन्ना भाटिया की 'वीवन'

तमन्ना भाटिया, जो पहले से ही तेलुगु हिट्स जैसे 'बाहुबली' से काफी लोकप्रियता हासिल कर चुकी हैं, अब एक नई डरावनी कहानी लेकर आ रही हैं। फिल्म 'वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' उर्फ 'वीवन', जंगल की डरावनी थ्रिलर कहानी है, जिसमें जंगल, मिथोलॉजी और हॉरर का मिश्रण है। इस फिल्म में तमन्ना के अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन दीपक मिश्रा कर रहे हैं।

शनाया कपूर की 'वृषभ'

फैंटसी एक्शन फिल्म 'वृषभ' से शनाया कपूर साउथ में डेब्यू करने वाली हैं। संजय कपूर की बेटी शनाया एक फैंटसी एक्शन ड्रामा फिल्म 'वृषभ' में मोहनलाल के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन नंदा किशोर कर रहे हैं। यह फिल्म तेलुगु, मलयालम, तमिल, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगी।

कृष्णन अय्यर बोले- दिशा वकानी मेरी बहन जैसी हैं, जब मां गुजरीं तो उन्होंने दिया था सहारा

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' जितना चर्चित अपने शो को लेकर दर्शकों के बीच रही है, उतना ही इनके एक्टर्स भी सुर्खियों में रहे हैं। कई साल से ये शो दिशा वकानी की वापसी को लेकर काफी चर्चा में रहा है। दिशा के लौटने की उम्मीदें दर्शकों की खत्म नहीं हो रही। उन्हें लगता है कि एक न एक दिन वो शो में दया बेन वाले किरदार में जरूर वापसी करेंगी। वहीं इस शो में नजर आनेवाले बबीता जी के हसबैंड की भूमिका निभा रहे तनुज महाशब्दे ने दिशा को लेकर कुछ बातें कही हैं। उन्होंने दिशा के साथ अपनी बॉन्डिंग पर बात करते हुए कहा कि वो उनके साथ अब भी टच में हैं। उन्होंने बताया कि जब उनकी मां गुजरी थीं तो दिशा ने उन्हें किस तरह सहारा दिया था।

तनुज यानी कृष्णन अय्यर ने बताया कि दिशा उनकी बहन जैसी हैं और वो उनके साथ आज भी संपर्क में हैं। 'स्क्रीन' के साथ बातचीत में उन्होंने बताया, 'दिशा वकानी के साथ मेरा रिश्ता बहुत अच्छा था, हम आज भी एक-दूसरे के सम्पर्क में हैं। वो मेरे लिए मेरी बहन की तरह हैं।'तनुज ने बताया कि जब उनकी मां का निधन हुआ तो दिशा ने उन्हें किस तरह से सपोर्ट किया था। उन्होंने कहा, 'जब मेरी मां का निधन हुआ, तो उन्होंने मुझे फोन किया और घर बुलाया। हमारी बहुत अच्छी बात होती थी और जब भी वो मिलती हैं, बहुत प्यार और सम्मान के साथ। हम उन्हें काफी मिस करते हैं।'

एक्टर ने इस बातचीत में कहा, 'वो इतनी बड़ी स्टार हैं लेकिन वो बहुत विनम्र हैं। दिशा सबके साथ एक ही तरह का व्यवहार करती थीं। वो घर का बनाकर लाती थीं। वो उन को-स्टार्स का बहुत ध्यान रखती थीं जो अकेले रहते हैं। गुरुचरण सिंह और मैं कुंवारे हैं, इसलिए वह हमारे लिए खाना लेकर आती थीं। पहले तो हमसे ये पूछती थीं कि क्या हमने नाश्ता किया है? फिर वह हमें बिठातीं और खाना देतीं थीं, वो बहुत प्यारी थीं। दिशा हमेशा खुशियां बांटना चाहती थीं। वो रियल लाइफ में भी बिल्कुल अपने ऑन-स्क्रीन किरदार जैसी हैं।'दिशा साल 2018 में प्रेग्नेंसी के बाद मैटरनिटी लीव पर चली गई थीं और तब से वो वापस नहीं लौटी हैं। हालांकि कुछ महीने पहले ही, असित मोदी ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि दिशा इस फेमस सिटकॉम में वापसी नहीं करेंगी।

'भगवान कोई चमत्कार करें और वह वापस आ जाएं'

उन्होंने कहा था, 'अब उनके लिए तारक मेहता शो में लौटना मुश्किल है। शादी के बाद महिलाओं की जिंदगी बदल जाती है। छोटे बच्चों के साथ काम करना और घर संभालना उनके लिए वाकई थोड़ा मुश्किल है। लेकिन मैं अभी भी उन्हें लेकर पॉजिटिव हूं। मुझे लगता है कि भगवान कोई चमत्कार करेंगे और वह वापस आ जाएं। अगर वह आती हैं, तो यह अच्छी बात होगी।' उन्होंने कहा था ति अगर वो नहीं आती हैं तो मुझे शो में एक और दयाबेन लानी पड़ेगी।

अहान पांडे से दो-दो हाथ करेंगे बाला साहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे, यशराज की एक्शन फिल्म में हुई एंट्री

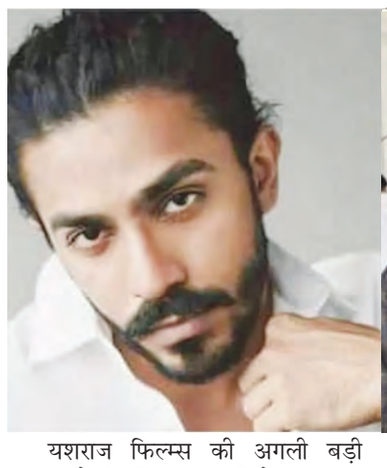

यशराज फिल्म्स की अगली बड़ी एक्शन-रोमांस फिल्म इन दिनों जबरदस्त सुर्खियों में है। वजह है शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे का इस फिल्म में एंट्री करना। खास बात यह है कि ऐश्वर्य पहली बार बड़े पर्दे पर कदम रख रहे हैं- वह भी सीधे विलेन के रूप में। उनकी टक्कर होगी नए जमाने के उभरते सितारे अहान पांडे से, जबकि शरवरी वाघ फिल्म की मुख्य अभिनेत्री होंगी। निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं बड़े कैनवस वाली फिल्मों के लिए मशहूर अली अब्बास ज़फर।

नए चेहरों के साथ बनेगी फिल्म

फिल्म इंडस्ट्री में हर बार किसी नए चेहरे की एंट्री होती है, तो दर्शकों में उत्सुकता बढ़ जाती है। लेकिन इस बार मामला कुछ खास है, क्योंकि ऐश्वर्य ठाकरे का लॉन्च सीधे बड़े पैमाने की फिल्म में, एक मजबूत नेगेटिव किरदार के रूप में हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में उनका किरदार सिर्फ विरोधी नहीं, बल्कि कहानी की पूरी दिशा तय करने वाला बताया जा रहा है। वहीं अहान पांडे, जिन्हें हाल ही में 'सैयारा' से युवाओं में जबरदस्त पहचान मिली, इस फिल्म के हीरो हैं। सूत्रों के मुताबिक दोनों के बीच होने वाला क्लैश फिल्म का मुख्य आकर्षण होगा।

अली अब्बास जफर की ग्रैंड स्टाइल में हो रही शूटिंग

अली अब्बास जफर की फिल्मों की खासियत हमेशा बड़े पैमाने पर शूट किया गया दमदार एक्शन और भावनाओं से भरपूर कहानी रही है। 'सुल्तान' हो या 'टाइगर जिंदा है', उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन कर चुकी हैं। वही उम्मीद इस नए प्रोजेक्ट से भी की जा रही है। फिल्म की शूटिंग देश-विदेश की खूबसूरत लोकेशंस पर चल रही है, जहां खास तौर पर डिजाइन किए गए विशाल सेट तैयार किए गए हैं। एक्शन सीक्वेंस इतने भव्य हैं कि टीम किसी भी सीन में परफेक्शन से कम कुछ नहीं चाहती।

अहान पांडे की कड़ी तैयारी

यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक बड़े कैनवस की कहानी नहीं, बल्कि कलाकारों के लिए भी बड़ा चैलेंज है। खबर है कि अहान पांडे फिल्म के लिए रोजाना कई घंटों की ट्रेनिंग लेते हैं। सुबह बॉक्सिंग से शुरू होने वाला सेशन धीरे-धीरे मार्शल आर्ट्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग तक जाता है। उनकी ट्रेनिंग का लेवल देखकर साफ है कि फिल्म में हाई-इंटेंसिटी फाइट सीक्वेंस होंगे, जो बड़े पर्दे पर देखने लायक होंगे।

ऐश्वर्य ठाकरे- लॉन्च से पहले ही सुर्खियों में

ऐश्वर्य ठाकरे का नाम राजनीति से लेकर ग्लैमर वर्ल्ड तक अक्सर चर्चा में रहा है। लेकिन पहली बार वे किसी बड़े प्रोजेक्ट में अभिनय करने जा रहे हैं, वह भी एक ऐसे किरदार के रूप में जो फिल्म के टोन को तय करेगा। फिल्म इंडस्ट्री के विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अगर यह किरदार दर्शकों को पसंद आया, तो ऐश्वर्य को एक दमदार शुरुआत मिल सकती है।

आयशा खान को यूजर ने कहा 'चीप औरत' तो मिला करारा जवाब, बॉडी पार्ट पर अश्लील कमेंट करने वाले को भी नहीं बख्शा

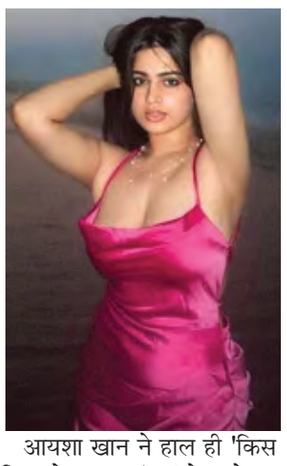

आयशा खान ने हाल ही 'किस किसको प्यार करूं 2' के प्रमोशन का एक वीडियो शेयर किया। इसे देख जहां एक यूजर ने आयशा के एक बॉडी पार्ट पर आपत्तिजनक कमेंट किया तो एक ने 'चीप औरत' बोल दिया। जनिए फिर आयशा खान ने कैसे दोनों की बोलती बंद की। 'कसौटी जिंदगी की' और 'बालवीर रिटर्न्स' जैसे टीवी शोज का हिस्सा रहीं आयशा खान को 'बिग बॉस 17' से पॉपुलैरिटी मिली थी। इसके बाद उनके बॉलीवुड के भी रास्ते खुल गए। आयशा खानने तब से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने सनी देओल की फिल्म 'जाट' से बॉलीवुड डेब्यू किया था, और अब जल्द ही कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' में नजर आएंगी।

आयशा ने हाल ही इसके प्रमोशन का एक वीडियो शेयर किया था। इसे देख एक यूजर ने आयशा खान को 'चीप औरत' बोल दिया। साथ ही एक ऐसा अश्लील कमेंट कर दिया कि एक्ट्रेस खुद को रोक नहीं सकीं। आयशा खान ने उस यूजर को ऐसा जवाब दिया कि बोलती ही बंद हो गई।

आयशा खान ने हाल ही अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'किस किसको प्यार करूं 2'की कास्ट के साथ फिल्म के प्रमोशन का एक वीडियो शेयर किया। इस पर एक यूजर ने लिखा,'इसको बस बम दिखाने के लिए रखा है। चीप औरत।'

आयशा खान का यूजर को जवाब, अश्लील कमेंट पर भी रिएक्ट

आयशा खान की नजर इस कमेंट पर पड़ी तो उन्होंने उसे जवाब देने में जरा भी देर नहीं लगाई। आयशा ने जवाब दिया, 'मैं इसे हर जगह साथ ले जाती हूं। दुर्भाग्य समझ लो या फिर सौभाग्य , यह मेरे शरीर का एक हिस्सा है। अभी मैंने इसे डिस्मैंटल करना नहीं सीखा है।'

एक ने कहा 'हर जगह ओवर एक्टिंग', तो आयशा ये कहा

आयशा ने एक और यूजर को करारा जवाब दिया, जिसने कहा था कि वह हर जगह ओवरएक्टिंग करती हैं। आयशा ने जवाब दिया, 'हर जगह मत आओ फिर।'

आयशा खान का करियर, फिल्में और टीवी शोज

आयशा खान के करियर की बात करें, तो उन्होंने एक जूनियर आर्टिस्ट के रूप में एकता कपूर के डेली सोप 'कसौटी जिंदगी की' से शुरुआत की थी। उन्होंने 2020 में 'बालवीर रिटर्न्स' में काम किया। इसके बाद वह 'बिग बॉस 17' में नजर आईं, जहां मुनव्वर फारूकी के झूठ का पर्दाफाश करने पहुंची थीं।

इस शो के बाद आयशा खान की पॉपुलैरिटी का ग्राफ तेजी से बढ़ा। आयशा ने साउथ की भी कुछ फिल्मों में काम किया है। आयशा, सरगुन मेहता और रवि दुबे के यूट्यूब शो 'दिल को रफू कर ले' में भी नजर आईं।

रितेश, विवेक और आफताब ने साथ में फिर की मस्ती रेड टॉप में राखी सावंत का दिखा बिंदास अंदाज

बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख, आफताब शिवदासनी और विवेक ओबेरॉय की आने वाली फिल्म 'मस्ती 4' की स्क्रीनिंग रखी गई। 'मस्ती 4' की स्क्रीनिंग में कई दिग्गज स्टार्स पहुंचे। इस दौरान अभिनेता जितेंद्र से लेकर राखी सावंत तक, कई सारे स्टार्स पहुंचे।

टाइगर श्रॉफ भी फिल्म देखने पहुंचे

अभिनेता टाइगर श्रॉफ भी फिल्म देखने पहुंचे। टाइगर काफी कैजुअल लुक में नजर आए।

स्टारकास्ट की एंट्री ने बढ़ाया तापमान

फिल्म के प्रमुख कलाकार रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासनी इस समय जोर-शोर से प्रमोशन में जुटे हुए हैं। स्क्रीनिंग के दौरान ये तिकड़ी साथ पहुंची और मीडिया के सामने कई पोज़ देते दिखी। तीनों ने स्टाइलिश लुक में एंट्री लेकर इवेंट को और खास बना दिया।

जितेंद्र का क्लासिक अंदाज

दिग्गज अभिनेता जितेंद्र भी इस खास मौके का हिस्सा बने। क्लासिक ब्लू कोट और ब्लैक पैंट में उनका सदाबहार लुक एक बार फिर यह याद दिला गया कि फैशन का असली मतलब सादगी में भी स्टारडम बिखेरना होता है। उन्होंने अपने बेटे तुषार कपूर संग कैमरों के लिए कई तस्वीरें खिंचवाईं।

तुषार कपूर का जन्मदिन सेलिब्रेशन

20 नवंबर को जन्मदिन मना रहे तुषार कपूर इस स्क्रीनिंग का प्रमुख आकर्षण रहे। उनके लिए टीम और मौजूद मेहमानों ने केक काटकर इस शाम को और भी यादगार बना दिया। डेनिम जैकेट और जींस में तुषार का कूल लुक खूब पसंद आया।

फिल्म देखने पहुंचे कई सितारे

'बिग बॉस 19' फेम नतालिया व्हाइट ऑफ-शोल्डर गाउन में बेहद खूबसूरत लगीं। वहीं एक्ट्रेस श्रेया शर्मा ने ब्लैक और गोल्डन आउटफिट में रेड कार्पेट पर कहर ढहा दिया।

कल रिलीज होगी फिल्म?

रितेश, विवेक और आफताब की यह फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। कॉमेडी, ड्रामा और फ्रेंचाइजी के पुराने फैंस को इससे काफी उम्मीदें हैं।

क्या अनन्या ने अहान पांडे को दी एक्टिंग की सलाह?

एक्टर ने किया खुलासा, अभिनय को लेकर पिता के नजरिए पर की बात

फिल्म 'सैयारा' की रिलीज के बाद अहान पांडे बॉलीवुड का जाना पहचाना नाम बन गए हैं। म्यूजिकल ड्रामा 'सैयारा', जिसमें अनीत पड्डा भी थीं, बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। अहान पांडे का इंडस्ट्री के लोगों के साथ पहले से संपर्क है लेकिन उनकी परफॉर्मेंस ने उन्हें अलग पहचान दी। उनकी कजिन अनन्या पांडे बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अहान पांडे ने उनके बारे में बात की है।

अहान ने अनन्या से नहीं ली सलाह

जीक्यू इंडिया से बातचीत में अहान पांडे ने बताया 'अनन्या ने मुझे कभी कोई सलाह नहीं दी लेकिन उनके सफर ने मुझे प्रेरित किया। लोगों को अंदाजा नहीं है कि जब उसने शुरुआत की थी, तो वह कितनी छोटी थी। वह इंडस्ट्री में बड़ी हुई है। कुछ ही दिनों में एक कलाकार के तौर पर उसने बहुत नाम कमा लिया है। जब मैं देखता हूं कि मेरी छोटी बहन ऊंचाई पर जा रही है, तो मुझे गर्व होता है।'

अहान के फैसले को लेकर पिता असमंजस में थे

अहान ने बताया कि उनके माता पिता पहले एक्टिंग करने के उनके फैसले को लेकर असमंजस में थे। उनके चाचा चंकी पांडे को जबरदस्त सफलता मिली है। वह घर-घर में मशहूर हो गए हैं। हालांकि उन्होंने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव भी देखे हैं। उनके सफर को देखकर अहान पांडे के पिता सोच में थे कि एक्टिंग में करियर बनाना सही रहेगा या नहीं।

अहाना पांडे का वर्कफ्रंट

फिल्म 'सैयारा' में एक ऐसे जोड़े की प्रेम कहानी दिखाई गई है जो कई मुश्किलों का सामना करते हैं फिर भी अपने प्यार को पूरा करते हैं। अहान पांडे अगली बार अली अब्बास जफर की एक्शन रोमांस फिल्म में शरवरी वाघ के साथ नजर आने वाले हैं। बताया जाता है कि इस फिल्म की शूटिंग लंदन, बर्मिंघम और मैनचेस्टर में होगी।

रिलायंस रूसी क्रूड से बने प्रोडक्ट एक्सपोर्ट नहीं करेगी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने जामनगर की एक्सपोर्ट ओनली (सेज) रिफाइनरी में रूसी क्रूड का इस्तेमाल पूरी तरह बंद कर दिया है। कंपनी ने कहा कि 20 नवंबर से रूसी क्रूड का इंपोर्ट सेज यूनिट में रोका गया है। 1 दिसंबर से यहां से होने वाला सारा फ्यूल एक्सपोर्ट नॉन-रशियन क्रूड से बनेगा।

हालांकि रिलायंस घरेलू उपयोग के लिए रूस के क्रूड ऑयल का इस्तेमाल करती रहेगी। कंपनी ने यह फैसला यूरोपीय यूनियन के सैंक्शन का पालन करने के लिए लिया है। रिलायंस की जामनगर कॉम्प्लेक्स में दो रिफाइनरी हैं। एक सेज यूनिट जो सिर्फ एक्सपोर्ट करती है और दूसरी पुरानी यूनिट जो घरेलू मार्केट सप्लाई करती है। कंपनी ने कहा कि सेज यूनिट में अभी पुराना रशियन क्रूड इन्वेंट्री प्रोसेस हो रहा है। जैसे ही वह खत्म होगा, नया प्रोडक्शन सिर्फ नॉन-रशियन क्रूड से होगा।

11.5 हजार टोयोटा कारें वापस चीन से आयात पर जांच

> यूपीआई अब यूरोप के टीआईपीएस सिस्टम से जुड़ा

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। आरबीआई ने बड़ा ऐलान करते हुए भारत के यूपीआई को यूरोप के टारगेट इंस्टेंट पेमेंट सेटलमेंट (टीआईपीएस) से जोड़ने की घोषणा की है। इस पहल से अब भारत और यूरो जोन के बीच पैसे भेजना बेहद तेज, सस्ता और आसान हो जाएगा। आरबीआई ने बताया कि इससे दोनों क्षेत्रों के यूजरों को फायदा होगा। आरबीआई और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) इस इंटरलिंकेज को शुरू करने के लिए यूरोपीय सेंट्रल बैंक के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

यह कदम जी20 के उस रोडमैप के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय भुगतान को बेहतर बनाना है। गौरतलब है कि भारत यूपीआई को अन्य देशों के फास्ट पेमेंट सिस्टम से जोड़ने पर जोर दे रहा है।

हाल में पेरू ने भी अगले साल तक यूपीआई जैसी रियल-टाइम पेमेंट प्रणाली लागू करने की घोषणा की है। आरबीआई सीमा-पार भुगतान को बढ़ावा देने के लिए दूसरे देशों की त्वरित भुगतान प्रणालियों से यूपीआई को जोड़ने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

टोयोटा ने वापस मंगाए 11.5 हजार अर्बन क्रूजर

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर अपने मिड साइज एसयूवी अर्बन क्रूजर हाइडर की 11,529 इकाइयों को डैशबोर्ड के एक हिस्से की जांच करने और बदलने के लिए वापस मंगा रही है। इन इकाइयों को वापस मंगाने का मकसद 9 दिसंबर, 2024 से 29 अप्रैल, 2025 के बीच बनी 11,529 कारों में खामियों की जांच करना है। अगर इनके कॉम्बिनेशन मीटर में खराबी पाई जाती है, तो उसे बदला जाएगा। भारत ने दो घरेलू कंपनियों की शिकायतों के बाद चीन से आयातित पॉलिस्टर टेक्सचर्ड धागे की डंपिंग जांच शुरू कर दी है। व्यापार उपचार महानिदेशालय ने कहा, रिलायंस और वेलनोउन पॉलिस्टर ने अपने आवेदनों में दावा किया है कि चीन से इन धागों के सस्ते आयात से घरेलू उद्योग को नुकसान हुआ है और इसलिए सरकार डंपिंग रोधी शुल्क लगाए।

बायजू रवींद्रन पर 9 हजार करोड़ रुपये का जुर्माना

अमेरिकी कोर्ट ने धोखाधड़ी केस में सुनाया फैसला, 2021 में लिया था 11 हजार करोड़ रुपये का कर्ज

डेलावेयर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। कर्ज में डूबी एडटेक कंपनी बायजूस के फाउंडर बायजू रवींद्रन पर अमेरिकी कोर्ट ने 1 बिलियन डॉलर (9 हजार करोड़ रुपए) से ज्यादा का जुर्माना लगाया है। डेलावेयर शहर के बैंकरप्सी कोर्ट ने ये फैसला बायजूस अल्फा और लोन देने वाली अमेरिकी कंपनी ग्लास ट्रस्ट एलएलसी की याचिका पर सुनाया। बायजूस अल्फा एक अमेरिकी कंपनी है, जो भारतीय एडटेक बायजूस की सहायक कंपनी है। इसे 2021 में डेलावेयर (अमेरिका) में स्थापित किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य बायजूस के लिए फंडिंग जुटाना था।

क्या है मामला?

बायजू रवींद्रन की कंपनी बायजूस ने अमेरिकी बैंकों और लेंडर्स के एक ग्रुप से 2021 में करीब 1.2 बिलियन डॉलर (11 हजार करोड़ रुपए) का कर्ज लिया था। यह पैसा बायजूस के ऑपरेशंस (संचालन) में इस्तेमाल होना था। लोन चुकाने में डिफॉल्ट (नाकाम) होने के बाद अप्रैल 2024 में बायजूस अल्फा ने ही बायजूस के फाउंडर बायजू रवींद्रन, उनकी पत्नी दिव्या गोकुलनाथ, भाई रिजू रवींद्रन और अन्य पर 533

मिलियन डॉलर (करीब 4,500 करोड़ रुपए) की चोरी और धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए केस किया। हाल ही में (नवंबर 2025) डेलावेयर कोर्ट ने रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट जजमेंट दिया है। इसमें उन्हें 1 बिलियन डॉलर से ज्यादा चुकाने का आदेश है।

मिस-मैनेजमेंट ने बायजूस को डुबोया

चढ़ने की कहानीः 2011 में रवींद्रन ने बायजूस की शुरुआत एक छोटे एजुकेशन प्लेटफॉर्म के रूप में की। यह कोचिंग क्लासेस से शुरू हुआ, लेकिन 2015 में ऐप लॉन्च के साथ यह तेजी से बढ़ा। बच्चों के लिए इंटरैक्टिव लर्निंग, आसान भाषा और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल इसकी खासियत बनी। 2020-21 में कोविड महामारी ने ऑनलाइन एजुकेशन की डिमांड बढ़ा दी और बायजूस ने इसका पूरा फायदा उठाया। आक्रामक मार्केटिंग (शाहरुख खान जैसे ब्रांड एम्बेसडर) और अधिग्रहण (व्हाइटहैट जूनियर, आकाश जैसी कंपनियां) ने इसे 2022 तक $22 बिलियन की वैल्यूएशन तक पहुंचा दिया, जिससे यह भारत का सबसे मूल्यवान स्टार्टअप बन गया।

रीट को बाजार सूचकांक में शामिल करने की तैयारी

आसान होगा निवेश-तरलता बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रीट) को बाजार सूचकांक में शामिल करने की तैयारी में है। इस कदम से इन निवेश साधनों के लिए नकदी काफी बढ़ने की उम्मीद है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने शुक्रवार को कहा, रीट को बाजार सूचकांक में शामिल करने के लिए उद्योग समेत अन्य संबंधित पक्षों के बातचीत की जाएगी। एक बार शामिल होने के बाद रीट से जुड़े निवेश साधनों की नकदी में सुधार होगा।

सेबी प्रमुख ने इस बात पर भी जोर दिया कि नियामक रीट और इनविट (इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्टस) के लिए कारोबार सुगम बनाने के उपाय कर रहा है। इन प्रयासों के तहत, सेबी उन लिक्विड म्यूचुअल फंड योजनाओं के दायरे को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, जिनमें निवेशकों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए रीट और इनविट निवेश कर सकते हैं। रीट और इनविट पर आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में पांडे ने कहा, नियामक इस बात पर भी विचार कर रहा है।

क्लेम सेटलमेंट पर भ्रामक विज्ञापन देना बंद करें बीमा कंपनियां

दावों और हकीकत में बड़ा अंतर, आईआरडीएआई की चेतावनी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों से कहा है कि वे विज्ञापनों में क्लेम सेटलमेंट के भ्रामक आंकड़े दिखाना बंद करें। साथ ही, वे मिलकर एक ऐसा स्टैंडर्ड फॉर्म्युला तैयार करें जिसे सभी कंपनियां अपनाएं। बीमा रेगुलेटर आईआरडीएआई ने कहा है कि मीडिया में ऐसे विज्ञापनों की बाढ़ आ गई है, जो 'भ्रामक, धोखा देने वाले और नियमों के खिलाफ' हैं। क्लेम सेटलमेंट रेश्यो इस तरह पेश किया जा रहा है मानो क्लेम बहुत ही कम रिजेक्ट होते हैं। जबकि रेगुलेटर के पास जमा किए गए असली आंकड़े कुछ और ही बयां करते हैं।

आईआरडीएआई का कहना है कि बीमा कंपनियां सेटलमेंट रेश्यो निकालने के लिए अलग-अलग परिभाषाएं इस्तेमाल करती हैं। वे अपने विज्ञापनों में रिजेक्ट किए गए या पेंडिंग क्लेम को जानबूझकर शामिल नहीं करतीं। ये आंकड़े अक्सर उनकी ऑडिटेड एनुअल रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों से मेल नहीं खाते।

क्या दिए कंपनियों को निर्देश

बीमा रेगुलेटर ने कंपनियों से कहा है कि वे अपने मौजूदा तरीकों की समीक्षा करें। अपनी कमियों को पहचानें और एक ऐसा साझा फॉर्म्युला तय करें जो मोटर, हेल्थ, पर्सनल एक्सीडेंट, फायर और मरीन जैसे सभी तरह के बीमा पर लागू हो सके। रेगुलेटर चाहता है कि पूरी इंडस्ट्री के लिए एक ही पैमाना हो।

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही गिरावट

सोना 1,648 रुपये गिरकर 1.23 लाख रुपये पर आया

चांदी 8,238 रुपये कम होकर 1.51 लाख रुपये किलो बिक रही

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार पिछले शनिवार यानी 15 नवंबर को सोना 1,24,794 रुपए पर था, जो अब (22 नवंबर) को 1,23,146 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है।

यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,648 रुपए कम हुई है। वहीं, चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को 1,59,367 रुपए पर थी, जो अब 1,51,129 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 8,238 रुपए घट है। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14

अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 47,000 रुपये और चांदी 65,000 रुपये महंगी हुई थी

इस साल अब तक सोने की कीमत 46,984 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,23,146 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 65,112 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,51,129 रुपए प्रति किलो हो गई है।

सोने के दाम में उतार-चढ़ाव की उम्मीद

एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में सोने के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

हालांकि शादियों का सीजन चालू हो चुका है इससे सोने को सपोर्ट मिलेगा। इससे आने वाले दिनों में इसकी कीमत फिर एक बार 1.25 लाख रुपए तक जा सकती है।

पुरानी गाड़ियों का फिटनेस टेस्ट 10 गुना तक महंगा

20 साल पुरानी कार की 15,000 रुपये और बाइक की 2,000 रुपये फीस लगेगी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पुरानी गाड़ियों का फिटनेस टेस्ट अब 10 गुना तक महंगा हो गया है। मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज ने देश में वाहन फिटनेस सर्टिफिकेट टेस्ट की फीस बढ़ा दी है। ये बदलाव सेंट्रल मोटर व्हीकल रूल्स (फिफ्थ अमेंडमेंट) के तहत लागू कर दिए गए हैं। नए नियम के तहत अब 20 साल पुरानी कारों का फिटनेस सर्टिफिकेट बनवाने के लिए 15,000 रुपए, बाइक के लिए 2,000 रुपए और हैवी कमर्शियल व्हीकल के लिए 25,000 रुपए देने पड़ेंगे। इसके अलावा, गाड़ियों के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट 10 साल में लेना होगा, जो पहले 15 पुरानी गाड़ियों के लिए अनिवार्य था।

फिटनेस के लिए अब उम्र के हिसाब से 3 कैटेगिरी

नई व्यवस्था में गाड़ियों को उम्र के हिसाब से 3 अलग-अलग कैटेगिरी में बांटा गया है। 10 से 15 साल, 15 से 20 साल और 20 साल से अधिक पुरानी गाड़ियां। यानी, जैसे-जैसे गाड़ी की उम्र बढ़ेगी, वैसे-वैसे फिटनेस टेस्ट का खर्च भी बढ़ेगा। सबसे ज्यादा असर 20 साल से पुरानी कमर्शियल गाड़ियों पर पड़ा है, क्योंकि उन पर फीस 10 गुना तक बढ़ गई है। मंत्रालय का कहना है कि ये बदलाव पुरानी गाड़ियों की सेफ्टी और पर्यावरण स्टैंडर्ड बनाए रखने के लिए जरूरी थे।

फिटनेस टेस्ट की फीस क्यों बढ़ाई

मंत्रालय ने कहा है कि गाड़ियां अपनी डिजाइन लाइफ के बाद भी सड़क पर चलती रहती हैं, इसलिए उनका सही तरीके से टेस्ट होना चाहिए। नई फीस से ऑटोमेटेड टेस्टिंग सेंटर्स पर अच्छी सुविधाएं आएंगी और टेस्टिंग सख्त होगी। भारत में गाड़ियां चलाने के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट होना जरूरी है। बिना फिटनेस सर्टिफिकेट के व्हीकल ड्राइव करना अवैध है। कमर्शियल व्हीकल के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करने का काम राज्य परिवहन विभाग करता है। फिटनेस सर्टिफिकेट से पता चलता है कि आपकी गाड़ी एमिशन स्टैंडर्ड के हिसाब से है।

खनन से लेकर उद्योगों में काम कर सकेंगी महिलाएं

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। निश्चित अवधि के लिए रखे गए कर्मचारी को भी स्थायी कर्मचारियों की तरह ही सभी लाभ मिलेंगे, जिसमें छुट्टी, चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा शामिल हैं। स्थायी कर्मचारी के बराबर वेतन से आय और सुरक्षा का लाभ मिलेगा। ठेके पर काम की प्रवृति घटेगी।

'महिलाएं सभी जगहों पर काम कर सकती हैं'

जिसमें उन्हें भूमिगत खनन और भारी मशीनरी जैसे उद्योगों में काम करने की इजाजत भी शामिल है। इसके लिए महिलाओं की अनुमति जरूरी है। इस कदम से सभी के लिए रोजगार के समान अवसर सुनिश्चित होंगे। हर कार्यस्थल पर सुरक्षा निगरानी के लिए जरूरी सुरक्षा समिति और खतरनाक रसायनों की सुरक्षित देखरेख सुनिश्चित करना जरूरी होगा। शिकायत निवारण समितियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य किया गया। महिला कर्मचारियों के परिवार परिभाषा में सास-ससुर को जोड़ने का प्रावधान, डिपेंडेंट कवरेज को बढ़ाना और समावेशिता को पक्का करना भी शामिल है।

काला छोड़ लाल और पीले सोने के पीछे पड़ा सऊदी अरब!

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में इस समय कॉपर की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। सऊदी अरब भी अब कॉपर के साथ सोने में अपना भविष्य देख रहा है। जानें कॉपर में निवेश कैसे करें। कच्चा तेल खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था के लिए एक वरदान रहा है। इसी वजह से इसे काला सोना कहा जाता है। बात अगर सऊदी अरब की करें तो इसके लिए कच्चा तेल काफी महत्वपूर्ण है। दुनिया में इस समय जितनी तेजी से विकास हो रहा है उतनी तेजी के साथ कच्चे तेल का उत्पादन और उसकी खपत बढ़ती ही जा रहा है। सऊदी अरब दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा तेल उत्पादन करने वाला देश है। लेकिन सऊदी अरब अब इसमें बदलाव लाना चाहता है। इसलिए उसकी नजर लाला सोना यानी तांबा (कॉपर) और पीला सोना यानी गोल्ड पर है।

सऊदी अरब ने अपनी 'विजन 2030' योजना के तहत कॉपर और गोल्ड इंडस्ट्री को अपनी अर्थव्यवस्था का तीसरा मुख्य स्तंभ बनाया है। यह योजना देश को तेल पर निर्भरता कम करके विविधता लाने के लिए है। सरकार का अनुमान है कि सऊदी अरब में फॉस्फेट, तांबा और बॉक्साइट जैसे खनिज भंडार छिपे हुए हैं, जिनकी कीमत 2.5 ट्रिलियन डॉलर है। ये खनिज वैश्विक ऊर्जा

परिवर्तन (जैसे इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा) के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। सऊदी अरब का बड़ा लक्ष्य साल 2030 तक खनन से होने वाली आय को चार गुना बढ़ाना है। इसके लिए वे दुनियाभर की कंपनियों को आकर्षित करना चाहते हैं ताकि देश इस क्षेत्र का हब बन सके। भारत की एक कंपनी को सऊदी अरब में कॉपर और गोल्ड की खदानें खोदने का लाइसेंस मिला है। कनाडा की एक कंपनी पहले से ही सऊदी अरब में एक तांबे की खदान चला रही है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की एक कंपनी को हाल ही में सऊदी अरब धातुएं खोदने का अधिकार मिला है। चीन की कंपनी भी एक स्थानीय साझेदारी के माध्यम से अपनी खोज का काम बढ़ाने की योजना बना रही है।

दुनियाभर में इस समय ग्रीन इकोनॉमी की बात चल रही है। जब हम पर्यावरण को बचाने की कोशिश कर रहे हैं तो तांबा बहुत खास हो गया है। जो नई-नई टेक्नोलॉजी हम अपना रहे हैं, जैसे इलेक्ट्रिक गाड़ियां, बैटरी, सोलर पैनल और विंड टरबाइन, इन सबमें कॉपर का इस्तेमाल हो रहा है। यही कारण है कि दुनियाभर में इस समय कॉपर की डिमांड बढ़ रही है। साल 2030 तक एनर्जी ट्रांजिशन के लिए तांबे की मांग लगभग 600% तक बढ़ जाने की उम्मीद है। जैसे-जैसे हम रिन्यूएबल एनर्जी और बिजली से चलने वाली चीजों की तरफ बढ़ेंगे, वैसे-वैसे और ज्यादा तांबे की खदानों को खोदना शुरू करना पड़ेगा। तांबे के उत्पादन में उत्तरी, दक्षिणी और मध्य अमेरिका का दबदबा है। इन क्षेत्रों में दुनिया के 20 सबसे बड़े तांबे की खदानों में से 15 खदानें हैं। चिली दुनिया का सबसे बड़ा तांबा उत्पादक देश है। साल 2024 में चिली ने 5.3 मिलियन मीट्रिक टन तांबे का उत्पादन किया।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-25
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-36
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष रविवार 23 Nov
तिथि - तृतीया 19-25 तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - मूल 19-27 तक उप पूर्वाषाढा
योग - धृति 12-08 तक उप शूल
करण - गर 19-25 तक उप वणिज
सर्वार्थ सिद्धि योग 07-06 से

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य -	वृश्चिक में	वृश्चिक...	05-57 बजे
चंद्र -	धनु में	धनु......	07-11 बजे
मंगल-	वृश्चिक में	मकर...	10-18 बजे
बुध -	वृश्चिक में	कुंभ....	12-17 बजे
गुरु	कर्क में	मीन....	13-46 बजे
शुक्र -	तुला में	मेष.....	15-22 बजे
शनि	मीन में	वृष....	17-07 बजे
राहु	कुंभ में	मिथुन..	19-06 बजे
केतु	सिंह में	कर्क...	21-22 बजे
		सिंह---	23-32 बजे
		कन्या--	01-38 बजे
		तुला----	03-48 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 16-14 17-38

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

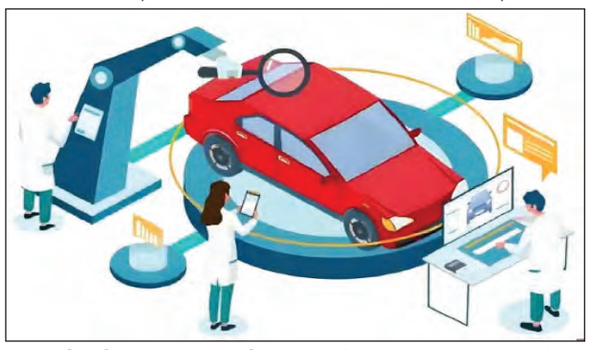

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 06-25 - 07-51 अशुभ	शुभ। 17-36 - 19-14 शुभ
चंचल 07-51 - 09-15 शुभ	अमृत 19-14 - 20-51 शुभ
लाभ 09-15 - 10-39 शुभ	चंचल 20-51 - 22-27 शुभ
अमृत 10-39 - 12-02 शुभ	रोग 22-27 - 00-03 अशुभ
काल 12-02 - 13-26 अशुभ	काल 00-03 - 01-39 अशुभ
शुभ 13-26 - 14-50 शुभ	लाभ 01-39 - 03-15 शुभ
रोग 14-50 - 16-14 अशुभ	उत्पात 03-15 - 04-51 अशुभ
उत्पात 16-14 - 17-36 अशुभ	शुभ 04-51 - 06-25- शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चो पर भी नजर रखें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे |

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा । आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए । किसी गंभीर या कडवी स्थिति से बचने की कोशिश करना ही बेहतर रहेगा।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें ।पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा । अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है । समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे। जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे । अपनी व्यवहारिक जरूरतों के रास्ते में अपने अहम को न आने दें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
'आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालंकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज पैसे को संभलकर खर्च करें । सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं ।अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है । आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं । आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें । बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें । दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ईडी को मिले पुख्ता सबूत

डिलीट डेटा रिकवर करने की तैयारी, कोयला सिंडिकेट में सन्नाटा, कई बड़े नाम निशाने पर

धनबाद, 22 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड से लेकर बंगाल तक शुक्रवार को ईडी कि 42 स्थानों पर एक साथ की गई छापेमारी से कोयला कारोबारियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। कोयलांचल में तो सन्नाटा पसरा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की व्यापक छापेमारी के बाद कोयलांचल में हलचल मची हुई है। माना जा रहा है कि ईडी को कई ऐसे दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य मिले हैं, जो कोयला कारोबार के मजबूत गठजोड़ की परतें खोल सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार, ईडी टीम को कई बड़े अधिकारियों और कारोबारियों के बीच डिजिटल चैट और वित्तीय लेन-देन से जुड़े अहम सुराग मिले हैं। ये चैट अवैध कोयला तस्करी के ठोस सबूत माने जा रहे हैं। जांच एजेंसी के सूत्र संकेत दे रहे हैं कि आने वाले दिनों में कई बड़े नाम सामने आ सकते हैं, जिसमे कोल अधिकारी प्रशासनिक अमला समेत अन्य कई अधिकारियों के पूरे गठजोड़ का धागा खुल सकता है। शुक्रवार को ईडी ने धनबाद में 17 और दुमका में एक जगह मिलाकर कुल 18 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की जो देर रात तक जारी रही। छापों की जद में आए लोगों में एल.बी. सिंह, कुंभनाथ सिंह, संजय खेमका, अनिल गोयल, दीपक पोद्दार, हेमंत अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, अरविंद सिंह, विनोद महतो, सनी केसरी, रमेश गोप समेत कई अन्य कारोबारी और उनके सहयोगी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इन लोगों के ठिकानों से बड़ी संख्या में दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए हैं। ईडी की टीम ने कई जगहों से मोबाइल डेटा और चैट डिलीट करने के भी सबूत जुटाए हैं। एजेंसी अब डिलीट किए गए डेटा को रिकवर करने की कोशिश में है, जिससे कोयला सिंडिकेट के मजबूत नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

छापेमारी की खबर फैलते ही कोयला तस्करी में सक्रिय कई कारोबारी और बिचौलिए भूमिगत हो गए हैं।

जिन सड़कों पर रोज चमचमाती गाड़ियां नजर आती थीं, वहां अब सन्नाटा पसरा है। अनुमान लगाया जा रहा है कि अवैध कोयला कारोबार में 100 करोड़ रुपये से अधिक का सरकारी नुकसान हुआ है। कोयले के अवैध कारोबार में अफसरों, कारोबारियों और राजनीतिक रसूखदारों के बीच गहरे गठजोड़ की चर्चा पहले से रही है। राजनीतिक फंडिंग में भी कोयले के पैसों के इस्तेमाल की बातें समय-समय पर उठती रही हैं।

देवघर जैप-5 में ब्रस्ट फायरिंग

हवलदार की खुद के एके-47 की गोली से मौत, शूटिंग रेंज में चार्ज देते समय हुआ हादसा

देवघर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। देवघर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र स्थित जैप-5 परिसर में शूटिंग रेंज का चार्ज संभाल रहे जैप-5 के हवलदार शिवपूजन पाल की अपनी ही एके-47 राइफल से निकली गोली लगने से मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, हवलदार सुबह से ही हथियारों की जांच और अन्य औपचारिक प्रक्रियाओं में व्यस्त थे। इसी दौरान उनकी एके-47 राइफल से अचानक ब्रस्ट फायर हो गया।

गोली सीधे उनकी गर्दन में लगी, जिससे वे मौके पर ही गिर पड़े। फायरिंग की आवाज सुनते ही आसपास मौजूद जवान और अधिकारी तुरंत वहां पहुंचे और स्थिति को संभालने की कोशिश की, लेकिन तब तक हवलदार शिवपूजन की मौत हो चुकी थी।

झारखंड विधानसभा का रजत जयंती समारोह

उत्कृष्ट विधायक राज सिन्हा सम्मानित, सीएम हेमंत बोले- बदलाव कोई जादुई छड़ी नहीं

रांची, 22 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा शनिवार को अपना 25वां स्थापना दिवस मना रही है। इस ऐतिहासिक रजत जयंती समारोह के लिए विशेष तैयारियाँ की गई हैं, जिसका आयोजन दो सत्रों में किया जा रहा है। समारोह का उद्घाटन राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया, जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो भी मौजूद रहे। इस वर्ष का 21वाँ उत्कृष्ट विधायक सम्मान धनबाद से भाजपा विधायक राज सिन्हा को प्रदान किया गया। इस अवसर पर राज्य के 16 शहीद जवानों के आश्रितों को भी सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस अवसर पर राज सिन्हा को बधाई देते हुए कहा कि यह 25वां वर्षगांठ युवा झारखंड राज्य के लिए एक लंबा सफर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और उच्च न्यायालय के बाद अब विधानसभा भी रजत जयंती मना रही है। हेमंत सोरेन कहा कि बदलाव कोई जादुई छड़ी नहीं है, इसमें वक्त लगता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि 25वां वर्षगांठ युवा झारखण्ड राज्य का है। इस राज्य के सृजन से लेकर इस राज्य के केंद्र में होने वाले हैं राजनीतिक, सामाजिक आंदोलन,अलग-अलग गतिविधियों को देखने और समझने का अवसर कई लोगों को मिला। उन्होंने कहा कि देश में जितने राज्यों का सृजन हुआ उसमें झारखण्ड राज्य का सृजन बिल्कुल अलग ढंग से हुआ। आजादी की लड़ाई पूरे देश में जिस तरह से लड़ी गई कमोबेश उस तरह के संघर्ष करने की भूमिका यहां की भी रही है। इसके लिए कई शहादत, बलिदान हमारे महिला और पुरुषों ने दिया है। जिस तरह आजादी की लड़ाई में शहीद हुए वीर महापुरुष रहे हैं अगर हम देखे उस पैमाने में तो अनगिनत लोग इस राज्य के निर्माण में, यहां के जल-जंगल-जमीन, यहां के आदिवासी-मूलवासी को बचाने के लिए संघर्षरत रहे।

कर्नाटक के उडुपी में सुल्तानपुर के दो युवक गिरफ्तार

पाकिस्तान को गोपनीय जानकारी कर रहे थे लीक, अलर्ट जारी

सुल्तानपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के उडुपी से सुल्तानपुर के दो युवकों को गिरफ्तार किए जाने के बाद जनपद में सुरक्षा एजेंसियों ने अलर्ट जारी कर दिया है।

दोनों पर आरोप है कि उन्होंने जहाज निर्माण से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं, जिनमें पोत संख्या और अन्य विवरण शामिल हैं, पाकिस्तानी नंबरों पर भेजीं। पुलिस के अनुसार, दोनों युवक उडुपी स्थित शिपयार्ड में कार्यरत थे और वहीं से संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी सामने आई।

गिरफ्तार किए गए युवकों में एक रोहित है, जो सुल्तानपुर का निवासी है। रोहित तीन भाइयों में सबसे बड़ा है। उसके परिवार में पत्नी रीमा, पांच वर्षीय बेटी रिश्का और एक अविवाहित बहन शामिल हैं। उसका सबसे छोटा भाई भीम भी उसी कंपनी में काम करता था, जबकि दूसरा भाई भारत मजदूरी करता है।

रोहित मार्च में पिता के निधन के बाद घर आया था और अंतिम संस्कार के बाद फिर ड्यूटी पर लौट गया था। वह हाल में 29 अक्टूबर को घर आया और 17 नवंबर को कर्नाटक पुलिस द्वारा कूरेभार थाने से ले जाकर उडुपी ले जाया गया। रोहित की शादी 2018 में हुई थी।

दूसरे गिरफ्तार युवक की पहचान जयसिंहपुर क्षेत्र के मैधन गांव निवासी संतरी के रूप में हुई है। संतरी के माता-पिता का बचपन में ही निधन हो गया था। वह तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा है। संतरी दिसंबर 2024 में घर से गया था और लगभग 15 दिन पहले ही वापस लौटा था।

लाखों का कोरल जब्त, 4 तस्कर गिरफ्तार

समुद्री जीव की तस्करी का भंडाफोड़, वन विभाग ने की कार्रवाई

जमशेदपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर वन प्रमंडल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपए का समुद्री कोरल जब्त किया है। इस मामले में चार तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई साकची के एक निजी होटल में छापेमारी के दौरान की गई। वन विभाग के अनुसार, जब्त किए गए कोरल की कीमत लाखों रुपए में आंकी गई है। समुद्री कोरल का उपयोग मुख्य रूप से कृत्रिम आभूषण और दवाएं बनाने में किया जाता है। वन विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग कोरल लेकर साकची के एक निजी होटल में ठहरे हुए हैं। सूचना के आधार पर एक टीम का गठन किया गया, जिसने होटल में छापेमारी कर चारों आरोपियों को कोरल के साथ पकड़ा।

सांप के विष का 'जहरीला' कारोबार

अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन ने उड़ाए झारखंड पुलिस के होश, 80 करोड़ का वेनम बरामद

औरंगाबाद, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में झारखंड की सीमा से सटे इलाकों में जहर का अंतरराष्ट्रीय कारोबार हो रहा है। इन इलाकों में जहरीले सांप पकड़े जा रहे हैं। उनका विष निकाला जा रहा है और जहर को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तस्करी के माध्यम से बेंचा जा रहा है। ये खुलासा बिहार के औरंगाबाद से सटे झारखंड के पलामू जिले की पुलिस ने किया है। मामले में वहां की पुलिस ने 80 करोड़ की कीमत का सर्प विष भी बरामद किया है। साथ ही औरंगाबाद के देव के तीन सर्प विष तस्करों को भी गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार विष तस्करों में देव के नया बाजार चांदनी चौक निवासी पिता-पुत्र सेराज़ मियां, मेराज रंगरेज और एक अन्य शामिल है। मामले में झारखंड पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

दरअसल, झारखंड की पलामू पुलिस को खुफिया इनपुट मिला था कि बिहार के सर्प विष तस्कर अच्छी-खासी मात्रा में सांप के ज़हर की एक खेप की सप्लाई देने पलामू से होकर बगल से दूसरे प्रदेश में डिलेवरी देने जा रहे हैं। ये भी पता चला कि कोई विदेशी ग्राहक उनका इंतजार कर रहा है। इस सूचना पर पलामू पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान ही वहां की पुलिस ने तीन सर्प विष तस्करों को धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद सर्प विष तस्करों की पहचान बिहार के औरंगाबाद जिले के रहने वालों के रूप में हुई। गिरफ्तारी के बाद सर्प विष तस्करों ने पुलिस के समक्ष स्वीकार किया कि जंगलों से सांप पकड़ कर विष निकालने का काम किया जाता है। इस काम में वें सांप पकड़ने में माहिर कही जाने वाली नट जाति के लोगों की सेवा लेते है।

सांपों का विष उतारने के बाद वें उसे छोटे-छोटे प्लास्टिक के डिंब्बों में रखते है और उसे गिरोह के शीर्ष तस्करों तक पहुंचाते है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सर्प विष तस्करों का गिरोह सांपों के ज़हर को निकालकर उसकी खेप को अपने नेटवर्क के बड़े तस्करों को उपलब्ध कराता है। बड़े तस्कर इसे ऊंचे दामों पर बेचकर भारी मुनाफा कमाते हैं। एक पुलिस अधिकारी ने यह भी कहा कि सर्प विष की इस खेप को किसी विदेशी ग्राहक को बेचा जाना था, जो संभवतः झारखंड की सीमा से सटे किसी दूसरे प्रदेश में बैठा था।

युवती बोली- तांत्रिक ने रेप किया, अश्लील वीडियो बनाए

दुर्ग-भिलाई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के भिलाई में 19 नवंबर को कार सवार युवक दिनदहाड़े युवती (22 वर्ष) को घर से उठा ले गया था। पुलिस ने दोनों को पति-पत्नी बताया। लेकिन इस मामले में नया मोड़ आ गया है। युवती ने कहा कि आरोपी एक तांत्रिक है। उसने जबरदस्ती आर्य समाज में शादी करवाई। जबकि वह मान्य नहीं है।

युवती ने बताया कि आरोपी उसे किडनैप कर कोंडागांव-दंतेवाड़ा घुमाते रहा, फिर रायपुर ले गया था। जहां से पुलिस दोनों को ढूंढ लाई। लेकिन आरोपी हेमंत अग्रवाल भिलाई-3 थाने से मौका पाकर फरार हो गया। मामला जामुल थाना क्षेत्र का है।

पीड़िता के मुताबिक आरोपी घर में समस्या को तंत्र-मंत्र से ठीक करने के बहाने परिवार वालों से जुड़ा। तंत्र-मंत्र के जरिए सम्मोहित कर युवती के अश्लील वीडियो बनाए। धमकी देकर उससे रेप किया। इस दौरान प्रेग्नेंट हुई को गर्भपात भी कराया।

किडनैपिंग की घटना के बाद थाने में परिजनों ने शिकायत की। 21 नवंबर को पुलिस ने दोनों को रायपुर से पकड़ा। परिजनों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। पीड़िता ने पुलिस कर्मियों पर आरोपी को सपोर्ट करने की बात कही है।

युवती के पिता का कहना है कि उनकी बेटी शादीशुदा नहीं है। जबकि पुलिस ने पति-पत्नी का फैमिली मैटर बताते हुए कार्रवाई नहीं की। बल्कि आरोपी का सपोर्ट करती रही। आरोपी थाने से भाग गया और पुलिस ने कुछ नहीं किया।

युवती ने बताया कि आरोपी हेमंत उसे जबरदस्ती रायपुर लेकर गया था। उस वक्त मेरी उम्र 19 साल की थी। रात के 10 बजे उसने मुझसे आर्य समाज में जबरदस्ती शादी की। वहां जो एक वकील मैडम थी, मैंने उनसे काफी गुजारिश की थी कि ये मुझे किडनैप कर के लाया है, लेकिन मेरी किसी ने नहीं सुनी। मेरी जबरदस्ती आर्य समाज में शादी करवाई गई, जबकि उसकी मान्यता नहीं है।

युवती ने बताया कि पहले भी आरोपी से जान बचाकर जैसे-तैसे जामुल थाना पहुंची थी। पुलिस शिकायत भी की थी कि अपनी मर्जी से नहीं गई हूं। मुझे प्रताड़ित किया जा रहा है। लेकिन पुलिस ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। उसके बाद वो फिर मेरे घर आकर धमकी देने लगा। बाद में मुझे फिर वो जबरदस्ती रायपुर लेकर चला गया।

युवती ने बताया कि हेमंत अग्रवाल ने उसका अश्लील वीडियो बनाया हुआ है। वह बार-बार उसे वायरल करने की धमकी देता है। 19 नवंबर की सुबह जब वह जबरदस्ती ले गया तो रास्ते भर मारते पीटते रहा।

सुबह यहां से उठाने के बाद दंतेवाड़ा, कोंडागांव लेकर चला गया। कहीं स्टे नहीं किया, केवल रास्ते में ही घुमा रहा था। जब मीडिया में खबरें आने लगी तो और बौखला गया और मुझे मारने पीटने लगा और बयान बदलने के लिए दबाव बनाने लगा।

पीड़िता ने बताया कि आरोपी हेमंत तंत्र-मंत्र कर मुझे सम्मोहित करता था। उसके बाद मेरे साथ गलत काम करता था। उसके बैग से बहुत सारी लड़कियों की फोटो थी। वो पहले भी कई लड़कियों को इसी तरह लाकर रखता था।

बाद में मुझे उसने खुद ही बताया कि वो शादीशुदा है, उसका एक बेटा था। उसका तलाक भी नहीं हुआ था।

उसकी मां भी इस अपराध उसका पूरा साथ देती थी। पहली पत्नी से एक बार बात हुई थी। उसने भी बताया था कि मैं कोई मदद नहीं कर सकती है। मेरे साथ भी ऐसा ही किया है।

कुत्तों की निगरानी में लगी प्राचार्यों की ड्यूटी

शिक्षक बोले- पढ़ाएं या कुत्ते पकड़ें, कांग्रेस बोली- बस यही दिन देखना रह गया था

बिलासपुर/रायपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआइ) ने सरकारी स्कूलों के प्राचार्य और हेडमास्टरों की ड्यूटी आवारा कुत्तों की निगरानी में लगाई है। डीपीआइ ने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दिया है। वहीं आदेश को लेकर प्राचार्य और हेडमास्टर में नाराजगी है। प्राचार्यों और हेडमास्टरों का कहना है कि वे एसआइआर का काम संभाल रहे हैं। अब कुत्ते पकड़वाने और निगरानी में ड्यूटी भी लगा दी गई है। नगर निगम, नगर पंचायत और जनपद पंचायतों के डॉग क्रैचर को जानकारी देने के लिए कहा गया है। इससे मूल काम डिस्टर्ब होगा। वहीं कांग्रेस ने कहा कि बीजेपी सरकार में बस यही दिन देखना रह गया था। अब स्कूल के प्राचार्य बच्चों को पढ़ाना छोड़कर कुत्तों की निगरानी करेंगे।

रायपुर एनआइटी-चौपाटी शिफ्ट 10 करोड़ की 60-70 दुकानें टूटीं

रायपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान के पास बनाई गई एनआइटी चौपाटी शिफ्ट हो गई है। 10 करोड़ की लागत से बनीं 60-70 दुकानें जेसीबी से तोड़ दी गई हैं। वहीं विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय और कांग्रेसियों को घसीटते हुए पुलिस उठाकर ले गई।

विकास उपाध्याय व्यापारियों के साथ कल रात 11 बजे से धरने पर बैठे थे। चौपाटी को आमानाका शिफ्ट किए जानने पर विवाद बढ़ गया। कांग्रेसियों और पुलिसकर्मियों के बीच झूमाझटकी भी हुई। इस दौरान विकास उपाध्याय ने कहा कि अनपढ़ विधायक को नहीं पता स्टूडेंट्स को क्या चाहिए।

वहीं डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करना स्वाभाविक है, लेकिन कांग्रेस अपनी राजनीति के बारे में विचार करे। कांग्रेस किस दिशा में जाना चाहती है, किस विषय में क्या सोचती है। सत्ता में रहते हैं तो अलग बात और विपक्ष में रहते हैं तो अलग बात करते हैं। कांग्रेस का दोहरा चरित्र रहता है।

दरअसल, रायपुर की एनआइटी चौपाटी को आज आमानाका शिफ्ट किया गया है, लेकिन शिफ्टिंग से पहले ही विवाद बढ़ गया। इसके विरोध में कल रात से ही व्यापारी, कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय समेत अन्य नेता धरने पर बैठे थे।

इसी बीच 22 नवंबर की सुबह निगम की टीम चौपाटी हटाने पहुंची। प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेता जेसीबी के सामने लेट गए। जेसीबी पर चढ़कर विरोध जताया। इस दौरान पुलिस और नेताओं के बीच झूमा-झटकी भी हुई।

इस दौरान नेताओं और व्यापारियों को पुलिस ने बलपूर्वक हटाया गया। वहीं पूर्व विधायक विकास उपाध्याय को पुलिस घसीटते हुए उठाकर ले गई। सभी को सेंट्रल जेल ले जाया गया है।

व्यापारियों का कहना है कि एक दिन पहले यानी 21 नवंबर को नगर निगम की टीम चौपाटी पहुंची थी।

दुकानदारों को शिफ्टिंग की सूचना दी थी। इस दौरान व्यापारियों ने मौके पर ही आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि उन्हें पहले से कोई नोटिस नहीं मिला।

व्यापारियों का आरोप है कि बिना बातचीत के किए, बिना तैयारी और बिना विकल्प दिए दुकानों को हटाने से उनका कारोबार ठप हो गया है।

बिना तैयारी के अचानक आमानाका भेजने को कहा जा रहा है। ऐसे में उनके सामने परेशानी खड़ी हो गई है।

खेत में काम कर रही महिला पर हाथी का हमला

गंभीर घायल, गड्ढे में गिरने से बची जान, वन विभाग मौके पर पहुंचा

जशपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जशपुर के पत्थलगांव वन परिक्षेत्र के सुखरापारा गांव में शनिवार सुबह एक हाथी ने खेत में काम कर रही 60 वर्षीय महिला पर हमला कर दिया। हमले में महिला कमला बाई गंभीर रूप से घायल हो गईं।

ग्रामीणों के अनुसार, कमला बाई रोज की तरह अपने खेत में थीं, तभी जंगल से एक नर हाथी खेत में आ गया। हाथी ने उन्हें सूंड से पकड़कर जमीन पर पटक दिया। इस दौरान वह पास के एक गड्ढे में गिर गईं, जिससे उनकी जान बच गई।

हालांकि, उनके हाथ में फ्रैक्चर हो गया और शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही पत्थलगांव वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। एम्बुलेंस बुलाकर कमला बाई को तुरंत पत्थलगांव सिविल अस्पताल ले जाया गया।

एसडीओ की घटना की पुष्टि

प्राथमिक उपचार के बाद वन विभाग ने तत्काल राहत राशि भी प्रदान की है। पत्थलगांव वन परिक्षेत्र के एसडीओ केएस कंवर ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह जंगली हाथी कापू वन परिक्षेत्र से आया था और अब बालाझर–चिमटापानी जंगल की दिशा में चला गया है।

एसडीओ कंवर ने आसपास के गांवों के ग्रामीणों से सतर्क रहने और अकेले खेत या जंगल की ओर न जाने की अपील की है। क्षेत्र में वन विभाग की ओर से अलर्ट जारी कर दिया गया है और किसी भी जनहानि को रोकने के लिए गश्त बढ़ा दी गई है।

रायगढ़ में 3266 क्विंटल अवैध धान जब्त

रायगढ़, 22 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी हो रही है। वहीं, दूसरी तरफ अवैध धान भंडारण एवं परिवहन को रोकने के लिए प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है। सभी अंतरराज्यीय सीमाओं पर पर बसे जिलों पर कड़ी निगरानी की जा रही है। रायगढ़ जिले में चेकिंग के दौरान अवैध धान के 30 मामले सामने आए हैं। प्रशासन ने अभी तक कुल 3,266 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है। जिसकी कीमत 3100 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से 1 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान लगाया गया है।

कलेक्टर के निर्देश के बाद जिले की सीमाओं पर स्थित सभी अंतरराज्यीय एवं आंतरिक चेक पोस्टों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाई गई है, वहीं अनुविभागीय स्तर पर विशेष निगरानी दल सक्रिय हैं।

रिफाइन लदा ट्रक पलटा

तेल लूटने की होड़ में महिला जख्मी, अस्पताल में भर्ती, पटना जाते वक्त हुआ हादसा

कोडरमा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। कोडरमा थाना क्षेत्र के रांची-पटना मुख्य मार्ग स्थित कोडरमा घाटी के नौवां माइल में शनिवार को एक सड़क हादसा हो गया। रिफाइन से लदा एक ट्रक गैस टैंकर को बचाने के प्रयास में पलट गया। इससे ट्रक में लदे रिफाइन के सारे कार्टून सड़क पर बिखर गए, जबकि गैस टैंकर सड़क किनारे फंस गया। गनीमत रही कि दोनों वाहनों के चालक और उपचालक को कोई चोट नहीं आई। इधर, घटना की सूचना के बाद मौके पर आसपास रहने वाले लोगों की भारी भीड़ लग गई। लोग अपने घरों से बर्तन, झोले और बोरा लेकर घटनास्थल पर पहुंच गए। वहां पहुंचते ही लोगों ने सड़क पर बिखरे रिफाइन के पैकेट और कार्टून लूटना शुरू कर दिया। ट्रक चालक उन्हें रोकने की कोशिश करता रहा, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसकी एक न सुनी और देखते ही देखते आधे से ज्यादा रिफाइन के कार्टून गायब हो गए। वहीं, रिफाइन लूटने के दौरान कुछ स्थानीय लोग घायल भी हुए हैं। इनमें से एक घायल महिला लक्ष्मी मसोमात (40) को पुलिस ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। मामले की सूचना मिलते ही कोडरमा पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी और गश्ती दल मौके पर पहुंचा। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद लोग भाग खड़े हुए। दरअसल, रिफाइन से भरा ट्रक कोडरमा के रास्ते पटना जा रहा था। इसी दौरान कोडरमा घाटी के नौवां माइल के पास एक तीखे मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रहा गैस टैंकर अचानक ट्रक के सामने आ गया।

ट्रक चालक ने संतुलन खो दिया और वाहन सड़क किनारे पलट गया। वहीं, गैस टैंकर का चालक भी संतुलन खोकर सड़क किनारे खाई में जा फंसा।

कृषि मंत्री की पत्नी ग्रामीणों संग काट रहीं धान

रामानुजगंज में रामविचार नेताम बोले- खेती से संबंध पीढ़ियों से रहा है

बलरामपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। कृषि मंत्री रामविचार नेताम की पत्नी और जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा नेताम इन दिनों अपने गृह ग्राम सनवाल में धान कटाई के कार्य में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। आमतौर पर रायपुर में रहने वाली पुष्पा नेताम, खेती के समय में गांव लौटकर ग्रामीण जीवन में शामिल हो जाती हैं। वे गांव की महिलाओं के साथ खेतों में हाथ से धान काटते हुए देखी जा रही हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, पुष्पा नेताम हर साल बुवाई से लेकर कटाई तक खेतों में सक्रिय रहती हैं। खेती-किसानी से उनका यह जुड़ाव परिवार की पारंपरिक परंपरा का हिस्सा है।

अपनी व्यस्त राजनीतिक दिनचर्या के बावजूद वे धान कटाई में समय निकालकर सहयोग करती हैं।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम भी अपने व्यस्त कार्यक्रमों के बावजूद खेतों से अपना जुड़ाव बनाए रखते हैं। रामानुजगंज विधानसभा के हालिया प्रवास के दौरान, उन्हें स्वयं धान काटने वाली मशीन चलाते हुए देखा गया था।

ग्रामीणों ने बताया कि मंत्री नेताम जब भी अवसर मिलता है, खेतों में जाते हैं, क्योंकि खेती में उनकी रुचि बचपन से रही है।

मंत्री नेताम ने कहा, 'खेती से हमारा संबंध सिर्फ आज का नहीं, बल्कि पीढ़ियों से रहा है। धान बुवाई और कटाई का समय हमारे लिए विशेष होता है। मेरी पत्नी हमेशा इस दौरान खेतों में मौजूद रहती हैं, और मैं भी समय मिलते ही खेतों की ओर जाता हूं।'

मीडिया ने ममदानी से पूछा- ट्रम्प को तानाशाह मानते हो

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- हां कह दो, मुझे फर्क नहीं पड़ता है

वॉशिंगटन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और न्यूयॉर्क सिटी के नव-निर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी की शुक्रवार को व्हाइट हाउस में पहली मुलाकात हुई। दोनों नेताओं ने बैठक के बाद मीडिया से भी बात की।

मीडिया ने ममदानी से पूछा कि क्या वे अभी भी ट्रम्प को फासिस्ट (तानाशाह) मानते हैं। इस पर ट्रम्प ने कहा- कोई बात नहीं, हां कह दो। यह समझाने से आसान है। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता।

रिपोर्टर ने पूछा कि ममदानी कार्बन उत्सर्जन पर सवाल उठाते रहे हैं, फिर वह वॉशिंगटन हवाई जहाज में क्यों आये? इस पर ट्रम्प ने कहा कि ममदानी बहुत मेहनत करते हैं और उनका यहां आना जरूरी था, इसमें कुछ गलत नहीं है।

यह मोमेंट इसलिए खास था क्योंकि न्यूयॉर्क मेयर इलेक्शन के दौरान दोनों ने एक दूसरे को लेकर काफी तल्ख बयानबाजी की थी। ट्रम्प ने ममदानी को 'कम्युनिस्ट पागल' और 'जिहादी' कहा था, वहीं ममदानी ने ट्रम्प को 'तानाशाह' और 'फासिस्ट' बताया था। एक पत्रकार ने ट्रम्प से पूछा कि रिपब्लिकन नेता एलिस स्टेफनिक ने ममदानी को 'जिहादी' कहा है, क्या ट्रम्प भी यही मानते हैं? इस पर ट्रम्प ने बिना हिचकिचाहट कहा- नहीं, मैं ऐसा नहीं मानता।

ट्रम्प ने आगे कहा कि मुलाकात के दौरान उन्हें ममदानी एक शांत, समझदार और तार्किक इंसान लगे। उन्होंने कहा- मैं एक ऐसे इंसान से मिला हूं जो बहुत ही समझदारी से बात करता है।

ट्रम्प बोले- ममदानी के बेहतर काम करने से मुझे खुशी होगी

ट्रम्प ने कहा कि हम न्यूयॉर्क को फिर से शानदार बनाना चाहते हैं। ममदानी जितना बेहतर करेंगे, मैं उतना ही खुश रहूंगा। ट्रम्प ने यहां तक कहा कि ममदानी कई कंजरवेटिव लोगों को हैरान कर देंगे और उनके कुछ विचार मुझसे से मिलते-जुलते हैं।

ममदानी ने भी मीटिंग को प्रोडक्टिव बताया और कहा कि हमने किराया, राशन, बिजली बिल और रहने की बढ़ती कीमतों पर बात की। हम दोनों न्यूयॉर्क के 85 लाख लोगों के लिए जीवन को सस्ता बनाना चाहते हैं।

ममदानी से मुलाकात के बाद ट्रम्प ने कहा कि कुछ मुद्दों पर दोनों की राय अलग हो सकती है, लेकिन बातचीत से हल जरूर निकलेगा। ट्रम्प ने कहा कि या तो ममदानी उन्हें समझा लेंगे या फिर वह ममदानी को, लेकिन आखिर में फैसला वही होगा जो न्यूयॉर्क के लिए अच्छा होगा। ट्रम्प ने साफ कहा कि दोनों नेताओं का मकसद एक ही है न्यूयॉर्क को फिर से बेहतरीन शहर बनाना। उन्होंने कहा कि अगर ममदानी शानदार तरीके से काम करते हैं और शहर में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, तो उन्हें इससे सबसे ज्यादा खुशी होगी। ट्रम्प ने कहा कि ममदानी से मीटिंग ने उन्हें हैरान कर दिया और दोनों के बीच कई मुद्दों पर खुलकर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कुछ पॉलिसी पर हमारे विचार अलग हो सकते है, लेकिन न्यूयॉर्क को बेहतर बनाना दोनों का मकसद है।

भाजपा का स्मार्ट मूव बना 'बारूद पर दांव'

गृह विभाग लेकर जोखिम में फंसी भाजपा क्या असफलता छीन लेगी चुनावी मुद्दे

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनी सरकार में भारतीय जनता पार्टी ने कुछ प्रमुख विभागों और कुछ संवैधानिक पदों को लेकर एक स्मार्ट मूव तो दिखाया है। इस स्मार्ट मूव के साथ भाजपा ने अपनी चमक तो बिखेरी है पर इस चमक के पीछे एक घनघोर अंधेरा भी इंतजार कर रहा है।

भाजपा जिन विभागों के जरिए बिहार की जनता के सामने अपना नया चेहरा परोसना चाहती है व कुछ कम रिस्क जोन में नहीं है। इसकी थोड़ी सी भी असफलता भाजपा के हाथ से कई मुद्दे छीन लेगी। वो भी ऐसा मुद्दा जिसके सहारे एनडीए-भाजपा सत्ता का स्वाद चखी और निरंतर चख रही है। चलिए जानते है कि किन विभागों के बारूद पर बैठी है भाजपा।

भाजपा का स्मार्ट मूव

भाजपा के रणनीतिकारों ने अपनी पार्टी से इतर जो भी चेहरे लाए वह भाजपा के साथ तो है पर उसकी सोच थोड़ी इतर है। वो पुराने भाजपाई की तरह पार्टी के संविधान के हर शब्द को पकड़ कर नहीं बल्कि थोड़ा स्पेस और रिस्क लेकर चलती है। और यह इस बार दिखा।

बीजेपी ने गृह और उद्योग के जरिए अपने टाइप की दुनिया बनाने के आधार पर फिलहाल टिकी है।

जानते हैं कि जिसे भाजपा का नेतृत्व टेकन फॉर ग्रांटेड ले रही है वह अपने भीतर काफी कील कवच समेटे हुई है। एक-एक कर विभाग की सहूलियत और उसकी दुरूहता को समझते हैं।

उद्योग विभाग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस बिहार की जनता से वादा है कि इस बिहार को उद्योग से पाट देना है।

पहले से कृषि आधारित उद्योग को लेकर सभी जिलों में उपज की जाने वाली प्रोडक्ट पर आधारित उद्योग को ले कर बेचैनी बढ़ी है। इस बार कुछ उम्मीद पीएम ने जगाया है। और इस विभाग की जिम्मेवारी स्वयं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने ली है। अब तक सुशासन बाबू के नाम से सरकार चला रहे नीतीश कुमार पिछले 20 वर्षों में फेल ही रहे हैं। इसकी कुछ सही वजह भी थी।

सफलता और असफलता के बीच भाजपा

असंभव तो कुछ नहीं होता। पर असफलता के साथ कई दरवाजे खुलते हैं। बीड़ा तो उठाया है,यह पहली जीत है। पर डगर सुगम नहीं है।

सफलता की ताली नेतृत्व को असफलता की गाली भी नेतृत्व को। देखना है कि शांति के साथ विकास के जिस मॉडल को बीजेपी लाना चाहती है उसे पा लेती है या फिर कितने कदम दूर रहती हैं। गृह अगर नहीं संभाला तो जंगल राज कहने का हक खो चुकेगा एनडीए।

भारतीय मूल के शुमीत बनर्जी ने दिया बीबीसी के बोर्ड से इस्तीफा

लंदन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण की गलत एडिटिंग का मामला ठंडा पड़ता नजर नहीं आ रहा है। इस विवाद पर बीबीसी के महानिदेशक और समाचार प्रमुख के इस्तीफे के बाद अब भारतीय मूल के टेक सेक्टर के निवेशक शुमीत बनर्जी ने भी प्रशासन से जुड़े मुद्दों को लेकर बीबीसी के गैर-कार्यकारी बोर्ड सदस्य के अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

ट्रंप के भाषण की गलत एडिटिंग के विवाद के बाद से ही बीबीसी में काफी उथल-पुथल मची हुई है। बीबीसीको दिए अपने इस्तीफे में शुमीत बनर्जी ने कहा कि महानिदेशक टिम डेवी और समाचार प्रमुख डेबोरा टर्नेस के जाने से पहले की घटनाओं के बारे में उनसे सलाह नहीं ली गई।

वहीं, बीबीसी ने शुक्रवार रात एक बयान में कहा, शुमीत बनर्जी ने बीबीसी बोर्ड को अपने इस्तीफे की सूचना दे दी है। बीबीसी की ओर से जारी बयान के मुताबिक बनर्जी का बोर्ड में गैर-कार्यकारी निदेशक के तौर पर कार्यकाल दिसंबर के आखिरी में खत्म होने वाला था। बीबीसी अब उनकी जगह पर नए निदेशक की तलाश में जुट गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने भाषण की गलत एडिटिंग के मामले में बीबीसी पर मुकदमा करने की धमकी दी थी। बीबीसी की ओर से इस मामले में पहले ही माफी मांग ली गई थी। हालांकि, बीबीसी ने मानहानि के आधार पर किसी भी प्रकार का हर्जाना देने से मना कर दिया था। डोनाल्ड ट्रंप के 6 जनवरी 2021 की भाषण क्लिप में की गई 'भ्रामक एडिटिंग' को लेकर ही बीबीसी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति की खींचतान जारी है।

चीन को रोकने में 10,000 मिसाइलें भी कम पड़ेंगी

ताइवान पर हमले का काउंटडाउन शुरू, हिंद- प्रशांत में फैली बारूद की गंध

बीजिंग, 22 नवंबर (एजेंसियां)। ताइवान पर चीन के हमले का काउंटडाउन शुरू हो गया है। शी जिनपिंग ने कैलेंडर में 2027 का टाइमलाइन सेट कर दिया है। खासकर डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद शी जिनपिंग के लिए ताइवान का मिशन और आसान हो गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस बात की उम्मीद अब काफी कम बची है कि अमेरिका, ताइवान को चीनी हमले से बचाने सामने आएगा। इस बीच चीन लगातार अपनी क्षमता का विस्तार कर रहा है और विनाशक हथियारों का निर्माण कर रहा है। यूएस इंटेलिजेंस का आकलन है कि चीन की सेना 2027 तक ताइवान पर हमले के लिए तैयार हो रही है।

साल 2012 में सत्ता संभालने के साथ ही शी जिनपिंग ने 2027 का टाइमलाइन सेट कर दिया था। उसी दौरा उन्होंने आक्रामक अंदाज में चीन की सेना को ताकतवर बनाना शुरू कर दिया था। अब चीन के पास 20 लाख से ज्यादा की सेना है, जो उसे दुनिया की सबसे ताकतवर फोर्स बनाती है। हालांकि चीन की सेना के पास युद्ध का ज्यादा अनुभव नहीं है और उसने आखिरी बड़ी मिलिट्री लड़ाई 1979 में वियतनाम के खिलाफ बॉर्डर पर लड़ी थी, जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा था।

ताइवान पर हमले की उल्टी गिनती शुरू

शी जिनपिंग ने चीनी सेना के लिए सैन्य बजट 245 अरब डॉलर प्रतिवर्ष कर दिया है। सेना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चलाया और 3 लाख से ज्यादा सैनिकों को सेना से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। हालांकि अमेरिका का डिफेंस बजट अभी भी लगभग तीन गुना ज़्यादा है, लेकिन चीन लगातार इस अंतर को कम कर रहा है। वहीं, अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए और पेंटागन की रिपोर्ट्स में चेतावनी दी गई हैं, कि चीन 2027 तक ताइवान पर सैन्य कब्जे के लिए तैयार रहने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। सितंबर महीने में राजधानी बीजिंग में निकाली गई सैन्य परेड के दौरान इसकी झलक देखने को भी मिली है. जब चीन ने पहली बार न्यूक्लियर ट्रायड, यानि धरती, समंदर और हवा से परमाणु बम दागने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था। चीन ने इस दौरान डीएफ-5 इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का भी प्रदर्शन किया, जिससे अमेरिका के किसी भी हिस्से पर परमाणु बम गिराया जा सकता है। अमेरिकी एक्सपर्ट्स चेतावनी दे रहे हैं कि चीन के पास 2030 तक 1000 से ज्यादा परमाणु हथियार हो जाएंगे। जबकि सीएसआइएस की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अमेरिका अब परमाणु हथियारों की रेस में चीन से हारने की तरफ बढ़ रहा है।

पाकिस्तान में सिर्फ 30 दिनों का पानी रिजर्व

ब्रसेल्स, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार, जो देश के विदेश मंत्री भी हैं, उन्होंने एक बार फिर से इंटरनेशनल फोरम पर इंडस वॉटर ट्रीटी का मुद्दा उठाया है। उन्होंने ईयू मंच पर जोर देकर कहा कि इंटस वॉटर ट्रीटी स्थगित करना इलाके की स्थिरता के लिए असली खतरा है। इशाक डार, ईयू इंडो-पैसिफिक मिनिस्टीरियल फोरम राउंडटेबल में अपना भाषण दे रहे थे। भारत ने इस साल अप्रैल महीने में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इंडस वॉटर ट्रिटी को स्थगित कर दिया था। इशाक डार ने कहा कि पानी को सहयोग का सोर्स बना रहना चाहिए, न कि पॉलिटिक्स के लिए हथियार बनाया जाना चाहिए। उन्होंने भारत के साथ तनातनी को शांत करने की कोशिशों में ईयू हाई रिप्रेजेंटेटिव समेत इंटरनेशनल पार्टनर्स की तारीफ की। सिंधु जल संधि के अलावा, इशाक डार ने कश्मीर मुद्दे को भी इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर उठाया, जबकि भारत ने साफ कर रखा है कि कश्मीर का मुद्दा भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मुद्दा है और किसी भी तीसरे पक्ष का बीच में आना स्वीकार नहीं किया जाएगा। सिडनी के नॉन-प्रॉफिट इंस्टिट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) की 2025 इकोलॉजिकल थ्रेट रिपोर्ट में पिछले महीने बताया गया है कि पाकिस्तान, जिसकी 80 परसेंट खेती सिंधु बेसिन के पानी पर निर्भर है, वो पानी की कमी के गंभीर खतरे का सामना कर रहा है, क्योंकि भारत के पास सिंधु नदी का बहाव बदलने की क्षमता है। 1960 के एग्रीमेंट के तहत, भारत ने पश्चिमी नदियों, सिंधु, झेलम और चिनाब का पानी पाकिस्तान के साथ शेयर करने की सहमति दी थी।

वेनेजुएला के पास अमेरिका का शक्ति प्रदर्शन

मादुरो पर 'आतंकी' का ठप्पा लगाने की तैयारी तेज

वॉशिंगटन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने वेनेजुएला के तट के बेहद करीब अपनी अब तक की सबसे बड़ी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया है। यह कार्रवाई उस समय हुई जब सिर्फ कुछ दिन बाद वह वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनके सहयोगियों को विदेशी आतंकी संगठन से जुड़े लोगों की सूची में शामिल करने वाला है।

गुरुवार को कई घंटों तक कम से कम छह अमेरिकी सैन्य विमान वेनेजुएला के तटों के पास मंडराते देखे गए। इनमें एक बी-52 रणनीतिक बमवर्षक, एफ/ए-18ई सुपरसोनिक लड़ाकू विमान और कई निगरानी विमान शामिल थे। अमेरिकी 'सदर्न एयर फोर्स कमांड' ने इसे 'बॉम्बर अटैक डेमो' बताया, यानी ऐसा अभ्यास जो अवैध तस्करी और संभावित खतरों को रोकने के लिए शक्ति-प्रदर्शन करता है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कुछ दिन पहले घोषित किया था कि वह 'कार्टेल दे लॉस सोल्स' को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) की सूची में डालने जा रहा है। यह समूह, अमेरिकी आरोपों के अनुसार, मादुरो और वेनेजुएला की सेना, खुफिया एजेंसियों और न्याय व्यवस्था के शीर्ष अधिकारियों द्वारा नियंत्रित होता है। अमेरिका का दावा है कि यह नेटवर्क पूरे क्षेत्र में हिंसक अपराधी संगठनों को समर्थन देता है। सिद्धांत रूप में यह 'आतंकी संगठन' की मुहर सैन्य कार्रवाई की सीधी अनुमति नहीं देती, लेकिन ट्रंप प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी मानते हैं कि इससे संभावित सैन्य विकल्पों की गुंजाइश बढ़ सकती है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा, 'इससे राष्ट्रपति को और विकल्प मिलते हैं।' एफ/ए-18ई लड़ाकू विमान अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस जेराल्ड फोर्ड से उड़ा, जो इस हफ्ते कैरेबियन पहुंचा है। इसके साथ ही एक आरसी-135 'रिवेट ज्वाइंट' निगरानी विमान वेनेजुएला की पूर्वी सीमा के पास बार-बार चक्कर लगाता देखा गया। वहीं तनाव बढ़ने के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे जल्द ही निकोलस मादुरो से बातचीत कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं क्या कहूंगा यह नहीं बता सकता, पर बहुत खास बात कहूंगा।' हालांकि, इससे पहले की बातचीत, जो अमेरिकी विशेष दूत रिक ग्रेनेल की अगुवाई में चल रही थीं, बीते महीने अचानक रोक दी गई थीं।

सेक्स वर्कर को पीट-पीटकर मार डाला

कोच्चि, 22 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के कोच्चि में हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां शनिवार को एक घर की ओर जाने वाले रास्ते पर महिला का शव बोरे में भरा हुआ मिला। पुलिस ने घर के मालिक जॉर्ज को हिरासत में लिया है। इसने कथित तौर पर जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी पिछली रात रेलवे स्टेशन से महिला को अपने घर ले आया था। सेक्स वर्कर होने की बात कही गई है। हालांकि दोनों में झगड़ा हुआ और कथित तौर पर शख्स ने महिला को अपने घर में पीटा। जब उसकी मौत हो गई तो शव को ठिकाने लगाने की कोशिश करते हुए वहीं सो गया। कोच्चि के कोन्थुरुथी इलाके में यह घटना शनिवार सुबह करीब 6.30 बजे तब सामने आई जब नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने एक संकरी गली में महिला के शव के पास एक जार्ज को सोते हुए पाया।

असीम मुनीर के पास अब किम जोंग जैसी ताकत

पाकिस्तान के 27वें संशोधन ने न्यूक्लियर हथियारों पर बदला कंट्रोल, भारत को खतरा?

इस्लामाबाद, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के संविधान में हाल ही में हुआ संशोधन दुनिया का ध्यान खींच रहा है। पाकिस्तान ने 27वें संविधान संशोधन के साथ ही अपने परमाणु हथियारों का पूरा कंट्रोल आर्मी चीफ असीम मुनीर के हाथों में दे दिया है। इस संशोधन से ये अधिकार एक अकेले और बिना चुने हुए आर्मी अफसर के हाथ में आ गए हैं। यह नॉर्थ कोरिया के सिस्टम जैसा है, जहां स्ट्रेटेजिक हथियारों की कमान पूरी तरह से बिना किसी जवाबदेही वाले सुप्रीम लीडर के हाथ में होती है।

द वायर की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के न्यूक्लियर कमांड स्ट्रक्चर में शुरू में कई एक्टर, जैसे मिलिट्री, पॉलिटिकल और सिविलियन शामिल थे। यह कुछ हद तक इंस्टीट्यूशनल डिफ्यूजन और ओवरसाइट देते थे। यह आर्किटेक्चर हालिया वर्षों में धीरे-धीरे बदलता रहा है लेकिन 27वें अमेंडमेंट ने देश के स्ट्रेटेजिक एसेट का पूरा अधिकार असीम मुनीर को सौंप दिया है। इससे पहले से अस्थिर क्षेत्र में गंभीर सुरक्षा चिंताएं पैदा हो गई हैं।

पाकिस्तान का न्यूक्लियर प्रोग्राम

पाकिस्तान का न्यूक्लियर वेपन प्रोग्राम हमेशा इंडिया-सेंट्रिक रहा है। एक तरफ भारत की न्यूक्लियर हथियारों का पहले इस्तेमाल ना करने की पॉलिसी सिविलियन कंट्रोल में है, जिसमें आखिरी अधिकार प्रधानमंत्री और उसकी न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी के पास है। दूसरी ओर पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की कमान का बहुत ज्यादा सेंट्रलाइज्ड मॉडल है। हालिया 27वां अमेंडमेंट पाकिस्तान की न्यूक्लियर अथॉरिटी को पूरी तरह से मुनीर में सेंट्रलाइज करता है। मुनीर नए नियुक्त चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) और आर्मी चीफ के तौर पर अब इस्लामाबाद के 170 टैक्टिकल और स्ट्रेटेजिक डब्ल्यूएमडी के बढ़ते स्टॉक की देखरेख के लिए नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड (एनएससी) के हेड हैं। अब ऑपरेशनल और स्ट्रेटेजिक अथॉरिटी एक ही लीडर के पास हैं। इस्लामाबाद के न्यूक्लियर वेपन की देखरेख अब तक न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी (एनसीए) करती थी। फरवरी 2000 में बनाए गए सिस्टम में प्रधानमंत्री वोट देते थे। इसमें आर्मी, एयर फोर्स, नेवी चीफ और जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (सीजेसीएससी) के चेयरमैन हिस्सा लेते थे।

एसयू-57 लड़ाकू विमान पर रूस चालबाजी करेगा?

दिल्ली दौरे पर पुतिन का ऑफर गेमचेंजर या ट्रैप? एएमसीए पर एक्सपर्ट्स की चेतावनी

मॉस्को, 22 नवंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले महीने भारत आ रहे हैं। पुतिन के आने से पहले रूस ने भारत को अब तक का सबसे बड़ा और साहसिक सैन्य प्रस्ताव दिया है। रूस ने भारत को एसयू-57ई पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर जेट का भारत में लाइसेंस्ड प्रोडक्शन, पूर्ण टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का प्रस्ताव दिया है। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा कि एसयू-57ई भारत की अपनी एएमसीए परियोजना को मजबूत करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। रूस का कहना है कि भारत की जरूरतों के मुताबिक, तकनीक ट्रांसफर और लोकल प्रोडक्शन उसकी सबसे बड़ी ताकत है, क्योंकि भारत की 60–70% सैन्य क्षमता अब भी रूसी और सोवियत डिजाइन पर आधारित है।

सुखोई 57 बनाने वाली रूसी कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के एक सीनियर अधिकारी ने दुबई एयरशो के दौरान भी कहा है कि शुरुआत में कुछ रूस में बने एसयू-57ई जेट सीधे भारतीय वायुसेना को दिए जा सकते हैं, जिसके बाद उत्पादन भारत में शिफ्ट किया जाएगा और इसमें स्टेल्थ कोटिंग, 5th जेन इंजन, एईएसए रडार, एआई आधारित एवियोनिक्स और हथियार प्रणालियों की तकनीक भी शामिल होगी। रूस का ऑफर दिलचस्प हो सकता है, भारतीय वायुसेना के दिग्गजों की इसपर राय बंटी हुई है। भारतीय वायुसेना ने अभी तक एसयू-57E को लेकर आधिकारिक बयान नहीं दिया है। ना ही सार्वजनिक तौर पर दिलचस्पी दिखाई है। सितंबर 2025 में भारतीय वायुसेना ने 114 राफेल खरीदने का प्रस्ताव रखा था, जिसके बाद माना गया कि एसयू-57 की संभावना कम हो गई है। लेकिन रूस अभी भी उम्मीद लगाए बैठा है।

जबकि भारत को भी मौजूदा जियो-पॉलिटिकल हालातों को देखते हुए स्टील्थ फाइटर जेट की जरूरत है, क्योंकि स्वदेशी एएमसीए प्रोग्राम अभी कम से कम 10 साल दूर है। ऐसी स्थिति में एयरफोर्स के दिग्गज सलाह दे रहे हैं कि भारत को कुछ ना कुछ फैसला जरूर करना होगा।

नेपाल के बारा में जेन-जेड का हिंसक विरोध खत्म

बातचीत के बाद टाला प्रदर्शन, भारतीय सीमा पर आवाजाही शुरू हुई

काठमांडू, 22 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल के बारा जिले के पथलैया स्थित सशस्त्र पुलिस बल मुख्यालय में जेन-जी प्रतिनिधियों और स्थानीय प्रशासन के बीच वार्ता सफल रही है। जेन-जी समूह के अठारह सदस्य, जिला अधिकारी और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों ने बैठक की है। हामी नेपाल के फाउंडर सुधन गुरुंग ने भी चर्चा में हिस्सा लिया। एडमिनिस्ट्रेशन ने भरोसा दिलाया कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एक्शन होगा। इसके बाद जेन जी नेताओं ने प्रदर्शन तुरंत खत्म करने का ऐलान किया। इसके बाद शनिवार को बारा में चीजें सामान्य होने लगी हैं।

सिमारा में जेन-जी समूहों और सीपीएन-यूएमएल कार्यकर्ताओं के बीच संघर्ष के कारण बारा में तनावपूर्ण स्थिति हो गई थी। इसके बाद स्थानीय प्रशासन ने दो दिन का कर्फ्यू लगा दिया था। जेन-जी प्रदर्शनकारियों ने सीपीएन-यूएमएल कार्यकर्ताओं पर हमला करने का आरोप लगाते हुए इसके जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस मांग को प्रशासन ने मान लिया।

बैठक में जेन-जेड ने सीपीएन(यूएमएल) के कैडर की ओर से शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर हमला का मुद्दा उठाया गया। इस पर लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ने तीन लोगों को गिरफ्तार करने और बाकी अपराधियों पर कार्रवाई का वादा किया। इन आश्वासनों से पार्टियों के बीच भरोसा बहाल करने और जिले में शांति वापस लाने में मदद मिली।

समाधान के बाद बारा में रोजमर्रा की जिंदगी नॉर्मल हो गई है। इंडिया-नेपाल बॉर्डर पर बॉर्डर पार आना-जाना फिर से शुरू हो गया है। अब यात्री पहचान दिखाकर बॉर्डर पार कर सकते हैं। दो दिन की अशांति के दौरान बीरगंज और काठमांडू के बीच बस सर्विस भी रुक गई थी। यह भी फिर से शुरू हो गई है।

यह झड़प तब शुरू हुई, जब यह खबर फैली कि सीपीएन-यूएमएल के जनरल सेक्रेटरी शंकर पोखरेल और यूथ लीडर महेश बसनेत सरकार विरोधी रैली में सिमारा आ रहे हैं। जेन-जेड प्रोटेस्टर उनके आने का विरोध करने के लिए एयरपोर्ट पर जमा हो गए।

नौकरशाही में हलचल: टकराव पड़ा भारी, पंत के बाद शिखर की बारी

सीएमओ में एसीएस अरोड़ा को सौंपी कमान

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास के पदभार ग्रहण करने के पांचवें दिन शुक्रवार देर रात राज्य सरकार ने शीर्ष नौकरशाही में बड़ा फेरबदल किया। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 48 अधिकारियों के तबादले में सबसे बड़ा बदलाव मुख्यमंत्री कार्यालय में हुआ है।

अखिल अरोड़ा को सीएमओ में अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) नियुक्त किया गया है और उनके पास जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) भी बरकरार रहेगा। वहीं, शिखर अग्रवाल को सीएमओ से हटाकर उद्योग विभाग में एसीएस, रीको अध्यक्ष और राजसिको सीएमडी नियुक्त किया गया है।

कई अधिकारियों को कमजोर किया गया है, जबकि कुछ की जिम्मेदारियां बढ़ाई गई हैं। आईएएस बनने के बाद भी उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के विशिष्ट सहायक के रूप में

कार्यरत ललित कुमार को चिकित्सा शिक्षा विभाग में संयुक्त सचिव लगाया गया है। करीब दो महीने पहले प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बाद से एपीओ चल रही अर्चना सिंह को कार्मिक विभाग का सचिव बनाया गया है। राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) और अन्य सेवाओं से आईएएस बने अधिकारियों को पदोन्नति के बाद पहली बड़ी जिम्मेदारी मिली है।

खींचतान की रिपोर्ट दिल्ली तक पहुंची

राज्य की ब्यूरोक्रेसी में शीर्ष स्तर पर बैठे नौकरशाहों के बीच लंबे समय से मतभेद और खींचतान की खबरें सामने आ रही थीं। इसी के चलते कुछ समय पहले मुख्य सचिव रहे सुधांश पंत को दिल्ली बुला लिया गया था। अब मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल को भी सीएमओ से हटा दिया गया। माना जा रहा है कि पंत और शिखर के बीच लंबे समय से तनाव और विवाद की स्थिति थी, जिसकी रिपोर्ट दिल्ली तक पहुंच चुकी थी।

आने के बाद से सक्रिय रहे श्रीनिवास

17 नवंबर को पद संभालने के बाद से ही सीएस वी. श्रीनिवास सक्रिय रहे। आईएएस एसोसिएशन, संभागायुक्त-कलक्टरों के साथ हुई बैठकों के जरिए उन्होंने लगभग सभी सीनियर अधिकारियों से चर्चा की। माना जा रहा है कि जयपुर पहुंचने के पहले ही उनके पास फीडबैक था और यहां आने के बाद सरकार से इस नौकरशाही में बदलाव पर गहन चर्चा की। उन्हें अजमेर जाना था। मगर सुबह करीब 11.45 बजे कार्यक्रम निरस्त होने की सूचना दी गई और शाम को तबादला सूची जारी हो गई।

भरतपुर और कोटा के संभागीय आयुक्त भी बदले

भरतपुर और कोटा के संभागीय आयुक्त भी बदल दिए हैं। कार्मिक विभाग ने भारतीय वन सेवा के तबादलों के बाद देर रात आईएएस तबादला सूची जारी की। इसमें एसीएस प्रवीण गुप्ता को सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के साथ पर्यटन विभाग भी सौंपा गया है तथा नवीन जैन को वित्त विभाग से हटाकर सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) में लगाया गया है।

वन विभाग : 33 आईएफएस के तबादले

राज्य सरकार ने आदेश जारी कर अखिल भारतीय वन सेवा के 33 अधिकारियों के साथ ही राजस्थान वन सेवा के 14 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। बड़ा बदलाव वाइल्ड लाइफ विंग में किया है। आईएफएस शिखा मेहरा को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक से हटाकर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) पद पर लगाया है। उनके स्थान पर अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक के.सी.ए. अरुण प्रसाद को सौंपी गई है।

धर्मांतरण से जुड़े मामलों को लेकर बोले मदन दिलावर

'कांग्रेस के कुछ लोग कृत्य में शामिल'

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में हाल के दिनों में बढ़ते संवेदनशील मामलों धर्मांतरण, विवादित भाषण और 9 वर्षीय अमायरा केस को लेकर शिक्षा और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने अमर उजाला से खास बातचीत में कई महत्वपूर्ण बातें कही। उन्होंने साफ संकेत दिया कि राज्य सरकार ऐसे मामलों पर कड़ा रुख अपनाएगी।

मदन दिलावर ने बताया कि धर्मांतरण से जुड़े मामलों में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भूमिका की जांच की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ लोग इस तरह के कृत्य में शामिल हैं। जब पत्रकारों ने सवाल किया कि सरकार आपकी है, फिर कार्रवाई क्यों नहीं, तो उन्होंने कहा, 'मेरे पास यह जानकारी अभी आई है, इसकी जांच कराई जा रही है। अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है।'

कोटा में आयोजित एक धर्म सभा के विवादित भाषण पर टिप्पणी करते हुए दिलावर ने कहा कि पूरा मामला जांच में लिया जाएगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को सरकार बेहद गंभीरता से ले रही है।

इसी बातचीत में उन्होंने 9 साल की अमायरा मामले पर भी प्रतिक्रिया दी। मंत्री ने बताया कि वे अभी जयपुर लौटे हैं और विस्तृत जानकारी लेने की प्रक्रिया में हैं, लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच सही दिशा में चल रही है। जल्द से जल्द न्याय दिलाया जाएगा और जो भी दोषी होगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से लगातार यह संदेश दिया जा रहा है कि धर्मांतरण, विवादित भाषण और बच्चों के खिलाफ अपराध जैसे संवेदनशील मामलों पर कोई समझौता नहीं होगा और दोषियों पर कार्रवाई तय है।

डूंगरी बांध विवाद के बीच मंत्री किरोड़ीलाल मीणा का बड़ा बयान

कहा- 76 गांव का दावा झूठा; बताया कितने गांव होंगे प्रभावित

सवाईमाधोपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी) के तहत बनने वाले डूंगरी बांध के विरोध में जोड़ली गांव में किसानों और ग्रामीणों की विशाल महापंचायत हुई। जिसमें वक्ताओं ने बांध के निर्माण को रद्द करने के लिए आर-पार की लड़ाई की चेतावनी दी। साथ ही सरकार को दस दिन का अल्टीमेटम दिया। इसी बीच सरकार ने साफ किया डूंगरी बांध बनने से 72 नहीं, 16 गांव ही प्रभावित होंगे।

सवाईमाधोपुर जिले में भारी विरोध और महापंचायत के बीच राजस्थान सरकार ने डूंगरी बांध से प्रभावित वास्तविक गांवों की जानकारी साझा की। इसके लिए सचिवालय में तीन मंत्रियों- जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा और गृह

राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने प्रेसवार्ता की। परियोजना की जरूरत और बांध से प्रभावित गांवों की जानकारी दी।

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बताया कि डूंगरी बांध बनने से 16 गांव प्रभावित होंगे। इसमें 4387 मकान, भवन शामिल है। 2017 में बनी सर्वे रिपोर्ट में ज्यादा गांव प्रभावित हो रहे थे, इसलिए इसका भराव तल 230 मीटर से घटाकर 227.50 मीटर और भराव क्षमता 2100 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) से घटाकर 1588 एमसीएम किया गया है।उन्होंने कहा कि 16 में से केवल 9 गांव ही ऐसे हैं, जिनकी आबादी 70 से 100 प्रतिशत तक प्रभावित होगी। ऐसे सभी प्रभावितों का पास ही पुनर्वास करने के लिए सरकार ने योजना बना ली है।

76 गांव का आंकड़ा सफेद झूठ, किसानों को गुमराह कर रहे

तीनों मंत्रियों ने कहा कि जिन नेताओं को जनता से नकार दिया, वे राजनीतिक स्टंट के लिए किसानों को गुमराह कर रहे हैं। वे 76 गांव प्रभावित होने की झूठी अफवाह फैलाकर कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे इन नेताओं के बहकावे में नहीं आए, हिंसा पर उतारू नहीं हों। सरकार बात को हर समय तैयार है। किसानों का प्रतिनिधि मण्डल चाहे तो मंत्रियों और अफसरों से प्रोजेक्ट को समझ सकते हैं। मंत्री बेढम ने तो ऐसे नेताओं को चेताया भी है।

रिपोर्ट दो दिन पहले आई

स्थानीय लोगों को पहले ही इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई। इस सवाल पर किरोडीलाल मीणा ने स्पष्ट किया कि सर्वे रिपोर्ट दो दिन पहले ही आई है। केवल फौरी तौर पर जानकारी नहीं दी जा सकती थी।

चिकित्सा मंत्री से बोले पीड़ित, दो-दो लाख रुपए मांगे नौकरी के, नहीं दिए तो नौकरी से निकाला

अक्सा कंस्ट्रक्शन पर लगे आरोप

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जनता क्लिनिक टेंडर में कथित घोटाले और कर्मचारियों से अवैध वसूली के आरोप अब चिकित्सा मंत्री तक पहुंच गए है। अक्सा कंस्ट्रक्शन की ओर से नौकरी से हटाए जाने से नाराज डॉक्टर और नर्सिंग कर्मचारी सीधे चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के पास पहुंचे और अपनी व्यथा सुनाई।

पीड़ित कर्मचारियों ने मंत्री को सौंपे गए पत्र में आरोप लगाया कि उनसे दो-दो लाख रुपए अवैध रूप से मांगे गए थे। पैसा नहीं देने पर उन्हें नौकरी से हटा दिया गया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि यह मांग सेवा प्रदाता संस्था अक्सा कंस्ट्रक्शन की ओर से की गई थी। शिकायत सुनने के बाद चिकित्सा मंत्री ने पत्र को नोट कर सीएमएचओ प्रथम के पास भेज

दिया और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे जाकर सीएमएचओ से मिलें।

लेकिन पीड़ित कर्मचारियों के अनुसार जब वे सीएमएचओ डॉ. रवि शेखावत के पास पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि नौकरी लगाने और हटाने की जिम्मेदारी सेवा प्रदाता अक्सा कंस्ट्रक्शन की है। वह मामले की जांच कर रहें है। जानकारी के अनुसार 21 जनता क्लिनिकों में कई पुराने डॉक्टरों और नर्सिंग कर्मचारियों को अचानक हटा दिया गया। आरोप है कि अरविंद मालवीय नामक किसी कर्मचारी ने नियुक्ति के बदले लाखों रुपए की मांग की थी और पैसा नहीं देने पर कर्मचारियों को बाहर कर दिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एनएचएम की अतिरिक्त मिशन निदेशक टी. शुभमंगला ने एक राज्य स्तरीय जांच समिति का गठन किया है। जो सभी अवैध वसूली, टेंडर प्रक्रिया और कर्मचारी हटाने के निर्णयों की गहन जांच करेगी। साथ ही एनएचएम की ओर से मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिवालय, चिकित्सा विभाग, मिशन निदेशक और आयुष्मान विभाग को भी पत्र भेजकर पूरे मामले से अवगत कराया गया है।

सीमेंट फैक्ट्री में हुआ बड़ा हादसा

बॉयलर फटने से तीन मजदूरों की मौके पर मौत

ब्यावर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के ब्यावर स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में बड़ा हादसा हो गया, जिसमें उबलता हुआ गरम पदार्थ गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना बॉयलर फटने के कारण हुई, जिससे तेज तापमान वाला पदार्थ सीधे मजदूरों पर गिर गया। मृतकों की पहचान अजय कुमार (21), पप्पू कुमार (25) और गोविंद मौर्य (22) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, "मजदूरों के शरीर पर 90 प्रतिशत से अधिक जलन हो गई थी और वे मौके पर ही दम तोड़ गए।" हादसे में जान गंवाने वाले अजय और गोविंद ने ही काम जॉइन किया था, जबकि पप्पू लगभग एक माह से फैक्ट्री में कार्यरत था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और हादसे के कारणों की विस्तृत जानकारी एकत्र की जा रही है।

सड़क हादसे में जिंदा जला 24 साल का युवक

बस की टक्कर से कार में लगी भीषण आग

चूरू, 22 नवंबर (एजेंसियां)। चूरू के रतनगढ़ में नेशनल हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ। जिसमें एक युवक की कार में जिंदा जलने से मौत हो गई। घटना रतनगढ़ के पास नेशनल हाईवे की है। यहां एक प्राइवेट बस ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार में आग लग गई और चालक कार के अंदर ही फंसा रह गया।

जिंदा जल गया युवक

बस ने तेज रफ्तार में आ रही कार को टक्कर मारी। टक्कर के बाद कार में आग लग गई, जिससे कार में सवार युवक ओमप्रकाश सोनी (24) की मौके पर ही मौत हो गई।

पहुंची पुलिस टीम और दमकल

घटना की सूचना मिलने पर रतनगढ़ नगर पालिका की दमकल टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई।

लुधियाना एनकाउंटर में घायल दो आतंकी राजस्थान के रहने वाले

श्रीगंगानगर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में हुए दो आतंकियों के एनकाउंटर का कनेक्शन राजस्थान से है। एनकाउंटर में घायल हुए दोनों आतंकी राजस्थान के रहने वाले हैं। इनमें से एक श्रीगंगानगर जिले का रहने वाला है। दोनों आतंकियों का पाकिस्तान-स्थित हैंडलर जसवीर उर्फ चौधरी से लिंक था। दोनों को पंजाब में ग्रेनेड हमला करने के लिए भेजा गया था।

लुधियाना में कमिश्नर स्वप्न शर्मा ने प्रेस कांफ्रेंस कर मामले का खुलासा किया। कमिश्नर ने बताया पकड़े गए आतंकी लॉरेंस गैंग से जुड़े मॉड्यूल का हिस्सा हैं और एक आतंकी का लिंक सलमान खान के घर फायरिंग करने वाले से भी है। उनकी योजना सरकारी इमारतों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर ग्रेनेड फेंककर राज्य में तनाव फैलाने की थी। एनकाउंटर में घायल दोनों आतंकियों का इलाज अस्पताल के वार्ड में ताला लगाकर कराया जा रहा है। बता दें कि गुरुवार को लुधियाना में दिल्ली-अमृतसर हाईवे पर लाडोवाल टोल के पास पुलिस ने पाक समर्थित टेरर मॉड्यूल के दो आतंकियों का

एनकाउंटर किया था, जिसमें दोनों घायल हुए। एनकाउंटर के दौरान एक को पांच गोलियां और दूसरे को 2 गोलियां लगीं। हालांकि दोनों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

राजस्थान पुलिस से मिली जानकारी अनुसार एनकाउंटर में घायल हुआ आतंकी रामलाल (25) श्रीगंगानगर जिले के गांव ताखरावाली का रहने वाला है। रामलाल गांव में माता का पुजारी है और माता के मंदिर में सेवा करता है। कुछ दिन पहले रामलाल गांव ताखरावाली के अमित नाम के युवक को पंजाब के लुधियाना में शमशेर नाम के शख्स से पैसे लेने की बात कहकर लेकर गया था। अमित गांव में कार ड्राइवर है और गाड़ी चलाता है।

पुलिस द्वारा अमित के घर से कार जब्त करने की बात सामने आई है, जबकि वह खुद फरार है। घायल रामलाल और फरार हुए अमित का कोई क्राइम रिकार्ड पुलिस के पास नहीं है। फिलहाल पुलिस अमित की तलाश में जुट गई है और आस-पास के लोगों से पूछताछ में जुट गई है। पुलिस इस बारे में अमित और रामलाल के परिजनों से भी पूछताछ कर रही है।

अमित और रामलाल लुधियाना के होटल में दो दिन तक रुके थे। इस दौरान रामलाल की पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई। जिसमें से अमित बचकर भाग निकला और कार लेकर गांव आ गया, जबकि रामलाल एनकाउंटर में घायल हो गया। रामलाल को दो गोलियां लगी हैं। वहीं दूसरे आतंकी दीपक उर्फ दीपू को पांच गोलियां लगी हैं। हालांकि अभी तक स्पष्ट रूप से यह पता नहीं चल पाया कि दीपू राजस्थान के किस शहर का रहने वाला है।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि वे लुधियाना में हैंड ग्रेनेड की डिलीवरी लेने आए थे। आरोपियों पर बीएनएस और आर्म्स एक्ट की धाराएं लगाई गईं, साथ ही अवैध हथियार रखने, हमले की तैयारी और वारदात में शामिल होने के आरोप भी हैं।

सरकारी योजनाओं में करोड़ों की ठगी उजागर, ई-मित्र संचालक गिरफ्तार

दौसा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। झालावाड़ पुलिस ने सरकारी योजनाओं में करोड़ों रुपये की साइबर ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए दौसा जिले के सिकराय में छापा मारकर एक ई-मित्र संचालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से कंप्यूटर, लैपटॉप और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं। यह कार्रवाई पीएम किसान सम्मान निधि सहित कई योजनाओं में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़े की शिकायतों के बाद की गई। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार संचालक ठगी के मास्टरमाइंड विक्रम सैनी के संपर्क में था और उसी के निर्देश पर साइबर धोखाधड़ी को अंजाम दे रहा था। झालावाड़ पुलिस की टीम ने सिकराय तहसील कार्यालय के बाहर पंचायत समिति की दुकानों में चल रही एक ई-मित्र दुकान पर छापा मारा। दुकान से कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और रिकॉर्ड जब्त किए गए। संचालक को हिरासत में लेते हुए पुलिस सबूतों सहित उसे झालावाड़ लेकर रवाना हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि संचालक ने क्षेत्र में सरकारी योजनाओं के नाम पर साइबर ठगी के कई मामलों में भूमिका निभाई है। पुलिस के अनुसार, इस ठगी का पूरा मास्टरमाइंड गीजगढ़ निवासी विक्रम सैनी था, जिसे हाल ही में जयपुर से पकड़ा गया। उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। आरोपी सरकारी पोर्टल्स में खामियों का फायदा उठाकर अपात्र व्यक्तियों को लाभार्थियों की सूची में जोड़ता था और ओटीपी बायपास करने जैसे तकनीकी तरीकों से सरकारी धनराशि निकाल लेता था।

जयपुर में बैठकर अमेरिकियों को ठगने वाले 60 लोग गिरफ्तार

दो काल सेंटरों पर हुई छापेमारी

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में साइबर क्राइम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जयपुर पुलिस ने मालवीयनगर और प्रतापनगर क्षेत्र में संचालित दो फर्जी कॉल सेंटरों पर संयुक्त छापेमारी कर 49 पुरुष और 11 महिलाओं सहित कुल 60 लोगों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में पुलिस ने 57 कंप्यूटर, 3 लैपटॉप और व्यापक डिजिटल डेटा बरामद किया है, जिनमें हजारों अमेरिकी नागरिकों की निजी और बैंकिंग जानकारी शामिल है।

पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि गिरोह खुद को अमेज़न और एप्पल के कस्टमर सपोर्ट सेंटर के रूप में पेश कर अमेरिकी नागरिकों को ठग रहा था। गूगल सर्च में फर्जी हेल्पलाइन नंबर ऊपर दिखाए जाते थे। अमेरिकी उपभोक्ता जब तकनीकी सहायता या रिफंड के लिए इन नंबरों पर कॉल करते, तो गिरोह के "डायलर्स" कॉल रिसीव कर उसे "क्लोजर्स" तक ट्रांसफर कर देते थे।

क्लोजर्स खुद को बैंक अधिकारी या अमेरिकी सरकारी एजेंसियों- जैसे एफबीआई , आईटी विभाग या कोर्ट-का प्रतिनिधि बताकर पीड़ितों पर दबाव बनाते और उनकी बैंकिंग, कार्ड तथा पहचान संबंधी जानकारी हासिल कर लेते थे। कई मामलों में पीड़ितों को फर्जी वारंट और कानूनी नोटिस भेजकर डराया भी जाता था।

गिरोह पीड़ितों के बैंक अकाउंट खाली करवाने के लिए उन्हें नए खाते खोलने का झांसा देकर रकम अपने नियंत्रित खातों में ट्रांसफर करवाता था। बाद में यह धन क्रिप्टोकरेंसी और हवाला के माध्यम से भारत में प्राप्त किया जाता था। पुलिस के अनुसार, नेटवर्क अब तक लाखों डॉलर की अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी कर चुका है।

छापेमारी विशेष पुलिस आयुक्त राहुल प्रकाश के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजय कुमार नैन के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई का सुपरविजन एसीपी मालवीयनगर आदित्य पूनियां और एसीपी सांगानेर विनोद शर्मा ने किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी आईबीम और विकीजैसी उन्नत क्लाउड कॉलिंग तकनीक और वीपीएल का उपयोग कर रहे थे, जिससे लोकेशन ट्रेस करना मुश्किल हो जाता था।

स्लीपर बस में लगी भीषण आग

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई, बारात लेने के लिए जा रही थी; एक महिला घायल

राजाखेड़ा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। हाईटेंशन बिजली के तारों की चपेट में आने से बारात को लेने जा रही एक स्लीपर बस में आग लग गई। इस दौरान पास से गुजर रही एक महिला चरवाहा गंभीर रूप से झुलस गई। घटना धौलपुर जिले के राजाखेड़ा थाना क्षेत्र की है। थाना अधिकारी गंभीर सिंह ने बताया- शनिवार शाम 5:15 बजे थाना क्षेत्र के समोना गांव में एक स्लीपर बस हाईटेंशन बिजली की तार की चपेट में आ गई। जिससे उसमें आग लग गई। इस दौरान पास से गुजर रही एक महिला चरवाहा भगवान देवी पत्नी थान सिंह निवासी समोना गंभीर रूप से झुलस गई। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर कर दिया। वहीं करंट की चपेट में आने से 5 से 6 बकरियों की मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद 5;45 पर राजाखेड़ा से फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और 30 मिनट में आग पर काबू पाया गया। पुलिस ने बताया-हादसा समोना स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से 150 मीटर पहले हुआ। बस समोना गांव में बारात लेने जा रही थी। इसके बाद बस को सिकंदरपुर जाना था। मगर रास्ते में ही ड्राइवर को तार की ऊंचाई का अंदाजा नहीं लग पाया और बस बिजली के झूलते तारों से टच हो गई। इससे बस में करंट दौड़ गया और आग लग गई।

क्रिप्टो धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़

3500 करोड़ की ठगी का खुलासा, पांच गिरफ्तार

भरतपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के माने जा रहे क्रिप्टो धोखाधड़ी नेटवर्क XPO.ru का भंडाफोड़ करते हुए 3500 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी का राजफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि गैंग का मुख्य सरगना दुबई से ऑपरेट कर रहा है। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 40 लाख रुपये नकद, 40 लाख रुपये की क्रिप्टोकरेंसी और पांच लग्जरी वाहन जब्त किए हैं।

एएसपी पंकज यादव ने बताया कि 12 नवंबर 2025 को थाना मथुरा गेट में एक शिकायत दर्ज हुई थी, जिसमें XPO.ru वेबसाइट और मोबाइल एप द्वारा विदेशी क्रिप्टोकरेंसी और फॉरेक्स में निवेश के नाम पर बड़े रिटर्न का लालच दिए जाने की बात सामने आई। जांच में पाया गया कि प्लेटफॉर्म निवेशकों को मोटे मुनाफे, बोनस और रेफरल पर अतिरिक्त कमाई का झांसा देकर तेजी से लोगों को जोड़ रहा था।

जांच में यह भी सामने आया कि प्लेटफॉर्म न तो एसईबीआई, आरबीआई, एमसीए और न ही किसी अधिकृत भारतीय नियामक से पंजीकृत था। वेबसाइट खुद को वर्ष 2016 से रूस में संचालित होना बताती थी, जबकि इसका असली संचालन नवंबर 2022 में जयपुर से शुरू हुआ था।

पुलिस जांच में सामने आया कि वेबसाइट 47 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं और 4.3 बिलियन डॉलर के फंड मैनेजमेंट का दावा करती थी, लेकिन वास्तविक संख्या सिर्फ 4.7 लाख उपयोगकर्ता और करीब 350 मिलियन डॉलर (3100 करोड़ रुपये) की जमा राशि मिली।

इसी गिरोह ने dizicx.com नाम से एक और फर्जी निवेश वेबसाइट भी चला रखी थी। इस पर करीब 9000 लोगों से 58 मिलियन डॉलर (500 करोड़ रुपये) से अधिक की ठगी की गई। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अतुल कुमार पुत्र देवेंद्र कुमार निवासी सांगानेर जयपुर, मुकुल कुमार पुत्र देवेंद्र कुमार निवासी सांगानेर जयपुर, कृष्ण कुमार पुत्र मुकेशचंद निवासी शिवदासपुर जयपुर, राकेश कुमार शर्मा पुत्र अशोक कुमार शर्मा निवासी भुसावर भरतपुर, उमरावमल पुत्र दूल्हाराम निवासी मानसरोवर जयपुर को गिरफ्तार किया है और उनसे पूछताछ जारी है। मुख्य आरोपी संदीप सिगर और रजत शर्मा की पहचान वेबसाइट के निर्माण और संचालन के मास्टरमाइंड के रूप में हुई है।

गन्ना किसानों की समस्याओं पर उच्च-स्तरीय अधिकारियों की समिति : मंत्री

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने घोषणा की कि गन्ना किसानों को सामना हो रही समस्याओं का अध्ययन कर समाधान सुझाने के लिए उच्च अधिकारियों के साथ एक समिति गठित की जा रही है। शनिवार को सचिवालय में उन्होंने गन्ना किसानों, उद्योग प्रतिनिधियों और गन्ना विकास मंडलों (सीडीसी) के अध्यक्षों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की। मंत्री श्रीधर बाबू ने बताया कि तेलंगाना में हर साल गन्ना खेती का क्षेत्र घट रहा है, और यह बात सरकार के संज्ञान में आई है।

इसी के साथ राज्य में चीनी उद्योगों की समस्याओं का समाधान करने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में उठाए गए प्रमुख मुद्दों पर सभी पक्षों से चर्चा कर रिपोर्ट तैयार करने के लिए आईटी और उद्योग विभाग के विशेष मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जाएगी। इसमें संबंधित विभागों के अधिकारी और चीनी उद्योगों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। श्रीधर बाबू ने कहा कि यह समिति अन्य राज्यों में गन्ना किसानों को मिल रही सुविधाओं और रियायतों का अध्ययन कर जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपेगी। उन्होंने बताया कि किसान प्रति क्विंटल सन्नधान्य (सूक्ष्म धान्य) पर राज्य सरकार द्वारा दी जा रही 500 रुपये बोनस को गन्ना फसल पर भी लागू करने की मांग कर रहे हैं, और इस विषय को वे मुख्यमंत्री के समक्ष रखेंगे। उन्होंने बताया कि अतीत में कांग्रेस सरकार ने गन्ना हार्वेस्टर मशीनों पर 50 प्रतिशत सब्सिडी दी थी, लेकिन बाद में आई बीआरएस सरकार ने इस रियायत को समाप्त कर दिया, ऐसा किसानों ने बताया है। श्रीधर बाबू ने कहा कि मजदूरों की समस्या के कारण गन्ना कटाई किसानों के लिए एक बड़ी समस्या बन गई है। अपने मंथनी निर्वाचन क्षेत्र में भी कपास की कटाई के लिए श्रमिकों की कमी की वजह से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से मजदूर आ रहे हैं, यह भी उन्होंने उल्लेख किया।

उन्होंने बताया कि ड्रिप इरिगेशन की रियायत को गन्ना फसल के लिए जारी रखने की किसानों की मांग पर भी समिति रिपोर्ट देगी। अधिकारियों ने बताया कि ड्रिप उपकरणों के उपयोग से प्रति एकड़ 8-9 टन अतिरिक्त उपज मिल रही है। गन्ना परिवहन शुल्क का कुछ हिस्सा वहन करने के मुद्दे का भी समिति द्वारा अध्ययन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के निजी क्षेत्र की चीनी उद्योगों को संरक्षित किया जाएगा। निजाम शुगर्स के पुनरुद्धार में उनके अनुभव का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार मजदूरों और किसानों के कल्याण के लिए हर तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि आंध्र प्रदेश में चीनी रिकवरी 9 प्रतिशत है, जबकि तेलंगाना में यह 11 प्रतिशत तक पहुंचना उत्साहजनक है। श्रीधर बाबू ने कहा कि गन्ना क्षेत्र बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बैठक में तेलंगाना औद्योगिक आधारभूत संरचना निगम की चेयरपर्सन निर्मला जग्गारेड्डी, जहीराबाद के सांसद सुरेश शेतकर, विशेष मुख्य सचिव संजय कुमार, चीनी उद्योगों के निदेशक नरसिरेड्डी, कई अधिकारी, उद्योग प्रतिनिधि, सीडीसी अध्यक्ष और किसान उपस्थित थे।

सांस्कृतिक रीति-रिवाजों, त्योहारों से नॉर्थ ईस्ट राज्यों का तेलंगाना से गहरा रिश्ता

नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट, टेक्नो-कल्चरल फेस्टिवल का राज्यपाल ने शानदार तरीके से आयोजन किया

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट, टेक्नो-कल्चरल फेस्टिवल ने अलग-अलग कार्यक्रम में तीन दिनों तक शहर के लोगों का मनोरंजन किया। तेलंगाना और नॉर्थ ईस्टर्न राज्यों के बीच एक मजबूत सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक नज़दीकी है। मुख्य रूप से, तेलंगाना और नॉर्थ ईस्टर्न राज्यों असम, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के बीच उनके अलग-अलग सांस्कृतिक रीति-रिवाजों, त्योहारों, डांस स्टाइल और भाषाओं के बीच एक गहरा रिश्ता है। मुख्य रूप से, तेलंगाना राज्य बनाने के लिए लंबे संघर्ष के बाद 2014 में एक अलग तेलंगाना राज्य बनाया गया था। इसी तरह, नॉर्थ ईस्टर्न राज्यों ने भी सेल्फ-गवर्नेंस, कल्चर की सुरक्षा और आत्म-सम्मान के लिए आंदोलन शुरू किए। नतीजतन, 1963 में नागालैंड और 1972 में मेघालय बना। यहां की लोक कलाओं और हैंडलूम के बीच एक करीबी रिश्ता है।

जहां नॉर्थईस्टर्न राज्यों में देश की सबसे बड़ी आदिवासी आबादी है, वहीं तेलंगाना में भी आदिवासी, लंबाडी, गोंड, यानादी और दूसरी आदिवासी जनजातियां हैं। लेकिन, इन दोनों इलाकों के बीच आर्टिस्टिक, कल्चरल, हिस्टोरिकल, स्पोर्ट्स और खेती-बाड़ी के कल्चरल रिश्तों को और मजबूत करने के लिए, राज्य के गवर्नर जिष्णु देव वर्मा ने न सिर्फ हैदराबाद में पहला तेलंगाना नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट, टेक्नो-कल्चरल फेस्टिवल डिज़ाइन किया, बल्कि तेलंगाना सरकार के सपोर्ट से इसे शानदार तरीके से आयोजन भी किया। राज्यपाल ने कहा कि 20, 21 और 22 नवंबर के बीच हुआ यह तेलंगाना नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल, मेरे एक यादगार अनुभव बन गया। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, जिन्होंने खुद सभी कामों और कामों की देखरेख की, इस फेस्टिवल की सफलता में एक इनडायरेक्ट फैक्टर बने। तीन दिन का आर्ट, कल्चरल, स्पोर्ट्स और सोशल फेस्टिवल, जिसकी शुरुआत तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, गवर्नर जिष्णु देव वर्मा और नॉर्थ-ईस्ट राज्यों के गवर्नरों की मौजूदगी वाली ओपनिंग मीटिंग से हुई थी, 22 तारीख को खत्म हुआ। दोनों इलाकों के बीच के रिश्ते को दिखाने के लिए फाइन आर्ट्स, परफॉर्मिंग आर्ट्स, लिटरेचर, महिला एम्पावरमेंट, फिल्म फेस्टिवल और स्पोर्ट्स के फील्ड में बेहतरीन प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किए गए। मुख्य रूप से ललित कला के क्षेत्र में, दोनों क्षेत्रों से पेंटिंग, फोटो प्रदर्शनी, फैशन शो और साहित्यिक चर्चाएं आयोजित की गईं।

भारी बारिश के बाद भी भूजल स्तर में गिरावट

भविष्य में पानी का संकट बढ़ सकता है

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में इस मानसून खूब बारिश हुई, लेकिन इसके बावजूद शहर के कई इलाकों में भूजल का स्तर नीचे चला गया है। सितंबर और अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार आसिफ नगर, चारमीनार, सैदाबाद, मर्रेडपल्ली, खैरताबाद, मुशीराबाद और हिमायत नगर जैसे क्षेत्रों में 1 से 3 मीटर तक पानी कम हुआ है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश का पानी जमीन में नीचे तक नहीं जा पा रहा है क्योंकि शहर में बहुत ज्यादा कंक्रीट सड़कें और निर्माण हो चुके हैं।

बारिश के बावजूद भूजल नहीं भरने के कारण गर्मियों में पानी का संकट बढ़ सकता है। अधिकारी बताते हैं कि अवैध बोरवेल और पानी के अधिक उपयोग के कारण भी भूजल कम हो रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि एचएमडब्ल्यूएसएसबी, जीएचएमसी और अन्य विभागों को वर्षा जल संचयन के कड़े नियम लागू करने चाहिए और शहर में अधिक पुनर्भरण गड्ढे (रिचार्ज पिट्स) बनाने चाहिए ताकि बारिश का पानी जमीन में जा सके।

बंडलागुड़ा स्थित सीरवी समाज वेल्फेयर असोसिएशन समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित 12 दिसंबर श्री आईमाताजी बडेर की भव्य प्राण- प्रतिष्ठा के लिए बतौर मुख्य अतिथि गोशामहल विधायक टी. राजासिंह, इब्राहिमपटनम विधायक मल रेड्डी को निमंत्रण पत्रिका देकर आमंत्रित करते हुए अध्यक्ष वेनाराम चोयल, उपाध्यक्ष छोगाराम गेहलोत, सचिव प्रकाश सेपटा, सहसचिव मोहनलाल चोयल, सलाहकार जगदीश प्रसाद काग, खंगारराम सेपटा, मीडिया प्रभारी खंगारराम मुलेवा, चिमनाराम, भगाराम चोयल, शशी कुमार सोलंकी व समाज बन्धु।

कुमावत समाज की आम सभा आज

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश के अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत की अध्यक्षता में कुमावत समाज हैदराबाद, ज्ञानबाग कालोनी में आज 23 नवंबर को दोपहर 12:30 बजे से आम सभा का आयोजन किया गया है। इस बैठक में तेलंगाना प्रांत की सभी शाखाओं के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष शामिल होंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज के विकास कार्यों को गति देना, उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ाना और समाज में एकता की पहचान को मजबूत बनाना है। तिलायचा सोनाराम कुमावत ने सभी पदाधिकारियों से अपील की है कि वे समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं और समाज की प्रगति के लिए सुझाव साझा करें। सोनाराम कुमावत ने समाज के सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि वे इस महत्वपूर्ण सभा में भाग लेकर समाज की एकता और विकास के लिए अपना योगदान दें।

राकेश जायसवाल पार्षद जामबाग ने कुंटा रोड गवर्नमेंट स्कूल, तोप खाना, जामबाग डिवीजन, भाग्यनगर में वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लिया। अवसर पर राजकुमार, मयूर, रघु, आनंद रावण गुप्ता प्रोग्राम में शामिल हुए।

जिले में अवैध गतिविधियों और असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई : निकिता पंत

आसिफाबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम, आसिफाबाद जिले की नई एसपी नितिका पंत (आईपीएस) ने आज जिला पुलिस कार्यालय में सबसे पहले पुलिस सलामी ली और फिर एसपी का कार्यभार संभाला। इस अवसर पर जिले के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने एसपी का भव्य स्वागत किया और उन्हें गुलदस्ते भेंट किए।

एसपी का सेवा विवरण :

आईपीएस नितिका पंत, जो पहले संगारेड्डी एएसपी, मेडचल डीसीपी, हैदराबाद टास्क फोर्स डीसीपी और आदिलाबाद बटालियन कमांडेंट के रूप में कार्यरत रह चुकी हैं, ने वर्तमान में कोमुराम भीम आसिफाबाद जिले के एसपी का कार्यभार संभाला है।

एसपी ने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पुलिस का मुख्य लक्ष्य आम लोगों के लिए निरंतर उपलब्ध रहना और उनकी समस्याओं का कानूनी तरीके से समाधान करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित नशीले पदार्थों, अवैध गतिविधियों और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था को बाधित करने वाली गतिविधियों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके व्यक्तिगत और धार्मिक अपमान, मिथ्या प्रचार और घृणित टिप्पणियों जैसे कृत्यों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आईपीएस नितिका पंत ने बताया कि जिले में शांति और सुरक्षा को भंग करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'पुराने डेवलपमेंट मॉडल ...

ट्रम्प ने आखिरी सेशन में मेजबानी लेने के लिए एक अमेरिकी अधिकारी को भेजने की बात कही थी। सूत्रों के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीकी अध्यक्षता ने अमेरिकी अधिकारी को मेजबानी सौंपने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।

साउथ अफ्रीका में हो रही इस साल की जी-20 समिट भारत के लिए इसलिए खास है क्योंकि 2023 में अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत ने अफ्रीकन यूनियन को जी-20 का सदस्य बनवाया था। अब पहली बार अफ्रीका में समिट हो रही है।

इसके चलते सभी अफ्रीकी देशों में भारत का सम्मान बढ़ा है। शुक्रवार को पीएम मोदी के साथ अफ्रीका पहुंचने पर स्थानीय कलाकारों ने उनके सम्मान में जमीन पर लेटकर स्वागत किया। ट्रम्प, पुतिन और जिनपिंग की गैरमौजूदगी में भारत समिट का सबसे प्रमुख चेहरा बन गया है। पीएम मोदी समिट के तीनों अहम सत्रों में आर्थिक विकास, क्लाइमेट रेजिलियंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे मुद्दों पर भारत का पक्ष रखेंगे।

संसद में सरकार ...

> सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड (एसएमसी) बिल, 2025- सेबी अधिनियम, डिपॉजिटरी अधिनियम और प्रतिभूति अनुबंध विनियमन अधिनियम- इन तीन पुराने कानूनों को समेटकर एक ही 'सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड' बनाने का प्रस्ताव। इससे बाजार से जुड़े नियम सरल और एक समान होंगे।

सरकार मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में भी बदलाव लाने पर विचार कर रही है। ज्यादा स्पष्टता के लिए एक समिति को इसकी समीक्षा का काम दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी तथा सेक्शन 34 में संशोधन की आवश्यकता को देखते हुए नया प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

ऐतिहासिक होगा जस्टिस ...

जस्टिस सूर्यकांत को सोमवार, 24 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में शपथ दिलाई जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश के लिए शपथ ग्रहण समारोह आमतौर पर सुबह राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में आयोजित किया जाता है, जिसका संचालन भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत कौन हैं :

जस्टिस सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। वे मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई का स्थान लेंगे। 10 फरवरी, 1962 को हरियाणा के हिसार जिले में एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत को 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया।

2019 में सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नति से पहले, उन्होंने हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने 1981 में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने 1984 में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त की। स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के बाद, न्यायमूर्ति कांत ने 1984 में हिसार जिला न्यायालय में वकालत शुरू की।

पिछले कुछ हफ्तों में चर्चा थी कि कांग्रेस 2026 के चुनाव में एक्टर विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के साथ मिलकर चुनाव लड़ सकती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि पार्टी मौजूदा गठबंधन यानी डीएमके-कांग्रेस गठबंधन के तहत ही चुनाव लड़ेगी। कमेटी का गठन इंडिया ब्लॉक की एकता को और मजबूत करेगा।

तमिल मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक टीवीके ने कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर एक सर्वे कराया था और उसमें अच्छे नतीजे मिले थे लेकिन कांग्रेस का रुख ठंडा ही रहा। इन रिपोर्टों के अनुसार कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने टीवीके के साथ जाने के विकल्प पर सोचा तक नहीं था। इसके थोड़े समय बाद ही टीवीके के डिप्टी जनरल सेक्रेटरी सीटीआर. निर्मल कुमार ने भी इन अटकलों को खारिज कर दिया था।

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर कहते हैं कि अगर कांग्रेस अपनी असली ताकत के आधार पर किसी भी गठबंधन में सीटों में हिस्सा चाह रही है, तो यह पूरी तरह गलत नहीं है। उनका कहना है कि पार्टी की केंद्रीय लीडरशिप को वक्त पर और सही फैसले लेने चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित रहे कि तमिलनाडु में सेक्युलर सरकार चलती रहे। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के बीच रिश्ते 2016 से ही अच्छे रहे हैं।

तमिलनाडु में कुल 234 विधानसभा सीटें है। 2021 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और डीएमके ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने 25 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 18 पर जीत हासिल की थी। वहीं डीएमके ने 159 सीटें जीती थीं। इस जीत के साथ 10 साल बाद डीएमके की सत्ता में वापसी हुई थी और एमके स्टालिन पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। वहीं, पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस-डीएमके गठबंधन ने तमिलनाडु की सभी 39 सीटों पर जीत दर्ज की। इनमें से कांग्रेस ने 9 सीटें जीती थीं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें

निविदा संख्या जीआर/ई.29/।/209, दि.15-11-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से चीफ वर्कशाप मैनेजर की बिजली शाखा, दक्षिण मध्य रेलवे -दमरे, वैगान वर्कशाप, गुंटुपल्ली-521241 द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.15-12-2025 के 14.45 बजे तक मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः जीआर/ई.29/।/209, दि.15-11-2025 कार्य विवरणः 1) डब्ल्यूडब्ल्यूएस-जीटीपीएल के कालोनी पर टाईप-।। स्टाफ क्वार्टर्स 48 युनिट्स हेतु नई कापर वायरिंग एवं सरफेस मोडुलर स्वीच बोर्ड्स सहित पुराने प्रकार के बैट्टेन अल्युमिनियम वायरिंग की मरम्मत व प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना। 2) स्क्रैप डिपो डब्ल्यूडब्ल्यूएस/जीटीपीएल पर एनएफ आयटम्स की स्टाकिंग हेतु गोदाम के निर्माण कार्य के दृष्टिगत बिजली व्यवस्थाएं एवं वायरिंग व्यवस्था तथा शेल्टर्स व वाटर कनेक्शंस सहित स्क्रैप डम्प यार्ड में सीसी रोड्स के निर्माण के दृष्टिगत स्क्रैप डिपो डब्ल्यूडब्ल्यूएस/जीटीपीएल पर नई प्रस्तावित लोडिंग शेड्स पर बिजली व्यवस्थाओं तथा वायरिंग का प्रावधान। 3) वर्कशाप्स में रखरखाव सुविधाओं की वृद्धि हेतु इनफ्रास्ट्रक्चर या संरचनाओं के उन्नयन के दृष्टिगत डब्ल्यूडब्ल्यूएस/जीटीपीएल पर एजेटीबी लैथे एवं सीएनसी एयर-प्लास्मा कट्टिंग मशीन हेतु बिजली व्यवस्थाओं का प्रावधान। मात्राः01 कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने निविदा मूल्य रु.45,50,933.47 (केवल पैंतालीस लाख पचास हजार नौ सौ तैंतीस रुपये सैंतालीस पैसे) बोली सुरक्षा/जमा की जानेवाली पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.91,000.00 (रु.इक्यानवे हजार मात्र) निविदा दस्तावेज मूल्य रु. निःशुल्क वैध आफरः निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन निविदा का प्रकारः आईआरजीसीसी-2022 द्वारा शासित कार्य निविदा टेंडरिंग प्रणालीः खुली निविदा-एकल पैकेट तत्समान प्रकृति का कार्यः लागू नहीं निविदा बंद करने की तिथि व समयः15-12-2025 के 15.00 बजे निविदा खोलने की तिथि व समयः15-12-2025 के 15.15 बजे निविदा दस्तावेज व शुद्धिपत्रः निविदा दस्तावेज व बदलाव/शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो वेबसाइटः http://www.ireps.gov.in देखें।

यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो निविदाओं को उसके अगले कार्य दिवस में उसी समय पर खोला जायेगा।

विभागीय बिजली अभियंता, डब्ल्यूडब्ल्यूएस/गुंटुपल्ली

ई-निविदा सूचना संख्या 42-2025 दि.21-11-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/को-आर्ड./गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

बंद करने की तिथि व समयः 19-12-2025 के 15.00 बजे

क्रम संख्याः01 निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1988 कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः डीएमएम-जीवाय & डीएमएम-पीएके सेक्शंसः डीईएन/पश्चिम क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एटीपी & एडीइएन/एमपीएल सब-डिवीजन में सेस्स मेकिंग अप हेतु प्रस्तावित सेस्स मरम्मत/चौडीकरण या वाइडनिंग कार्य। (अनुलग्रक नुसार स्थान)। विज्ञापित मूल्य रु.2,70,58,536.00 बोली सुरक्षा रु.2,85,300.00

क्रम संख्याः02 निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1989 कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः डीएमएम-जीवाय, केपीडी-टीपीटीवाय & डीएमएम-पीएके सेक्शंसः एसडब्ल्यू-। -डीईएन/पश्चिम/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत 8.341 टीकेएम का सीटीआर (पी) कार्य, 12.623 टीकेएम का टीआरआर (पी) कार्य, 6.300 टीकेएम का टीएसआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू-।।-70.004 किमी का टीएफआर (एआयआय़) कार्य। एसडब्ल्यू-।।।-111 सेट्स (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-07 सेट्स, (टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-22 सेट्स &(डब्ल्यूसीएमएससी)-82 सेट्स) का टीटीआर/टीटीआरआर कार्य। (अनुलग्रक नुसार स्थान)। विज्ञापित मूल्य रु.4,14,14,059.04 बोली सुरक्षा रु.3,57,100.00

किसी भी शुद्धिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/गुंटकल

निविदा संख्या जीटीएल-इएम-60-2025-26 दि.20-11-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः जीटीएल-इएम-60-2025-26 कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनःरायचूर, यादगिर व पाकाला स्टेशन बिल्डिंग्स पर 13 पैसेंजर लिफ्ट्स का प्रावधान तथा रायचूर, यादगिर, मंत्रालयम रोड, ढोने, ताडीपत्री, अदोनी, राजमपेटा व गूटी रेलवे स्टेशनों (लिफ्ट्स पोर्शन) के फूट ओवर ब्रिजेस या पुलों पर तत्संबंधित कार्य। अनुमानित मूल्य रु.5,48,65,022.00

बंद करने की तिथि व समयः 12-12-2025 के 15.00 बजे

टेंडर बिड्डींग या निविदा की बोली लगाने तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा। निविदाकार, निविदा दस्तावेज को निःशुल्क रुप में http://www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

टिप्पणीः ई -निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

निविदा सूचना संख्याः 47/2025 दि.21-10-2025
भण्डारण मदों की आपूर्ति ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्न निविदाओं को आनलाइन पर प्रदर्शित किया गया है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, www.ireps.gov.in देखें तथा अपने प्रस्तावों को आनलाइन में प्रस्तुत करें। तत्संबंधित वेबसाइट में निविदा कार्य विवरण, मात्रा, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा, एसडी को दर्शाया गया है। मैन्युएल रूप से प्रस्तुत आफर्स या प्रस्ताव अमान्य होंगे। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा की निर्धारित तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी प्रस्तावों, पूर्व धरोहर राशि को केवल आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध www.ireps.gov.in द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा संख्या	संक्षिप्त कार्य विवरण
38252187बी	कैसनब 22एचएस बोगी हेतु आउटर स्प्रिंग
30253550	ड्रा गेयर हेतु रब्बर स्प्रिंग सेट्स
38252359	पालिमर पैकिंग वाशर
75251223ए	विनाइल कोटेड अपहोल्स्टरी फैब्रिक (आर्टिफिशियल लेदर)
38251147	वाइड जा एडाप्टर (एएआर स्टैण्डर्ड वाइड जा क्लास "इ")
29251415	ईपी सेचेरोन कान्टैक्टर हेतु एमओएच किट
एलएच257147	फायर/स्मोक डिटेक्शन सिस्टम के इंटरफेस की आपूर्ति,इंस्टाल्लेशन कमीशनींग
82254944	कैथलैब यूज हेतु पीएच(153054)बैलून एक्सपैंडेबुल ट्रांसकेथेटर एरोटिक वाल्व रिप्लेसमेंट(टीएवीआर) डिवाइस हेतु जेडआरसी
29251356	लैबरिंथ & बेरिंग कैप का सेट
38251154	कैसनब 22एचएस बोगी हेतु स्प्रिंग प्लैन्क
30251106	एक्सल बाक्स हेतु रियर कवर
66258636	प्लासर मेक या ब्रांड के ट्रैक मशीन स्पेर्स
66258126	टीएम स्पेर्स की प्रोक्योरमेंट या प्रापण
66259370	टीएम स्पेर्स की प्रोक्योरमेंट या प्रापण
81255002	शील्डिंग गैस
6625पीटी030	आरडीएसओ डीआरजी. नं. टी-2572 के अनुरूप पीएससी स्लीपर्स पर 60 किग्रा. रेल हेतु ग्लूड जायंट
66259043	ट्रैक मशीन आयटम्स की प्रोक्योरमेंट

टिप्पणीः निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां -

क्रम सं. 01 दि.08-12-2025, क्रम सं. 02 दि.09-12-2025, क्रम सं. 03 दि.10-12-2025, क्रम सं. 04 से 06 दि.11-12-2025, क्रम सं. 07 व 08 दि.12-12-2025, क्रम सं. 09 से 12 दि.15-12-2025, क्रम सं. 13 दि.16-12-2025, क्रम सं. 14 व 15 दि.17-12-2025, क्रम सं. 16 दि.22-12-2025, क्रम सं. 17 दि.23-12-2025

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना सं.46/2025 दि.14-11-2025 निविदा सं. एससीआर-सीएपी-टीआर-टी25 निर्धारित तिथि 05-12-2025, संक्षिप्त कार्य विवरणः आयआर हेतु टीआरटी स्पेर्स की आपूर्ति, मेक हास्र्को रेल, युएसए को मौजूदा के स्थान पर निविदा सं. एससीआर-सीएपी-टीआरटी 25 पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.44/2025 दि.31-10-2025 निविदा सं. 29255020ए निर्धारित तिथि 21-11-2025, संक्षिप्त कार्य विवरणः ई-70 ब्रेक सिस्टम हेतु इलेक्ट्रानिक काड्र्स के सेट्स को मौजूदा के स्थान पर निर्धारित तिथि 28-11-2025 पढा जाना चाहिए।

उपरोक्त विवरित निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी उपलब्ध हैं।

विस्तृत विवरण हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिंकदराबाद

निविदा संख्या जीटीएल-इएम-61-2025-26 दि.20-11-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः जीटीएल-इएम-61-2025-26 कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनःरायचूर, यादगिर, ढोने, ताडीपत्री, पाकाला व अनंतपूर रेलवे स्टेशनों के फूट ओवर ब्रिजेस या पूलों पर पर 20 पैसेंजर लिफ्ट्स का प्रावधान (लिफ्ट्स पोर्शन)। अनुमानित मूल्य रु.4,28,79,212.88

बंद करने की तिथि व समयः 12-12-2025 के 15.00 बजे

टेंडर बिड्डींग या निविदा की बोली लगाने तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा। निविदाकार, निविदा दस्तावेज को निःशुल्क रुप में http://www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

टिप्पणीः ई -निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

निविदा संख्या 22ए-जीएसयु-25-26-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबी

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीइइ/एम/एचवायबी द्वारा तत्संबंधित निम्न निविदाओं की बंद करने की तिथि 18-12-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा इस मामले में किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम संख्याः 01 कार्य विवरणः निविदा संख्या 22ए-जीएसयु-25-26-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबीः हैदराबाद डिवीजनः एससी-एमयुईः स्टेशन प्लेटफार्म्स & स्टेशन परिसरों सहित पैसेंजर एरिया में इल्लुमिनेशन लेवल्स का सुधार कार्य-बिजली व्यवस्थाएं (शेष बचा हुवा कार्य)। अनुमानित मूल्य रु.3,79,47,912.00 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु. 3,39,700.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बंद करने की तिथिः 18-12-2025

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in निविदा के संपूर्ण विवरण को देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर.डीइइ/एम/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500071

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, हैदराबाद

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.12-12-2025 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 01 निविदा सं. व तिथिः सी_एसजी_36_578 दि.21-11-2025 बंद करने की तिथि 12-12-2025 कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे-भारतीय रेलवे में दूरसंचार संरचना या टेलिकाम इनफ्रास्ट्रक्चर की वृद्धि व उन्नयनः एससी डिवीजन के सब डिवीजन कार्यालयों, ओएफसी हट्स तथा एसएसइ कार्यालयों पर एलएएन इनफ्रास्ट्रक्चर तथा टेलिकाम नेटवर्क सुविधा का उन्नयन एवं मजबूतीकरण करना। (आईआरपीएसएम आयडी. 11.05.33.24.3.54.018), अनुमानित मूल्य रु.5,25,56,623.94 बोली सुरक्षा/पूधरा रु.4,12,800.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें। जीसीसी 2022 नुसार बोली सुरक्षा/पूर्व धरोहर राशि का भुगतान करना चाहिए।

आईआरएसजीसीसी-2022 नुसार, सभी निविदाकारों को निःशुल्क रूप में ई-निविदा प्रपत्र जारी किए जायेंगे। (संदर्भः आईआरएसजीसीसी-2022 भाग-।, खण्ड-3)

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता/को-ऑर्ड./सिकंदराबाद

A1861

निविदा शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें, द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्या जी/सी/ई-नीलामी लीजिंग/2025-26/01 दि.21-11-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटकल डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, https://www.ireps.gov.in द्वारा अठारह वर्ष से अधिक आयुवर्ग के भारतीय नागरिकों एवं क्लोज्ड एन्ड ई-नीलामी पर कंपनियों/फर्मों से ई-नीलामी आयोजित करते हैं।

क्रम संख्या	सूची संख्या	श्रेणी	सूची में स्थित स्थान	नीलामी की तिथि	नीलामी शुरू समय
1	जीटीएलवीपीएच-2526-सी2	वीपीएच की लीजिंग	1 ट्रेन 01 वीपीएच	01.12.25	11:15

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदार इस बात पर ध्यान दें कि, ई-नीलामी एवं सहभागिता प्रक्रिया से अवगत होने के लिए, आईआरइपीएस साइट के होम पेज के बायीं नेवीगेशन बार पर उपलब्ध लिंक दि लर्निंग सेंटर (यूजर मैन्युएल्स) के माध्यम से डाउनलोड किए गये यूजर मैन्युएल पर जाएं।अधिक स्पष्टीकरणों हेतु बोलीदातागण, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक का कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल पर संपर्क करें।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटकल

A1868

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.eT-North-WAT-46-2025, दिनांक :15.11.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/रायगड़ा अधिकार क्षेत्र के अधीन रायगड़ा-विजयनगरम लाइन में सीतानगरम स्टेशन में कोचिंग ट्रेन की संपूर्ण लम्बाई को स्थान मुहैया कराने के लिए मौजूदा प्लेटफॉर्म का विस्तार।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 1,39,32,044.19, EMD(रुपये में) : 2,19,700/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 06 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 11.12.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-818/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गुवाहाटी टेस्ट के पहले दिन साउथ अफ्रीका- 247/6

कुलदीप यादव ने 3 विकेट लिए; कप्तान बावुमा ने 41 रन बनाए

गुवाहाटी, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया। दक्षिण अफ्रीका ने दिन के खेल की समाप्ति तक पहली पारी में छह विकेट पर 247 रन बनाए हैं। स्टंप्स के समय क्रीज पर सेनुरन मुथुसामी 25 रन और काइल वेरेने एक रन बनाकर मौजूद हैं। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। भारत इस मैच में नियमित कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत की अगुआई में खेलने उतरा है। भारत इस मैच में भी टॉस नहीं जीत सका। भारत ने अपनी अंतिम एकादश में दो बदलाव किए हैं। गिल के स्थान पर साई सुदर्शन और अक्षर पटेल की जगह नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में लिया गया है। दक्षिण अफ्रीका ने कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच में 30 रन से जीत दर्ज करने वाली अपनी टीम में एक बदलाव करके कोर्बिन बॉस की जगह सेनुरन मुथुसामी को अपनी अंतिम एकादश में शामिल किया है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टेस्ट के पहले दिन एक भी अर्धशतक देखने को नहीं मिला, लेकिन इस दौरान कुछ ऐसा हुआ जो 149

साल के टेस्ट इतिहास में इससे पहले कभी नहीं हुआ था। पहली बार ऐसा हुआ है जब पारी में किसी टीम के शीर्ष चार बल्लेबाजों ने 35 या इससे अधिक रन बनाए, लेकिन कोई भी 50 रनों का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

इसके बाद कुलदीप की फिरकी का जादू चला और टीम ने वापसी करने की कोशिश की। बाएं हाथ के कलाई के गेंदबाज कुलदीप ने दूसरे सत्र के शुरू में ही दूसरे सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन को आउट करके दक्षिण अफ्रीका के खेमे में खलबली मचा दी। रिकेल्टन 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बावुमा और स्टब्स ने धैर्य से काम लिया और दूसरे सत्र में अपनी टीम को कोई और झटका नहीं लगने दिया। स्टब्स को लय हासिल करने में कुछ समय लगा लेकिन इसके बाद उन्होंने आत्मविश्वास से भरे शॉट खेले। उन्होंने कुलदीप की गेंद पर लांग आफ पर छक्का भी लगाया। दूसरी तरफ बावुमा ने किसी तरह की हड़बड़ी नहीं दिखाई और सहजता से रन बटोरे।

बावुमा ने इस दौरान कप्तान के तौर पर टेस्ट में 1000 रन पूरे किए और वह दक्षिण अफ्रीका के लिए ऐसा करने वाले नौवें खिलाड़ी बने। बावुमा लगातार दूसरा अर्धशतक लगाने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन जडेजा ने यशस्वी के हाथों कैच कराकर बावुमा की पारी का अंत कर दिया। बावुमा 41 रन बनाकर पवेलियन लौटे। स्टब्स लय में दिख रहे थे, लेकिन उन्हें कुलदीप ने राहुल के हाथों कैच कराया और वह 49 रन बनाकर आउट हुए। इस तरह दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष चार बल्लेबाजों ने 35+ का स्कोर बनाया, लेकिन कोई भी अर्धशतक नहीं लगा सका है। ऐसा टेस्ट क्रिकेट के 149 साल के इतिहास में पहली बार देखने मिला है।

चौ तिएन को रोमांचक मैच में हराकर लक्ष्य सेन ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे

सिडनी, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने विश्व नंबर-छह और दूसरे वरीय खिलाड़ी चौ तिएन-चेन (चीनी ताइपे) को कड़े संघर्ष में 17-21, 24-22, 21-16 से पराजित किया। यह मुकाबला करीब 86 मिनट तक चला और इसमें लक्ष्य का जज्बा और धैर्य देखने लायक था।

पहला गेम: धीमी शुरुआत, दबाव में गिरे अंक

पहले गेम में लक्ष्य की शुरुआत कमजोर रही और चेन ने अपनी सटीक प्लेसमेंट और आक्रामक गेम के दम पर 11-6 की बढ़त

बना ली। लक्ष्य ने कुछ शानदार शॉट्स जरूर लगाए, लेकिन लगातार गलतियों ने अंतर बढ़ाया और वे पहला गेम 17-21 से हार गए।

दूसरा गेम: रफ्तार, धैर्य और वापसी की कहानी

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी रैलियों और शानदार नेट गेम देखने को मिला। स्कोर कई बार बराबर पहुंचा, लेकिन अंतिम पलों में लक्ष्य के शानदार स्मैश और आत्मविश्वास ने उन्हें 24-22 से गेम जिताया। यह जीत निर्णायक साबित हुई क्योंकि इससे मैच का मोमेंटम भारत की ओर शिफ्ट हुआ।

तीसरा गेम: अनुभव बनाम ऊर्जा और जीत लक्ष्य की

निर्णायक गेम में लक्ष्य ज्यादा फिट और तेज नजर आए, जबकि 35 वर्षीय चेन की रफ्तार कम होती दिखी। लक्ष्य ने लगातार दबाव बनाए रखा और 6-1 की शुरुआती बढ़त के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शानदार नेट ड्रॉप्स, सटीक स्मैश और आत्मविश्वास भरे शॉट्स की बदौलत लक्ष्य ने गेम 21-16 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

अब फाइनल में मुकाबला

फाइनल में लक्ष्य का सामना या तो जापान के युशी तानाका या चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुने-यी से होगा। इन दोनों के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाना है। इस सीजन लक्ष्य अभी तक कोई खिताब नहीं जीत पाए हैं, इसलिए यह फाइनल उनके लिए बेहद खास मौका होगा।

श्रेयस अय्यर की अभी नहीं होगी वापसी, 2 महीने बाद होगा अगला स्कैन

मुंबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोट का सामना करना पड़ा था. सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए तीसरे वनडे मैच में उनकी स्पिलिन में चोट आ गई थी. ये घटना कैच पकड़ते समय घटी थी. जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था. इंटरनल ब्लीडिंग के चलते उनका ऑपरेशन भी करना पड़ा था. अब वह अपनी चोट से उभर रहे हैं. लेकिन क्रिकेट के मैदान पर उनकी वापसी के लिए फैंस को लंबा इंतजार करना पड़ेगा.

श्रेयस अय्यर की वापसी पर बड़ा अपडेट

टीम इंडिया को 30 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है. लेकिन इस सीरीज में श्रेयस अय्यर की वापसी ना के बराबर मानी जा रही है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अय्यर अभी भी कम से कम तीन महीने और मैदान से बाहर रहेंगे. हालांकि, श्रेयस अय्यर की सेहत में सुधार हो रहा है. अय्यर ने हाल ही में अपने घर के पास अल्ट्रासोनोग्राफी स्कैन करवाया था.

जिसके मुताबिक, उनकी हीलिंग सही दिशा में है. लेकिन उन्हें अभी कोई भी ट्रेनिंग या एक्सरसाइज से दूर रहना होगा.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, दो महीने पूरे होने पर श्रेयस अय्यर को एक और यूएसजी स्कैन करवाना होगा, जिसके बाद उनकी वापसी पर फैसला लिया जाएगा. स्कैन के बाद सब कुछ सही रहता है तो श्रेयस बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी रिहैब शुरू कर पाएंगे. यानी अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले साल जनवरी में होने वाली सीरीज से भी चूक सकते हैं. वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया जा रहा है कि अय्यर की आईपीएल 2026 से पहले वापसी की संभावना नहीं है.

कैसे लगी थी चोट?

दरअसल, सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलेक्स कैरी का कैच लपकने के दौरान श्रेयस जमीन पर गिर गए थे. इस दौरान वह जोर से जमीन से टकराए थे और खड़े भी नहीं हो सके थे. दर्द से कराहते देख बीसीसीआई की मेडिकल टीम तुरंत उन्हें मैदान से बाहर ले गई थी और चोट की पहचान कर ली गई थी.

फिर बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के साथ मिलकर श्रेयस का इलाज किया. वह हाल ही में भारत लौटे हैं. चोट के चलते उन्हें टीम के लिए वापस भारत के लिए उड़ान नहीं भरी थी.

पूर्व विश्व चैंपियन गोलोवकिन वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष बने

वॉशिंगटन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व विश्व चैंपियन गेनाडी गोलोवकिन विश्व मुक्केबाजी की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। कजाकिस्तान के रहने वाले गोलोवकिन को वर्ल्ड बॉक्सिंग के अध्यक्ष पद के लिए यूनान के हरिलाओस मारिओलिस के खिलाफ चुनाव लड़ने की उम्मीद थी, लेकिन संगठन ने कहा कि जांच प्रक्रिया के बाद वह एकमात्र योग्य उम्मीदवार पाए गए हैं।

गोलोवकिन ने एक प्रतिनिधि के माध्यम से जारी बयान में कहा, 'मुझे सूचित किया गया है कि अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल

एकमात्र अन्य उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'मैं वर्ल्ड बॉक्सिंग के स्वतंत्र जांच पैनल के काम की सराहना करना चाहूंगा, जिसने यह सुनिश्चित करने में मदद की कि सभी चुनाव ओलंपिक खेल में प्रशासन के उच्चतम मानकों के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हों।'

कजाकिस्तान के पूर्व मिडिलवेट चैंपियन गोलोवकिन को अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था, क्योंकि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ संबंधों को फिर से सुधारने के लिए वर्ल्ड बॉक्सिंग के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था।

गोलोवकिन ने 2004 में ओलंपिक में रजत पदक जीता था और पेशेवर बनने के बाद वह लंबे समय तक विश्व चैंपियन रहे। उन्होंने 2022 में संन्यास ले लिया था।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराया

सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया; मैट हेनरी ने 4 विकेट लिए

हेमिल्टन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। हेमिल्टन के सेडुन पार्क में खेले गए तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराकर सीरीज में 3-0 की क्लीन स्वीप दर्ज की। न्यूजीलैंड शुरुआती दो मैच जीतकर पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुका था।

वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और न्यूजीलैंड के सामने 162 रनों का लक्ष्य रखा। कीवी टीम ने यह लक्ष्य 30.2 ओवर में 6 विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया। मैट हेनरी ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 4 विकेट लिए, जबकि मार्क चैपमैन ने 64 और माइकल ब्रेसवेल ने 40 रन बनाकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

2020 से अब तक न्यूजीलैंड घर में सिर्फ 2 वनडे हारा

न्यूजीलैंड ने 2020 से अब तक घरेलू वनडे में शानदार प्रदर्शन किया है और इस अवधि में वह सिर्फ दो वनडे मैच हारा है।

लगातार घरेलू वनडे सीरीज जीतने के मामले में वह विश्व में दूसरे स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका ने 17 लगातार सीरीज जीती हैं, जबकि न्यूजीलैंड अब 11 लगातार घरेलू सीरीज जीत चुका है।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने 8 विकेट लिए

इस मुकाबले में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज की बैटिंग पूरी तरह ध्वस्त कर दी। मैट हेनरी ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट लेकर 43 रन दिए। उनके अलावा काइल जेमिसन, जैकब डफी और ज़ैक फोल्क्स ने मिलकर 4 विकेट चटकाए। जैक फोल्क्स को नाथन स्मिथ की जगह मौका मिला था, जो हैमस्ट्रिंग चोट के कारण टीम से बाहर हो गए थे।

वेस्टइंडीज 36.2 ओवर में सिर्फ 161 पर सिमटी

पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत कमजोर रही और टीम ने 38 रन पर ही अपने दो विकेट खो दिए। कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका, जिसके कारण पूरी टीम सिर्फ 36.2 ओवर में 161 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। वेस्टइंडीज के लिए रोस्टन चेज ने 51 गेंदों में 38 रन, जॉन कैंपबेल ने 24 गेंदों मे 26 रन और निचेल क्रम में खैरी पिएरे ने 34 गेंदों में नाबाद 22 रन बनाए।

चैपमैन–ब्रेसवेल की 75 रनों की साझेदारी ने न्यूजीलैंड की जीत सुनिश्चित की

162 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। 32 रन के भीतर ही उसके 3 विकेट गिर गए। ओपनर डेवोन कॉन्वे 11, रचिन रवींद्र 14 और विल यंग 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

इसके बाद मार्क चैपमैन ने पारी को संभाला। चौथे विकेट के लिए उन्होंने टॉम लाथम के साथ 52 गेंदों में 38 रनों की साझेदारी की। उसके बाद पांचवें विकेट के लिए मार्क ब्रेसवेल के साथ 48 गेंदों में 75 रनों की अहम साझेदारी की, जिसने टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया। चैपमैन ने 63 गेंदों

ऑस्ट्रेलिया ने 2 दिन में पहला एशेज टेस्ट जीता

इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया, हेड की 69 गेंद पर सेंचुरी; स्टार्क को 10 विकेट

पर्थ, 22 नवंबर (एजेंसियां)। एशेज सीरीज के इतिहास में जो कभी नहीं हुआ था वो ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ के मैदान पर कर दिखाया है। कंगारू टीम ने पहले टेस्ट मैच को सिर्फ 2 दिन के अंदर ही जीत लिया। इंग्लैंड से मिले 205 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने हंसते-खेलते हुए सिर्फ 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टीम की ओर से ट्रेविस हेड ने कोहराम मचाते हुए तूफानी शतक जमाया और मैच को पूरी तरह से एकतरफा कर डाला। हेड के बल्ले से 83 गेंदों में 123 रनों की यादगार पारी निकली। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

2 दिन में जीता ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ 2 दिन में पर्थ के मैदान पर इंग्लैंड का काम तमाम कर दिया है। पहले टेस्ट को कंगारू टीम ने 8 विकेट से अपने नाम किया। इंग्लैंड से मिले 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को ट्रेविस हेड और जेक वेदराल्ड ने अच्छी

शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। वेदराल्ड तो 23 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन हेड ने दूसरे छोर से अपनी तूफानी बल्लेबाजी जारी रखी।

हेड ने अपना अर्धशतक सिर्फ 36 गेंदों में पूरा किया। फिफ्टी जमाने के बाद हेड और भी आक्रामक हो गए और उन्होंने 69 गेंदों में अपना शतक ठोक डाला। 83 गेंदों की अपनी पारी में हेड ने 16 चौके और 4 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 123 रनों की विस्फोटक पारी खेली। हेड के आगे इंग्लिश बॉलिंग अटैक मजाक बनकर रह गया। वहीं, नंबर तीन पर उतरे मार्नस लाबुशेन ने भी 49 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली।

स्टार्क-बोलैंड ने बरपाया कहर

बल्लेबाजी में अगर ट्रेविस हेड ने कोहराम मचाया, तो गेंदबाजी में मिचेल स्टार्क और बोलैंड ने महफिल लूटी। स्टार्क ने पूरे मैच में कुल 10 विकेट अपने नाम किए। 35 साल में स्टार्क यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बने। स्टार्क को दूसरे छोर से बोलैंड का भी दूसरी इनिंग में अच्छा साथ मिला।

एक समय पर इंग्लैंड 65 के स्कोर पर सिर्फ एक विकेट खोकर अच्छी स्थिति में दिखाई दे रही थी, लेकिन इसके बाद टीम का बैटिंग ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। बोलैंड और स्टार्क ने मिलकर 7 विकेट निकाले और दूसरी पारी में इंग्लैंड की पूरी टीम 164 रन बनाकर ढेर हो गई। टीम की तरफ से सर्वाधिक 37 रन गस एटकिंसन ने बनाए, जबकि ओली पोप ने 33 रन बनाए।

बढ़त लेने के बावजूद हारा इंग्लैंड

पहली इनिंग में इंग्लैंड की पूरी टीम 172 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी। मिचेल स्टार्क के आगे इंग्लिश बैटर्स ने आसानी से घुटने टेक दिए थे। स्टार्क ने कहर बरपाते हुए इंग्लैंड के 7 बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। हालांकि, इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया का हाल और भी बेहाल रहा और पूरी टीम 132 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

गेंदाबजी में मेहमान टीम की तरफ से बेन स्टोक्स ने पांच और ब्रायडन कार्स ने 3 विकेट चटकाए। इस तरह पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड को 40 रनों की बढ़त मिली थी, लेकिन इसके बावजूद टीम के गेंदबाज 205 रनों के टारगेट का बचाव करने में नाकाम रहे।

भारत राइजिंग स्टार्स एशिया कप सेमीफाइनल में बांग्लादेश से हारा

आखिरी गेंद पर 3 रन बनाकर मैच टाई कराया, सुपर ओवर में वाइड फेंककर हारे

दोहा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। इंडिया-ए राइजिंग स्टार्स एशिया कप के सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गई। दोहा में बांग्लादेश-ए ने टीम को सुपर ओवर में हराया। भारत ने आखिरी गेंद पर 3 रन लेकर किसी तरह मैच टाई कराया, लेकिन सुपर ओवर में टीम एक रन भी नहीं बना सकी। बांग्लादेश ने भी सुपर ओवर की पहली गेंद पर विकेट गंवा दिया। गेंदबाजी कर रहे सुयश शर्मा ने अगली गेंद वाइड फेंक दी और बांग्लादेश फाइनल में पहुंच गया।

भारत से वैभव सूर्यवंशी ने 38 और प्रियांश आर्या ने 44 रन बनाकर इंडिया-ए को जीत दिलाने की कोशिश की। गुरजपनीत सिंह ने 2 विकेट लिए। बांग्लादेश से हबिबुर रहमान ने 65 और मेहरोब ने 48 रन बनाए। रिपन मॉन्डल ने सुपर ओवर में 2 गेंद पर 2 विकेट झटके।

हबिबुर रहमान ने फिफ्टी लगाई

दोहा के वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इंडिया-ए ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। बांग्लादेश को हबिबुर रहमान सोहन और जिशान आलम ने मजबूत शुरुआत दिलाई। जिशान 14 गेंद पर 26 रन बनाकर आउट हुए और दोनों के बीच 43 रन की पार्टनरशिप टूटी।

हबिबुर एक एंड पर टिके रहे, लेकिन उनके सामने विकेट गिरते रहे। जवाद अबरार 13, कप्तान अकबर अली 9 और अबु हिदर खाता खोले बगैर आउट हो गए। हबिबुर भी 65 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। टीम ने 130 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। महिदुल इस्लाम 1 रन बनाकर आउट हुए। यहां से

मेहरोब और यासिर अली ने बांग्लादेश को 194 रन तक पहुंचा दिया। मेहरोब ने 18 गेंद पर 48 और यासिर ने 9 गेंद पर 17 रन बनाए। इंडिया-ए से तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने 39 रन देकर 2 विकेट लिए। हर्ष दुबे, सुयश शर्मा, रमनदीप सिंह और नमन धीर को 1-1 विकेट मिला। विजयकुमार वैशाख कोई विकेट नहीं ले सके।

मजबूत शुरुआत के बाद बिखरी इंडिया-ए

195 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंडिया-ए को मजबूत शुरुआत मिली। टीम ने 3 ही ओवर में 49 रन बना दिए। वैभव सूर्यवंशी 15 गेंद पर 38 रन बनाकर आउट हुए, यहां से टीम का स्कोरिंग रेट गिरने लगा। 6 ओवर में टीम 62 रन ही बना सकी। नमन धीर 12 गेंद पर 7 रन बनाकर आउट हो गए। प्रियांश आर्या ने फिर 23 गेंद पर तेजी से 44 रन बनाए और टीम को 100 रन के करीब पहुंचा दिया। कप्तान जितेश शर्मा ने फिर नेहल वाधेरा के साथ टीम को 150 तक पहुंचाया। जितेश 33 रन बनाकर आउट हुए। यहां से टीम को 30 गेंद पर 45 रन चाहिए थे।

आखिरी गेंद पर 3 रन लेकर टाई कराया मैच

वाधेरा ने फिर रमनदीप सिंह के साथ टीम को टारगेट के करीब पहुंचाया। रमनदीप 11 गेंद पर 17 रन बनाकर आउट हुए। आखिरी ओवर में टीम को 16 रन चाहिए थे, रकिबुल हसन के खिलाफ शुरुआती 2 गेंद पर 2 ही रन बने। तीसरी गेंद पर आशुतोष शर्मा ने छक्का लगा दिया। चौथी गेंद को आशुतोष ने लॉन्ग ऑफ की ओर खेला, लेकिन फील्डर ने कैच छोड़ दिया और गेंद चौके के लिए चली गई। पांचवीं गेंद पर आशुतोष बोल्ड हो गए। आखिरी गेंद पर 4 रन चाहिए थे, हर्ष दुबे ने 3 रन दौड़े और मैच टाई करा दिया।

सुपर ओवर में इंडिया-ए से कप्तान जितेश शर्मा और रमनदीप सिंह बैटिंग करने उतरे। रिपन मॉन्डल बॉलिंग करने आए। उन्होंने पहली गेंद यॉर्कर फेंकी और जितेश को बोल्ड कर दिया। आशुतोष शर्मा बैटिंग करने आए, रिपन ने स्लोऑर बॉल फेंकी और आशुतोष कवर्स पर कैच हो गए।

सुपर ओवर में 2 ही विकेट होते हैं, इसलिए टीम इंडिया बगैर रन बनाए ही आउट हो गई। बांग्लादेश-ए को 1 रन का टारगेट मिला। टीम से यासिर अली और जिशान आलम बैटिंग करने आए। भारत से सुयश शर्मा ओवर फेंकने आए, उन्होंने पहली ही गेंद पर यासिर को कैच करा दिया। अकबर अली बैटिंग करने आए, सुयश ने अगली गेंद वाइड फेंकी और बांग्लादेश को जीत मिल गई।

व्हाइट बॉल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका टीम घोषित

बावुमा वनडे, मार्करम टी-20 में कप्तानी करेंगे; भारत के खिलाफ 30 नवंबर से मैच

खेल डेस्क, 22 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ही वनडे में भी टीम को लीड करेंगे। वहीं ऐडन मार्करम टी-20 फॉर्मेट में कप्तानी संभालते नजर आएंगे। दोनों टीमों के बीच 30 नवंबर से 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज शुरू होगी।

रांची में पहला वनडे होगा

साउथ अफ्रीका ने वनडे टीम में ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जकी, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, प्रनेलन सुब्रायन और रुबिन हरमन को शामिल किया। ये सभी प्लेयर्स फिलहाल खेली जा रही टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। वनडे सीरीज के 3 मैच रांची, रायपुर और विशाखापट्टनम में खेले जाएंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब 10 महीने बाद भारत में इंटरनेशनल मैच खेलते नजर आएंगे। दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी बार घरेलू मैदान पर वनडे सीरीज खेली थी। फिर दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद दोनों ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया सीरीज से वापसी की थी।

19 दिसंबर को खत्म होगा दौरा

टी-20 टीम में डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, जॉर्ज लिंडे, डेविड मिलर और एनरिक नॉर्त्या को शामिल किया गया। सीरीज के 5 मुकाबले 9 से 19 दिसंबर तक खेले जाएंगे। मुकाबले कटक, मुल्लांपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद में होंगे। साउथ अफ्रीका का भारत दौरा 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू हुआ। यहां टीम ने पहला टेस्ट जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। अब दूसरा मुकाबला गुवाहाटी में 22 नवंबर से खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका का स्क्वॉड

वनडेः टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जकी, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, मार्को यानसन, केशव महाराज, ऐडन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रायन रिकेल्टन, प्रनेलन सुब्रायन।

टी-20ः ऐडन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्त्या और ट्रिस्टन स्टब्स।

शिक्षा में परिवर्तन लाना मुख्य मिशन : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने शनिवार को कहा कि शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी बदलाव लाना राज्य सरकार की मुख्य प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना वैश्विक उभरते बाजारों के लिए युवाओं को भविष्य-तैयार मानव संसाधन बनाने हेतु स्किलिंग, री-स्किलिंग और अप-स्किलिंग को प्राथमिकता दे रहा है। मंत्री जेएनटीयू ऑडिटोरियम, कूकटपल्ली में आयोजित जेएनटीयूएच ग्लोबल एलुमनाई मीट-2025 में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। श्रीधर बाबू ने कहा कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, साथ ही क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उभरती तकनीकों में तेलंगाना को प्रमुख स्थान दिलाने के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि राज्य जल्द ही अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के सहयोग से विकसित तेलंगाना एआई इनोवेशन हब शुरू करेगा, जिससे एआई में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। छात्रों और पूर्व छात्रों से अपने मूल स्थान से जुड़े रहने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, हम चाहे कितनी भी ऊंचाइयों पर पहुंचें, हमें अपनी जड़ों को नहीं भूलना चाहिए। समाज को वापस देना कृतज्ञता के साथ जुड़ी एक ज़िम्मेदारी है। मंत्री ने कहा कि कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने से व्यक्ति प्रगति और जवाबदेही की मांग करने में सक्षम होता है। उन्होंने एलुमनाई नेटवर्क से एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना के साथ-साथ रिसर्च क्लस्टर, अंतरराष्ट्रीय मेंटरशिप नेटवर्क, नवाचार वित्तपोषण चैनलों और ग्लोबल एलुमनाई काउंसिल बनाने में नेतृत्व करने की अपील की। मंत्री ने राज्य सरकार की ओर से इन पहलुओं के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

छात्रों को संबोधित करते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि युवा इंजीनियरों को नौकरी पाने वालों की बजाय नौकरी देने वाले बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। शैक्षणिक सीख के साथ-साथ उन्होंने व्यावहारिक अनुभव और समस्या-समाधान क्षमता को भी महत्वपूर्ण बताया, जो नवाचार-प्रेरित विकास के लिए आवश्यक हैं।

आसिफनगर में दो समूहों की भिड़ंत से मचा हंगामा

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफनगर क्षेत्र में शुक्रवार रात दो समूहों के बीच घातक हथियारों के साथ हुई झड़प के बाद कुछ समय के लिए तनाव फैल गया। यह घटना मुरादनगर इलाके में हुई, जहां आपराधिक पृष्ठभूमि वाले दो लोगों के बीच विवाद बढ़ते-बढ़ते लड़ाई में बदल गया।

झड़प के दौरान कई वाहनों को नुकसान पहुंचा और कुछ लोगों पर लाठियों और पत्थरों से हमला किया गया। रिहायशी इलाके में सड़क पर भिड़ंत होते देख स्थानीय लोग घबरा गए और अपने घरों की खिड़कियां-दरवाजे बंद कर अंदर ही रहे। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। स्थानीय निवासियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि पुलिस समय रहते कार्रवाई नहीं कर पाई, जिससे भीड़ को खुलेआम घूमने और हमला करने का मौका मिला।

ग्राम पंचायत चुनाव रिजर्वेशन पर जीओ जारी

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने शनिवार को तेलंगाना में ग्राम पंचायत चुनावों के लिए रिजर्वेशन के बारे में जीओ जारी किया। सरकार ने सरपंच और वार्ड मेंबर के लिए पद रिज़र्व करने की प्रक्रिया को फ़ाइनल कर दिया है और गाइडलाइंस तय की हैं, जिसमें बताया गया है कि कुल रिज़र्वेशन 50 प्रतिशत से ज़्यादा नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अगुवाई वाली राज्य सरकार ने जल्द से जल्द लोकल बॉडी चुनाव कराने का फ़ैसला किया है। इसी कोशिश के तहत, ग्राम पंचायत रिज़र्वेशन पर पूरी गाइडलाइंस जारी की गई हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक रिजर्वेशन पर एक स्पेशल कमीशन बनाया गया है। सरकार के जीओ में साफ़ तौर पर कहा गया है कि कुल रिज़र्वेशन 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिए। आदेश में कहा गया है कि एसटी, एससी, बीसी और महिलाओं के लिए रिजर्वेशन रोटेशनल बेसिस पर लागू किया जाना चाहिए। रिजर्वेशन का बंटवारा सोशल, इकोनॉमिक, एम्प्लॉयमेंट, पॉलिटिकल और एजुकेशन सर्वे (एसईईपीसी 2024 पॉपुलेशन डेटा) के आधार पर होना चाहिए और गाइडलाइंस में कहा गया है कि सरपंच रिजर्वेशन के लिए 2011 की जनगणना के साथ एसईईपीसी डेटा का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। कहा गया है कि सौ प्रतिशत एसटी गांवों में सभी वार्ड और सरपंच पद सिर्फ़ एसटी के लिए रिज़र्व होने चाहिए। कहा गया है कि रिजर्वेशन डिसेंडिंग पॉपुलेशन ऑर्डर के हिसाब से बांटे जाने चाहिए। सरकार ने जीओ में आगे कहा है कि पिछले चुनावों में रिजर्व किए गए वार्ड/गांवों को उसी कैटेगरी के लिए दोबारा रिजर्व नहीं किया जाना चाहिए, और 2019 के चुनावों में लागू नहीं किए गए रिजर्वेशन वैसे ही जारी रह सकते हैं। इसी तरह, यह भी कहा गया है कि वार्ड रिजर्वेशन पर फ़ैसला एमपीडीओ की देखरेख में लिया जाना चाहिए और सरपंच रिज़र्वेशन पर फ़ैसला आरडीओ की देखरेख में लिया जाना चाहिए। कहा गया है कि पहले एसटी आरक्षण को फाइनल किया जाना चाहिए और फिर एससी और बीसी को आरक्षण दिया जाना चाहिए। राज्य सरकार ने गाइडलाइंस में कहा है कि सभी कैटेगरी में महिलाओं के लिए रिजर्वेशन अलग से कैलकुलेट करके लागू किया जाना चाहिए। अगर ग्राम पंचायतों/वार्ड की संख्या कम है, तो पहले महिलाओं को आवंटित किया जाना चाहिए और फिर लॉटरी तरीके से किया जाना चाहिए। इस मौके पर, राज्य सरकार ने सभी जिला कलेक्टर और इलेक्शन अथॉरिटी को इस बारे में कदम उठाने का निर्देश दिया।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की अनदेखी पर भड़के हरीश राव

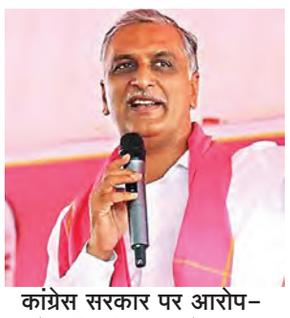

कांग्रेस सरकार पर आरोप-सेवानिवृत्ति लाभ रोककर कर्मचारियों को मानसिक संकट में धकेला

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि 30 साल या उससे ज्यादा समय तक काम करने वाले कर्मचारियों के प्रति सरकार का रवैया बेहद अमानवीय और अनैतिक है। शनिवार को उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह हजारों सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों को उनके सेवानिवृत्ति लाभ देने में जानबूझकर देरी कर रही है, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हरीश राव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें एक सेवानिवृत्त कर्मचारी अपनी बकाया राशि के लिए लंबा इंतजार करने की पीड़ा व्यक्त करते हुए रो पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार बड़े ठेकेदारों के बिलों का तेजी से भुगतान कर रही है, लेकिन सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनका हक देने में देरी की जा रही है।

उन्होंने मुसी नदी पुनरुद्धार और फोर्थ सिटी सहित बड़े प्रोजेक्ट्स का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि सरकार केवल उन योजनाओं पर खर्च कर रही है, जिनमें कमीशन की गुंजाइश है, जबकि सेवानिवृत्ति लाभों में कोई कमीशन नहीं होने के कारण फाइलें अटकी हुई हैं। पूर्व मंत्री ने दावा किया कि कर्मचारियों का 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का सेवानिवृत्ति बकाया लंबित है, जो देश में सबसे अधिक है। कई सेवानिवृत्ति प्राप्त लोग लंबे समय से ग्रेच्युटी, कम्युटेशन और अवकाश नकदीकरण जैसी रकम का इंतजार कर रहे हैं और कुछ को अदालतों तक जाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि देरी से मानसिक तनाव के कारण कई लोग मौत का शिकार भी हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का हर महीने 700 करोड़ रुपये जारी करने का वादा केवल दिखावा साबित हुआ है और सेवा में कार्यरत कर्मचारी भी समय पर वेतन न मिलने से परेशान हैं।

एफओबी लिफ्ट की त्वरित मरम्मत के आदेश

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की डिप्टी मेयर मोथे श्रीलता शोभन रेड्डी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बताया कि तारनाका स्थित सेंट ऐन्स हाई स्कूल के पास फुट ओवर ब्रिज की लिफ्ट काम नहीं कर रही है, जिससे छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय निवासियों को मुख्य सड़क पार करने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। श्रीलता शोभन रेड्डी ने स्थल का दौरा किया और लिफ्ट की स्थिति का स्वयं निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जीएचएमसी इंजीनियरिंग अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया और लिफ्ट के बंद होने के तकनीकी कारणों पर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा गया। अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए डिप्टी मेयर ने कहा, मरम्मत तुरंत पूरी की जानी चाहिए और लिफ्ट को बिना देरी जनता के लिए खोल देना चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही होने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हाईकोर्ट की सुनवाई पूरी होने से पहले जीओ जारी करना बीसी वर्गों के साथ अन्याय : कृष्णैया

जीओ 46 वापस नहीं लिया गया तो सरकार के विरूद्ध आंदोलन : राव

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को सरकार ने जीओ 46 जारी करते हुए एससी, एसटी और बीसी को मिलाकर कुल 50 प्रतिशत से कम आरक्षण के आधार पर स्थानीय संस्थाओं के चुनाव कराने के निर्देश जारी किए। इस निर्णय को बीसी वर्गों के साथ किया गया सीधा धोखा बताते हुए राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय बीसी कल्याण संघ के अध्यक्ष आर कृष्णैया तथा राज्य बीसी आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव ने कड़ा विरोध व्यक्त किया। बशीरबाग प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में बीसी जेएसी संयोजक कॉन्डे देवैया सहित कई बीसी नेता उपस्थित रहे। आर कृष्णैया ने कहा कि हाईकोर्ट की सुनवाई पूरी होने से पहले और तर्क प्रस्तुत करने का अवसर दिए बिना सरकार द्वारा जीओ जारी करना बीसी वर्गों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का भरोसा सरकार ने वर्षों तक दिलाया और अंत में बीसी समुदाय को निस्सहाय स्थिति में छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि डेडिकेटेड आयोग की रिपोर्ट के आधार पर तैयार बिल 3 और बिल 4 को राज्य विधानसभा और परिषद में सर्वसम्मति से पारित करके राष्ट्रपति को भेजा गया था, फिर भी सरकार ने इन विधेयकों की प्रगति पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने कहा कि सरकार अब यह कहते हुए जीओ 46 जारी कर रही है कि आयोग की रिपोर्ट 20 नवंबर 2025 को प्राप्त हुई, जबकि पूर्व में इसी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण प्रतिशत निर्धारित कर विधेयक पारित किया गया था। यह तथ्य सरकार द्वारा अनदेखा करना गंभीर और विरोधाभासी है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश अनुसार वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक स्थिति का व्यापक अध्ययन करने की आवश्यकता थी, परंतु सरकार ने कमरे में बैठकर रिपोर्ट तैयार कर बीसी समाज के राजनीतिक अधिकारों को बाधित किया। एसपीईसी सर्वे में बीसी जनसंख्या को कम दर्शाकर निर्णय लिए गए जो न्यायालय में टिक नहीं सकते। उन्होंने मांग की कि जीओ 46 को तत्काल वापस लिया जाए। इसके बाद राज्य बीसी आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव ने कहा कि जीओ 46 में सरकार ने यह उल्लेख किया है कि निर्णय 20 नवंबर 2025 को आयोग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर लिया गया, परंतु क्या उस रिपोर्ट को मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिली। जब पूर्व में इसी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर विधेयक तैयार कर विधायिकाओं ने पारित किया था, तो इस समय फिर नई रिपोर्ट की आवश्यकता क्यों पड़ी। प्रारंभ से ही सरकार द्वारा तथ्य छिपाने का प्रयास किया गया, यह संदेह अब वास्तविकता में बदल गया है। उन्होंने कहा कि यह केवल परिस्थितियों का विश्लेषण नहीं है, बल्कि अगले दो दिनों में आंदोलनात्मक कार्य योजना की घोषणा की जाएगी। यदि जीओ 46 वापस नहीं लिया गया तो सरकार के विरूद्ध संघर्ष तेज किया जाएगा।

अध्यक्ष के फैसले का पालन करूंगा

अयोग्यता याचिका पर बोले विधायक कडियम श्रीहरि

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार से मुलाकात के एक दिन बाद स्टेशन घनपुर के विधायक कडियम श्रीहरि ने शनिवार को कहा कि अयोग्यता याचिका का जवाब न दे पाने का कोई खास कारण नहीं था और वह अध्यक्ष के फैसले का सम्मान करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने श्रीहरि और खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र को 23 नवंबर से पहले सुनवाई में उपस्थित होने का नोटिस दिया था। इसी क्रम में श्रीहरि ने शुक्रवार को बैठक के दौरान उत्तर देने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। एक समाचार चैनल से बातचीत में श्रीहरि ने कहा, मैंने कुछ और समय मांगा है और अध्यक्ष ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। आज समय सीमा तय हो सकती है। उन्होंने बताया कि वह कानूनी विशेषज्ञों और अपने समर्थकों से चर्चा कर रहे हैं और उसके बाद ही अपना जवाब प्रस्तुत करेंगे।

अयोग्यता याचिका के चलते उपचुनाव की संभावना पर उन्होंने कहा, मैंने इस्तीफे पर कोई टिप्पणी नहीं की है। परिस्थितियों और अध्यक्ष के निर्णय के अनुसार फैसला लूंगा। विपक्षी दलों द्वारा उपचुनाव को लेकर चलाए जा रहे अभियान की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि वे अनावश्यक रूप से उत्साहित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर उपचुनाव हुआ, तो मैं फिर से चुनाव लड़ूंगा और जनता मुझे दोबारा चुनकर भेजेगी।

नवजात शिशु की बिक्री का प्रयास विफल, 15 के खिलाफ मामला दर्ज

करीमनगर, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर टाउन-II पुलिस ने एक नवजात शिशु को बेचने के प्रयास के आरोप में 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, हैदराबाद की एक महिला एक व्यक्ति के प्रेम में पड़ गई और गर्भवती होने के बाद जब वह व्यक्ति फरार हो गया, तो वह अकेली पड़ गई। परिस्थितियों से मजबूर होकर उसने बिचौलियों से संपर्क किया और उनकी सलाह पर एक सप्ताह पहले हैदराबाद के एक अस्पताल में एक लड़के को जन्म दिया। कथित रूप से बिचौलियों ने गन्नेरुवरम मंडल के चकालीवनीपल्ली निवासी एक दंपत्ति को 6 लाख रुपये में नवजात शिशु बेचने का सौदा किया। गुरुवार को बच्चा करीमनगर लाया गया और साईं बाबा मंदिर के पास दंपत्ति को सौंपने की कोशिश की गई।

सूचना मिलने पर बाल संरक्षण समिति ने मौके पर पहुंचकर बच्चे को मुक्त कराया और जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। बाल संरक्षण अधिकारी जोगी तिरुपति की शिकायत पर पुलिस ने अवैध सौदे में शामिल 15 व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

Jersey Launch

Jersey Launch 7.3o am Sunday vj CA tranaka

7th Pandith Deen Dayal Upadhyay Jr. National Cricket Championship-2025 to be held between 24th & 30th November at various venues at Goa.

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

सीपी सज्जनार ने साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने की अपील की

साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि जनता का डर और लालच साइबर अपराधियों के लिए निवेश बनता जा रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक व्यक्ति को साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। सीपी शनिवार को चारमीनार में आयोजित जागृत हैदराबाद- सुरक्षित हैदराबाद साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर उन्होंने चारमीनार क्षेत्र में साइबर अपराध रोकथाम पर पर्चे भी वितरित किए। इसके बाद सज्जनार ने चारमीनार से मदीना तक जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाते हुए कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों को साइबर प्रतिज्ञा दिलाई। इस अवसर पर सज्जनार ने बताया कि हैदराबाद को साइबर अपराध-मुक्त शहर बनाने की मंशा से हर मंगलवार और शनिवार को जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

उन्होंने समझाया कि इस कार्यक्रम के तहत पुलिस अधिकारी सप्ताह के इन दोनों दिनों में हर घर जाकर जागरूकता फैला रहे हैं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि जागरूकता की कमी के कारण कई लोग साइबर अपराधों का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी प्रकार के साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए लोगों में स्वयं जागरूकता होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि साइबर अपराध रोकथाम में जनता की भागीदारी बढ़ाई जा रही है, और जो स्वयं आगे आते हैं, उन्हें साइबर सिम्बा के रूप में पंजीकरण करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सज्जनार ने हर घर में एक साइबर सिम्बा तैयार करने की अपील की, ताकि परिवार और समाज को साइबर धोखाधड़ी से बचाया जा सके। उन्होंने लोगों को चेतावनी दी कि निजी फोटो और व्यक्तिगत जानकारी सोशल मीडिया पर अपलोड न करें, क्योंकि ऐसा करने से फंसने और ठगी का शिकार होने की संभावना बढ़ जाती है। सिटी कमिश्नर ने बताया कि बच्चे सोशल मीडिया के प्रति अधिक आकर्षित हो रहे हैं, और विशेष रूप से लड़कियां अनजान व्यक्तियों से चैट करने और अपनी जानकारी साझा करने के कारण शिकार बन रही हैं। उन्होंने माता-पिता को अपनी बेटियों के प्रति सावधान रहने और मोबाइल फोन देने से पहले आवश्यक सावधानियों के बारे में समझाने की सलाह दी। सज्जनार ने जोर देकर कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के बच्चों को डिजिटल अरेस्ट जैसी धोखाधड़ी से बुजुर्गों को बचाने के लिए विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि साइबर अपराधों में गोल्डन आवर बहुत महत्वपूर्ण होता है, और धोखाधड़ी के तुरंत बाद शिकायत दर्ज करने पर खोया हुआ पैसा वापस पाने की संभावना अधिक रहती है। उन्होंने लोगों को संदिग्ध कॉल, लिंक या ऐप पर भरोसा न करने और किसी के साथ ओटीपी, पासवर्ड या बैंक विवरण साझा न करने की सलाह दी।

श्री सखी बाबा मठ

सामुहिक सत्यनाराण भगवान की कथा

विवाह पंचमी रथ महोत्सव

सामुहिक सत्यनाराण भगवान की कथा दिनांक 24-11-25 को दोपहर 3.00 बजे हल्दी का अभिषेक भगवान को मेहंदी अर्पण, आरती 7.00 बजे दिनांक 25-11-25 को श्री सीतारामचन्द्रजी विवाह महोत्सव 8.30 बजे, शोभायात्रा उत्वव 10.30 बजे सखी बाबा मठ से निकलकर शिवालाघाट, पुराना पुल, दरवाजा, पारधीवाडा, पूनः मठ को प्रस्थान करेगा।

निवेदक : महन्त ठाकूरदासजी महाराज (संदीप मिश्रा)

प्रसादी 12.00 बजे से सभी भक्त लोग दर्शन ओर प्रसाद से लाभ उठाएं

सभी भक्तगण सादर आमंत्रित हैं। संपर्क : 7207252733

भक्त मंडली : गोवदि जी मूंदडा, राजेंद्र प्रसादजी जायसवाल, राकेश जायसवाल, सुशली जी जायसवाल, केलाश जी जायसवाल

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

।। जय गौ माता ।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।

श्री समर्थ कामधेनु गौशाला

श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग़, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317

समर्थ नारायण महाराज

अन्नकूट प्रसाद

आज रविवार 23-11-2025

श्री सुन्दरकाण्ड पाठ एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ प्रातः 9.30 से 12.30 तक

अन्नकूट प्रसाद दोपहर 12.30 से सायं 5.30 बजे तक

श्री प्रभुदत्तजी महाराज

"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।"

गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ।

Online गौ सेवा के लिये

(For Income Tax Exemptions u/s 80g)

SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST

SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054

SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM

SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790

PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.